वार्षिक प्रतिवेदन
और
वार्षिक लेखा
2017-2018

राष्ट्रीय बाल भवन
कोटला रोड, नई दिल्ली-110002

भाग क

वार्षिक प्रतिवेदन

2017-18

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

शिक्षा से मेरा पर्याय है बच्चों का शारीरिक, बौद्धिक
एवं आत्मिक रूप का श्रेष्ठतम उभार।

– महात्मा गांधी

अनुक्रमणिका

भाग क – वार्षिक प्रतिवेदन

	अध्यक्ष की कलम से	*v*
	निदेशक की कलम से	*vii*
	राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2018 तक	*viii*
1.	परिचय	1
2.	हमारा मिशन, हमारा दृष्टिकोण	2
3.	लक्ष्य और उद्देश्य	3
4.	राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका	4
5.	सदस्यता संख्या 2017–18	5
6.	गतिविधियाँ – एक नज़र में	7
7.	राष्ट्रीय बाल संग्रहालय	17
8.	राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र	18
9.	हमारे कार्यक्रम	19
10.	विशेष उपलब्धियाँ	29
11.	विस्तृत रिपोर्ट	32
12.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	54
13.	दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र	63
14.	संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट	66
15.	भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची	72
16.	31.03.2018 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची	85

भाग ख – वार्षिक लेखा

I. लेखा परीक्षक की रिपोर्ट 91

II. राष्ट्रीय बाल भवन तुलन पत्र

1. तुलनपत्र 92
2. आय तथा व्यय खाता 93
3. प्राप्ति तथा अदायगी खाता 94

III. अनुसूचियाँ

4. अनुसूची-1 – पूंजीगत निधि 95
5. अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि 96
6. अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध 97
7. अनुसूची-4 – अचल परिसंपत्तियां (मूर्त परिसंपत्तियां) 98
8. अनुसूची-4 क – अचल परिसंपत्तियां (अमूर्त परिसंपत्तियां) 98
9. अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश 99
10. अनुसूची-6 – निवेश अन्य 99
11. अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तिया 100
12. अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा 101
13. अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां 102
14. अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान) 103
15. अनुसूची-11 – निवेश से आय 104
16. अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज 104
17. अनुसूची-13 – अन्य आय 105
18. अनुसूची-14 – गत अवधि की आय 106
19. अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय) 106
20. अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ 107
21. अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय 108
22. अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय 109
23. अनुसूची-18 – परिवहन व्यय 110
24. अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण 110
25. अनुसूची-20 – वित्त लागत 111
26. अनुसूची-21 – अन्य व्यय 111
27. अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय 111

IV. आन्तरिक प्राप्ति खाता

34. तुलनपत्र 112
35. आय एवं व्यय खाता 113
36. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 114
37. अनुसूची 4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2018 को परिसंपत्तियों के मुल्यह्रास की सूची 116

V. भविष्य निधि – जी.पी.एफ./सी.पी.एफ.

28. तुलनपत्र 117
29. आय एवं व्यय खाता 118
30. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 119

VI. नई पेंशन योजना

31. तुलनपत्र 120
32. आय एवं व्यय खाता 121
33. प्राप्ति एवं अदायगी खाता 122

VII. लेखकरण नीतियाँ एवं लेखा नोट्स

37. अनुसूची-23 – महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ 123
38. अनुसूची-24 – लेखा नोट्स 125

भाग ग – लेखा रिपोर्ट

VIII. नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट 131

IX. लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक 134

अध्यक्ष की कलम से

हमेशा की तरह, इस वर्ष भी हमने अपने कार्यक्रमों को नवोन्मेषी बनाया है और सम्बद्ध विषयों और बड़े स्वप्न देखने एवं कड़ा परिश्रम करने की संकल्पना को जारी रखा है। एक नई पहल के रूप में इस वर्ष ग्रीष्मोत्सव के दौरान 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएं, जैसे :- पेंटिंग के माध्यम से अपना नाम खोजें, फेबल्स एवं रंग: कहानी के माध्यम से चित्रण, ड्रिप तकनीक से टेबल मैट और ग्रीटिंग कार्ड बनाना, कहानी सुनाने की कार्यशाला, एनीमेडिट मूवी : "*हाउ टू ट्रेन यूअर ड्रैगन*", थम्ब पेंटिंग, वेजीटेबल इम्प्रेशन एवं स्प्रे पेंटिंग, कागज शिल्प गतिविधि, समाचार-पत्रों का पुर्नप्रयोग, कठपुतली गतिविधि द्वारा मुखौटे तैयार करना और गाय, कुत्ता, ड्रेगन जैसी हाथ की कठपुतली का निर्माण, मोसाईक कला, पेंटिंग, संयुक्त पेंटिंग, टाई एण्ड डाई, नाटक प्रदर्शन इत्यादि संचालित की गई, जो ग्रीष्मोत्सव का विशेष आकर्षण रहीं। इसके अतिरिक्त ग्रीष्म अवकाश के समय हज़ारों बच्चों ने नियमित गतिविधियों जैसे - भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव-विज्ञान से संबंधित गतिविधियाँ, शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ-कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाजी इत्यादि में भाग लिया। सहयोग देने वाली संस्थाओं में जागो टीन, टेरी, केन्द्रीय स्वास्थ्य शिक्षा विभाग, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज, डाक विभाग आदि प्रमुख हैं। अनेक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय बाल भवन सभी बच्चों की सहभागिता के लिए प्रशिक्षण के एक हब के रूप में परिवर्तित हो जाता है जहाँ बच्चों के लिए विशेष व्यवस्था की जाती है। इस दौरान दंगल, चक दे इंडिया, इकबाल, एम.एस. धोनी जैसी खेल-कूद से सम्बंधित फिल्में बच्चों को दिखाकर खेल फिल्मोत्सव भी मनाया गया। ग्रीष्म सत्र में भाग लेने वाले सदस्य बच्चों को प्रत्येक दिन बस की सुविधा एवं अल्पाहार प्रदान किया गया, ताकि अधिकाधिक बच्चे ग्रीष्मोत्सव में भाग ले सकें।

वार्षिक कार्यक्रमों की श्रृखंला में राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2017 के दौरान राज्यों से आए प्रतिभागियों एवं राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए नियमित गतिविधियों के साथ कई नवीन कार्यशालाएं जैसे - सांझी कला, कैलीग्राफी, वर्ली, टाई एण्ड डाई, चरखे से कताई इत्यादि आयोजित की गई। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण के लिए एक अद्वितीय थीम "भारत की मौलिक कलाएं" संजोई गई थी। मुख्य आकर्षण के रूप में पहली बार मानव संसाधन विकास मंत्रालय के निर्देशानुसार राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तरीय इंटर स्कूल बैण्ड प्रतियोगिता का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन में सफलतापूर्वक किया गया।

नये आयामों में बच्चों की बनी कलाकृतियों को बढ़ावा देने हेतु स्मृतिचिन्ह विक्रय केन्द्र की स्थापना भी मुख्य द्वार के पास की गई। अंत में मैं राष्ट्रीय बाल भवन परिवार के सदस्यों को धन्यवाद देना चाहती हूँ क्योंकि उनके अथक प्रयत्न सदा बच्चों के इस प्यारे स्थान को गति एवं स्फूर्ति प्रदान करते हैं।

अप्रैल, 2018
नई दिल्ली

शालू जिन्दल
अध्यक्ष

निदेशक की कलम से

राष्ट्रीय बाल भवन सृजनात्मकता एवं आमोद-प्रमोद से परिपूर्ण एक स्थान है। राष्ट्रीय बाल भवन की वर्ष-पर्यन्त गतिविधियों के कैलेण्डर में अभिव्यक्ति की स्वतन्त्रता, सृजनात्मकता एवं अनुप्रयोगों पर आधारित गतिविधियाँ शामिल हैं। इस वार्षिक प्रतिवेदन के रूप में वर्ष 2017-2018 की उपलब्धियों का सारांश आपके समक्ष रखते हुए मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। राष्ट्रीय बाल भवन में 22 अप्रैल, 2017 को आयोजित पृथ्वी दिवस कार्यक्रम में बेंगलुरू से पधारे योग अध्यापक-श्री लक्ष्मी प्रसाद सुबेदी" ने बच्चों को योगासन सिखाए एवं पर्यावरण संबंधी मुद्दो पर विचार विमर्श किया। 29 और 30 जुलाई, 2017 को बालश्री के चयनित राज्य स्तरीय सहभागियों हेतु राष्ट्रीय बाल भवन में राष्ट्रीय शिविर का आयोजन हुआ। 23 मई से 22 जून, 2017 को ग्रीष्मकालीन सत्र का आयोजन हुआ। इस वर्ष ग्रीष्मकालीन सत्र में कुल 4579 बच्चों का पंजीकरण हुआ, जिसमें प्रत्येक दिन लगभग 3000 बच्चों ने भाग लिया। पर्यावरण दिवस 6 जून, 2017 को मनाया गया जिसका थीम था - "प्रकृति के नजदीक लोग", अत: मछली, पक्षी बनाने के लिए कागज शिल्प की गतिविधि संचालित की गई ताकि बच्चे प्रकृति के साथ जुड़ें। साथ ही बाओडीग्रेडेबेल वेस्ट और गैर बाओडीग्रेडेबल वेस्ट अलग-अलग कर उनके समुचित निपटान व पुर्नप्रयोग के लिए "डस्टबिन की संकल्पना" हरा कूड़ादान (जैविक) और लाल कूड़ादान (अजैविक) द्वारा कचरा विभाजन कर जीती जागती सृष्टि के लिए पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने तथा पर्यावरण के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने के उददेश्य से पावर प्वाइंट प्रेसेन्टेशन दी गई।

"स्वच्छता पखवाड़ा" कार्यक्रम में बच्चों को अपने आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के लिए तरीकों को समझाया गया और बच्चों को एक गीत - **कोटि-कोटि कंठों से निकली, आज यही स्वरधारा है, भारत स्वच्छ बनाना है, भारत स्वस्थ बनाना** भी सिखाया गया। "हिन्दी पखवाड़ा" राष्ट्रीय बाल भवन के साथ-साथ जवाहर बाल भवन माण्डी और राष्ट्रीय बाल भवन के सम्बद्ध बाल भवनों एवं बाल-केन्द्रों में भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर सदस्य बच्चों, सदस्य-स्कूली बच्चों एवं स्टाफगण के लिए विभिन्न प्रतियोगिताएँ आयोजित की गईं। 25 अक्तूबर, 2017 को पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी कार्यक्रम के आयोजन का उद्देश्य उनके जीवन व कार्यो से प्रेरणा प्राप्त करना तथा उनके व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डालना था। 31 अक्तूबर, 2017 से 4 नवम्बर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया जिसका विषय था - "मेरा लक्ष्य -भ्रष्टाचार मुक्त भारत"। इस अवसर पर सभी कर्मचारियों को प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ दिलाई गई। बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र इस वर्ष पूरे बाल भवन का राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों के सहयोग से सुरक्षा ऑडिट करवाया गया व प्राप्त सुझावों के अनुसार उचित कदम उठाये गए। 14 से 16 नवम्बर, 2017 तक आयोजित "राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर" कार्यक्रम में देशभर से 254 सदस्य बच्चों तथा 86 अनुरक्षकों ने भाग लिया। 2 जनवरी 2018 को संस्कृति शिल्प ग्राम का उद्घाटन पुर्नावृति पश्चात् किया गया जिसमें ग्रामीण परिवेश में गतिविधियों एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रति शनिवार सांयकाल संस्कृति शिल्पग्राम में गतिविधियाँ आयोजित की जा रही है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों एवं उनके विकास के विभिन्न पहलू ही हमारा केन्द्र बिन्दु हैं और समाज को जनसंख्या के इस घटक के प्रति संवेदनशील बनाना हमारा उद्देश्य है, जिनके सुकुमार कन्धों पर राष्ट्र का भविष्य निर्भर है।

मीनाक्षी जौली

अप्रैल, 2018
नई दिल्ली

मीनाक्षी जौली
निदेशक

राष्ट्रीय बाल भवन प्रबंधन बोर्ड के सदस्यों की सूची 31.03.2018 तक

1. श्रीमती शालू जिन्दल, अध्यक्ष
कोटला रोड, नई दिल्ली–110002
दूरभाष : 23222175
ई–मेल : shallu@jindalsteel.com

2. डॉ. इन्दुमती राव, उपाध्यक्ष
गृह संख्या 134, प्रथम ब्लाक, 6 मेन
बी.एस.के.–III स्टेज, बैंगलोर–560085
ई–मेल : ideasianetwork2013@gmail.com

3. प्रो. आर. गोविन्दा
डी–504, प्रकृति अपार्टमेंटस
सैक्टर–6, द्वारका, नई दिल्ली
ई–मेल : aargovinda@gmail.com

4. श्री हरीश कुमार, निदेशक
कमरा नं. 526, सी–विंग
मानव संसाधान विकास मंत्रालय, शास्त्री भवन
नई दिल्ली, दूरभाष : 011–23385744
ई–मेल : harishkumar.edu@nic.in

5. श्री अनिल काकरिया, उपसचिव (वित्त)
स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
आन्तरिक वित्त विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
शास्त्री भवन, नई दिल्ली, दूरभाष : 23381877
ई–मेल : kakria_anil@yahoo.co.in

6. श्रीमती लता वैद्यनाथन, बोर्ड सदस्य
1601, टावर–5, साउथ अपार्टमेन्टस के पास
निरवाना काउन्ट्री, गुडगांव, दूरभाष : 9818040735
ई–मेल : latavaidyanathan@hotmail.com

7. डॉ. सायरा वर्गीश, बोर्ड सदस्य
सी–86, डिफेन्स कालोनी, नई दिल्ली
दूरभाष : 9810526656
ई–मेल : sairageorge@hotmail.com

8. श्री संतोष अमोनकर, निदेशक
बाल भवन गोवा, परेड ग्राउंड के सामने
कम्पल, पणजी, गोवा
दूरभाष : 0996032274, 0832–2226823
09823629718
ई–मेल : goabalbhavan@yahoo.in

9. श्रीमती मीनाक्षी जौली
निदेशक (सदस्य सचिव)
राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड
नई दिल्ली–110002
दूरभाष : 011–23239141, 23237856
ई–मेल : nbb.director@gmail.com

परिचय

राष्ट्रीय बाल भवन मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सराकार, प्रारम्भिक शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के अन्तर्गत एक स्वायत्तशासी संस्था है। यह संस्था 5 से 16 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों के लिए एक गैर-औपचारिक शिक्षा का केन्द्र है। इसकी स्थापना 1956 में हुई थी। बच्चों को सोच, कल्पना तथा सृजनात्मक व आमोदपूर्ण गतिविधियों के माध्यम से उन्मुक्त प्रदर्शन के स्वप्न को केन्द्र में रखकर भारत के पहले प्रधानमंत्री द्वारा इसकी नींव रखी गई। बाल भवन देश के चारों कोनों में 142 मान्यता प्राप्त बाल भवनों एवं बाल केन्द्रों के साथ एक आन्दोलन का रूप ले चुका है। इसके अलावा 48 बाल केन्द्र और दिल्ली के माण्डी गाँव में एक ग्रामीण जवाहर बाल भवन भी कार्यरत है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार विभिन्न गतिविधियां एवं अवसर उपलब्ध कराकर बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने, अभिव्यक्ति, प्रयोग, सृजन एवं कलाप्रदर्शन का आम मंच उपलब्ध कराता है। यह संस्था बच्चों के किसी प्रकार के भय अथवा तनाव के अवरोध मुक्त वातावरण व सम्भावनाओं का बृहद आकाश प्रदान करता है। राष्ट्रीय बाल भवन व इसकी मान्यता प्राप्त संस्थाओं में बच्चों, विशेषकर समाज के वंचित वर्गों के लिए नियमित कार्यक्रमों का संचालन किया जाता है।

वर्ष 2017-18 में राष्ट्रीय बाल भवन सभी के लिए सृजनात्मकता, नवोन्मेष एवं अभिव्यक्ति हेतु सतत प्रक्रिया है, जो बच्चों को पूर्णरूपेण विकसित करने के लिए निरन्तर प्रयत्नशील है।

इस संस्था का उद्देश्य बच्चों को विविध गतिविधियों, अवसर, विचार-विमर्श, अनुभव, सृजन द्वारा तथा उनकी आयु, दक्षता एवं सामर्थ्य के अनुसार एक सांझे मंच पर कार्य करके सृजनात्मक क्षमता का विकास करना है। बाल भवन बच्चों को सम्पूर्ण सृजन की स्वतंत्रता प्रदान करने के साथ-साथ खेल-खेल की पद्धति से भी सीखने का अवसर प्रदान करता है तथा नृत्य, नाटक, संगीत, सृजनात्मक कला, छायांकन, कम्प्यूटर आदि के माध्यम से उनकी सृजनात्मक क्षमता का विकास करता है। राष्ट्रीय बाल भवन, सभी गतिविधियों के लिए एक केन्द्र स्थल बन बच्चों को एकत्रित करके उनके चहुंमुखी व्यक्तित्व विकास हेतु तनाव मुक्त वातावरण भी उपलब्ध कराता है।

प्रत्येक वर्ष कई हज़ारों बच्चे बाल भवन से जुड़ते हैं। सन् 1956 में मात्र 300 बच्चों की सदस्यता के साथ शुरू हुआ यह आन्दोलन अब लाखों बच्चों का सागर बन चुका है और बच्चे विविध अनुभवों का लाभ उठा रहे हैं। दूर-दराज़ इलाकों के बच्चों तक पहुंचने के लिए दिल्ली राज्य के कई क्षेत्रों में 48 बाल केन्द्रों की स्थापना की गई है। ये सभी पृष्ठ भूमि एवं परिवेश से आए बच्चों की जरूरतों को पूरा करते हैं। माण्डी स्थित जवाहर बाल भवन वस्तुतः राष्ट्रीय बाल भवन की ग्रामीण इकाई है, जो राष्ट्रीय बाल भवन के अधीन संचालित है तथा ग्रामीण जनसंख्या को समानांतर सेवाएं उपलब्ध कराती है। राज्य बाल भवन और बाल केन्द्र देश के सभी भागों तथा दूरस्थ आदिवासी क्षेत्रों में खोले गए हैं और वे सभी जगह समान सेवायें प्रदान कर रहे हैं।

बालश्री योजना मुख्य चार विधाओं अर्थात् सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला एवं सृजनात्मक वैज्ञानिक नवीकरण में 1995 में देश भर में शुरू की गई थी, जिसके द्वारा सृजनशील बच्चों का चयन किया जाता है। अक्तूबर-नवम्बर, 2015 में बालश्री योजना में संशोधन किया गया जिसके बाद बच्चों की सहभागिता कई गुणा बढ़ गई। 31 मार्च, 2018 तक देश भर में कड़ी चयन प्रक्रिया के माध्यम से 665 बच्चों को पुरस्कार हेतु चुना जा चुका है।

हमारा मिशन

प्रत्येक बच्चे को इस खुशहाल संसार में एक सृजनात्मक, मानवीय एवं नवोन्मेषी एवं अद्भुत परिवेश में पूर्ण रूप से योगदान करने और प्रयास करने के अवसर प्रदान करना।

हमारा दृष्टिकोण

जिज्ञासा एवं दृश्य कला, विज्ञान गतिविधि, शारीरिक क्रियाकलापों आदि के माध्यम से सम्भावनाओं के आनन्द का अवसर प्रदान करना। ऐसे मूल्यों का निर्माण करना जिससे आत्मविश्वास और विश्व के जिम्मेदार नागरिक की भावना विकसित हो सके।

लक्ष्य और उद्देश्य

राष्ट्रीय बाल भवन का लक्ष्य है :

राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों में विश्वास, आत्म-निर्भरता, धर्म-निरपेक्षता की प्रवृत्ति तथा मूल्यों के प्रति प्रेम जागृत करना जिससे वे राष्ट्र को शक्तिवान व सम्पन्न बनाने में योगदान दे सकें। ऐसे ही सृजनात्मक कला, सृजनात्मक लेखन, सृजनात्मक प्रदर्शन कला, शारीरिक शिक्षा, वैज्ञानिक नवप्रयोग, छायांकन, गृह प्रबंधन तथा संग्रहालय तकनीक आदि से शिक्षण की अनौपचारिक पद्धति के माध्यम से बच्चों को अपनी सृजनात्मकता को विकसित करने के अवसर प्रदान करना है। बाल भवन इस लक्ष्य की पूर्ति हेतु बाल भवन के दर्शन का प्रसार करते हुए कार्यशालाओं, प्रशिक्षण कार्यक्रमों के माध्यम से बच्चों की सृजनात्मकता को पहचानता है व पोषित करता है।

राष्ट्रीय बाल भवन के उद्देश्य हैं :

1. बच्चों को शिक्षा और सृजनात्मकता के लिए अवसर प्रदान करना।
2. बच्चों को ऐसे अनुभव व कार्यकलाप प्रदान करना, जो उन्हें अन्यथा उपलब्ध नहीं होते।
3. स्थानीय विद्यालयों के लिए उनके पाठ्यक्रम संबंधी और पाठ्येत्तर कार्यकलापों को समृद्ध बनाने हेतु कुछ शैक्षणिक सेवाएं प्रदान करना।
4. कला और विज्ञान में सृजनात्मक अवधारणा के पोषण के लिए अध्यापन में नेतृत्व और मार्गदर्शन प्रदान करना।
5. मनोविनोद गतिविधियों से जुड़े कामगारों और बाल संग्रहालय के कार्मिकों को प्रशिक्षण सुविधाएं प्रदान करना।
6. राष्ट्र के लिए प्रोटोटाईप शिशु बाल संस्थान प्रदान करना अर्थात् एक आदर्श बाल भवन स्थापित करना।
7. मनोरंजक और शारीरिक कार्यकलापों के माध्यम से बच्चों के व्यक्तित्व और उनकी प्रतिभाओं का विकास करना।
8. सभी वर्गों और समुदायों के बच्चों के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक मेल-मिलाप को प्रोत्साहित करना।
9. बच्चों में ऐसे मूल्य अंतर्विष्ट करना, जो उन्हें वैज्ञानिक प्रवृत्ति के साथ-साथ आधुनिक भारत का विकास करने में सहायक हों।
10. उपरोक्त वर्णित कार्यकलापों को एक आंदोलन के रूप में प्रोत्साहित करना।

राष्ट्रीय बाल भवन की संगठनात्मक तालिका

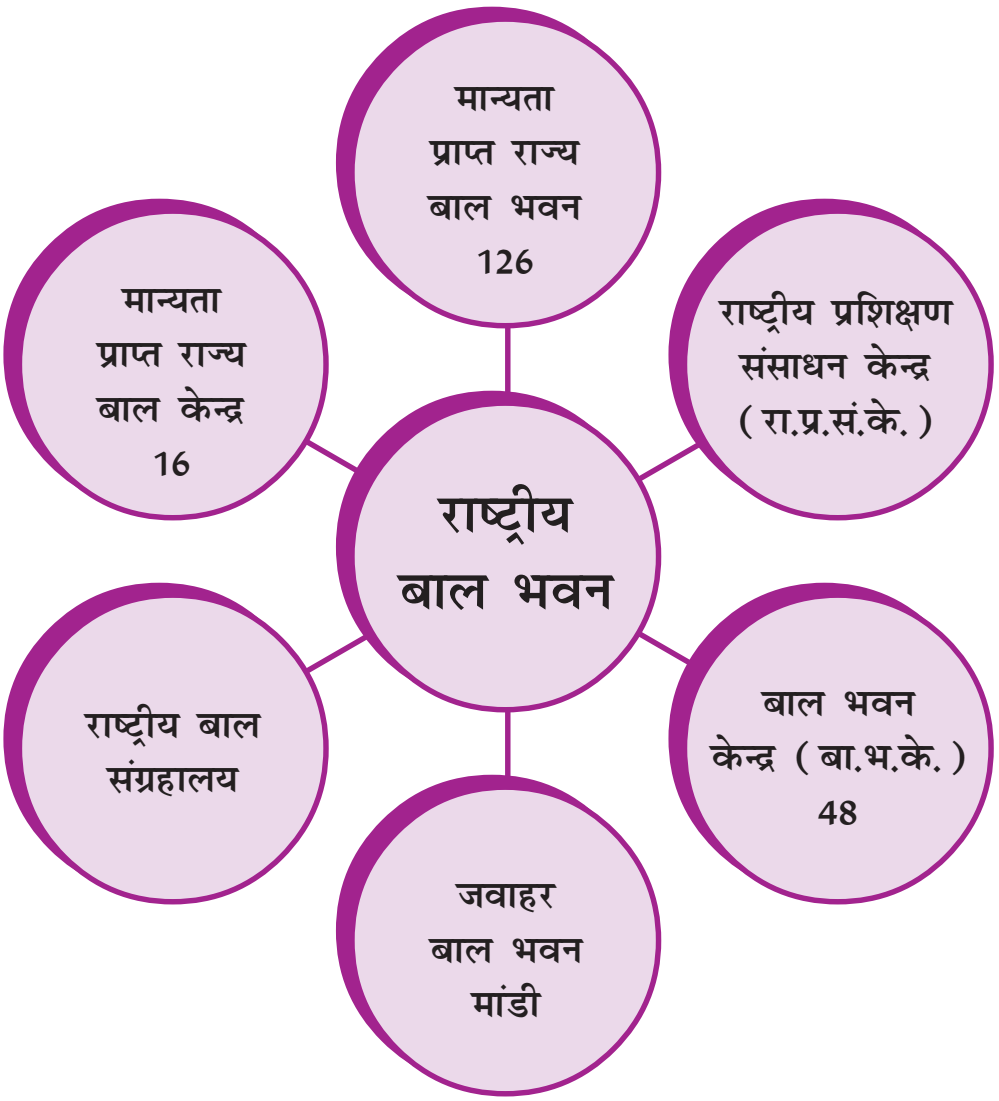

सदस्यता संख्या 2017-18

राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन माण्डी तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत चल रहे दिल्ली के 48 बाल केन्द्रों में बच्चे वार्षिक सदस्यता प्राप्त करते हैं । इस वर्ष 4758 (2875 - लड़के, 1883 - लड़कियों सहित) बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन तथा 877 जवाहर बाल भवन माण्डी में और 8,533 बच्चों ने दिल्ली के 48 बाल केन्द्रों में सदस्यता प्राप्त की।

राष्ट्रीय बाल भवन का सभी क्षेत्रों के बच्चों का सृजनात्मक विकास करना ही केन्द्रीयभूत लक्ष्य है। राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चे अनेकानेक गतिविधियों में भाग लेने के लिए स्वतंत्र हैं और ये गतिविधियाँ बच्चों के सर्वांगीण विकास तथा उनकी तादार बढ़ाने के लिए तैयार की जाती हैं।

व्यक्तिगत सदस्यता के अलावा दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों को नि:शुल्क संस्थागत सदस्यता प्रदान की जाती है। 14 पब्लिक स्कूलों तथा 01 अनाथालय एवं 21 सरकारी विद्यालयो को वर्ष 2017-2018 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन की सदस्यता प्राप्त हुई।

सरकारी विद्यालयों को नि:शुल्क व गैर सरकारी विद्यालयों एवं एन.जी.ओ. का नामांकन शुल्क पर सदस्यता उपलब्ध करवाई जाती है।

निम्नलिखित सदस्यता संख्या इस प्रकार हैं –

क्र.सं	बाल भवन	लड़के		लड़कियाँ		कुल	
		2016-17	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17	2017-18
1.	राष्ट्रीय बाल भवन	3586	2875	2509	1883	6095	4758
2.	जवाहर बाल भवन, माण्डी	557	599	243	300	800	899
3.	बाल भवन केन्द्र	5270	*	5723	*	10993	8533

वार्षिक संस्थागत सदस्यता संख्या –

क्र.सं.	पब्लिक स्कूल/नि:शुल्क संस्थाएँ	
	2016-17	2017-18
1	9	15

15 विद्यालयों के 1992 बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों में भाग लिया।
वर्ष 2017-18 के दौरान 1,50,000 से भी ज़्यादा बच्चों और वयस्कों ने बाल भवन का दौरा किया।

सदस्य पब्लिक स्कूलों की सूची

1 द हेरिटेज स्कूल, प्लॉट नं. 8, सैक्टर-23, रोहिणी, दिल्ली-110085

2 अशोक मेमोरियल पब्लिक स्कूल, अशोका एंक्लेव, फरीदाबाद, हरियाणा-121003

3 न्यू नेशनल पब्लिक स्कूल 1366, गली नं. 4, फैज़गंज, दिल्ली-110006

4 स्वर्ण भारती पब्लिक स्कूल, सोनिया विहार, दिल्ली-110094

5 फैमिली सर्विस ट्रस्ट, जे-168, सरिता विहार, नई दिल्ली-110076

6 गुरूकुल द स्कूल, मॉडर्नीटी विद ट्रेडिशनल, एनएच-24, नियर दासना रेलवे क्रॉसिंग, गाजियाबाद-201302, उत्तरप्रदेश।

7 रामजस पब्लिक स्कूल, आनन्द पर्वत, नई दिल्ली-110005

8 बाबू राम हैप्पी स्कूल, 1192, गली बाबू राम, कूचा पातीराम, बाजार सीता राम, दिल्ली-110006

9 भारत नेशनल पब्लिक स्कूल, राम विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110092

10 हैप्पी इंगलिश स्कूल, शरद विहार, कड़कड़डूमा, दिल्ली-110092

11 एसटी मैथ्यूस पब्लिक स्कूल, ए-6, पश्चिम विहार, नई दिल्ली-110069

12 सेन्टर फॉर सोसियल सेक्यूरिटी एण्ड रिसर्च, 429, तीसरा तल, राजेन्दर अरिहंत टॉवर, बी-1, कॉमिनीटी सेंटर, जनकपुरी, नई दिल्ली-110058

13 नवशक्ति गर्ल्स सीनियर सैकण्ड्री स्कूल, डीडीयू मार्ग, नई दिल्ली-110002

14 बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा, दिल्ली।

निःशुल्क संस्थाएं

15. आर्य अनाथालय, पटौदी हाऊस, दरियागंज।

नोट : राष्ट्रीय बाल भवन में सभी सरकारी स्कूलों को निःशुल्क सदस्यता प्राप्त है।

गतिविधियाँ - एक नज़र में

सृजनात्मक कला

सृजनात्मक कला की गतिविधियों का मुख्य उद्देश्य बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के अवसर प्रदान कर उनके सौंदर्यबोध की अलग-अलग विधाओं का विकास करना तथा उनके अंदर छिपी हुई प्रतिभा को पहचान कर उन्हें प्रोत्साहित करना और उनको कला तथा शिल्प की विभिन्न तकनीकों से अवगत कराना है। सृजनात्मक शिल्प कला में विविध गतिविधियाँ हैं जिन्हें विभिन्न उप-भागों में विभाजित किया गया हैं।

मिले-जुले क्रियाकलाप

मिले-जुले अनुभाग सभी आयु के बच्चों को समान रूप से आकर्षित करता है। अनुभाग में आने वाले बड़े बच्चे आमतौर पर हस्तशिल्प से संबंधित परम्परागत कला का काम करना बहुत पसंद करते हैं जबकि छोटे बच्चे हस्तशिल्प की कृतियाँ बनाना ज्यादा पसंद करते हैं। एक मल्टीमीडिया अनुभाग होने के कारण बच्चे यहाँ सरलता से एक मीडिया से दूसरे मीडिया पर जा सकते हैं। इस विभाग में सृजनात्मक और जीवन-मूल्यों पर आधारित खेल भी तैयार किए जाते हैं। प्राकृतिक रूप से प्राप्त रंग और तीलियों (ब्रश की बजाय) से बनाई गई परंपरागत लोक चित्रकला इस अनुभाग की अनूठी विशेषता है। बच्चे खिलौने और पेपरमैशी व कागज़ के शिल्प की कलात्मक वस्तुओं को बनाना भी यहाँ सीखते हैं।

चित्रकला

इस अनुभाग में बच्चे अपनी रचनात्मक अभिव्यक्ति को क्रेऑन, वाटर कलर, ऑयल कलर और पेंसिल द्वारा चित्र बनाकर अभिव्यक्त करते हैं। यह कार्यकलाप बड़े बच्चों को भी उतना ही भाता है जितना कि छोटी आयु के बच्चों को। सभी बच्चे इसमें उत्साह से भाग लेते हैं। छोटे बच्चे जहाँ एक ओर अपनी कल्पना के अनुसार चित्र बनाते हैं, वहीं बड़े बच्चे पोट्रेट बनाने, स्केच, प्राकृतिक दृश्य और विषय के आधार पर चित्र बनाने की कला का आनन्द उठाते हैं। बच्चों को बाटिक, टाई एण्ड डाई, ब्लॉक प्रिंटिंग इत्यादि कार्यकलापों की तकनीक भी सिखाई जाती है।

हस्तशिल्प

इस अनुभाग की गतिविधि भी एक लोकप्रिय क्रियाशील गतिविधि है, जिसमें बच्चों को काम में न आने वाली विभिन्न प्रकार की वस्तुओं जैसे - पुराने अखबार, पुरानी पत्रिकाएँ, गत्ते के खाली डिब्बे, पुराने कागज़, प्रयोग किए हुए डिब्बे, बल्ब, बटन, उभरे हुए कागज़, थर्मोकॉल, कतरनें, बीज, तार, पत्तियाँ व पेड़ों के तनों की छाल

इत्यादि पदार्थों के साथ प्रयोग करने की खुली छूट मिलती है। काम में न आने वाली वस्तुओं से बच्चों द्वारा बनाई गई सुंदर कृतियाँ और उत्पाद बच्चों की कल्पना और उनकी सृजनात्मक अभिव्यक्ति का परिणाम होते हैं।

बुनाई

इस अनुभाग की बुनाई गतिविधि भी बच्चों की एक लोकप्रिय गतिविधि है, यहाँ बच्चे कई प्रकार की कलात्मक कलाकृतियां जैसे - वॉल हैंगिंग, लैम्पशेड, टेपेस्ट्री, दृश्यावली इत्यादि बनाते हैं और बच्चों को बुनाई की कलाकृतियों की तकनीकों से अवगत कराया जाता है। उन्हें सौंदर्य की दृष्टि से सुंदर वस्तुओं के निर्माण करने की ओर प्रेरित किया जाता है। वे विभिन्न प्रकार की बुनाई, गाँठे लगाना व बुनाई की कई तकनीक सीखते हैं और आसन, दृश्यावली तथा छोटी दरियाँ व कालीन स्वयं बनाते हैं।

सिलाई-कढ़ाई

सिलाई-कढ़ाई की गतिविधियों में खिलौने बनाने, कठपुतली बनाने, मैक्रमे, क्रोशिया, सिलाई-कढ़ाई इत्यादि सम्मिलित हैं। बच्चे जहाँ एक ओर वस्त्रों की कटाई और सिलाई के मूल तत्वों को सीखते हैं, वहीं वे विभिन्न प्रकार के कपड़ों को डिज़ाईन करने, पैच वर्क बनाने और रचनात्मक कढ़ाई का काम भी करते हैं। रूई भर कर खिलौने बनाने की कला भी इस कक्षा की एक लोकप्रिय गतिविधि है। बच्चों को हैंगिंग्स बनाना, तरह-तरह सजावटी वस्तुएँ आदि तैयार करने का ज्ञान प्राप्त करते हैं जिससे उनकी सृजनशीलता का विकास होता है।

मिट्टी का काम

इस अनुभाग की गतिविधि 5 से 16 वर्ष की आयु के बच्चों के मस्तिष्क, हृदय और हाथों का समन्वय बैठाने में सहायक होती है जो बच्चों के मस्तिष्क और शरीर के स्वाभाविक विकास में भी सहायता करती है। यहाँ बच्चे मिट्टी के जानवर, मानव आकृतियाँ एवं मुख, चेहरे, दृश्य व डिज़ाईन इत्यादि बनाना सीखते हैं और साथ ही पेपरमैशी और प्लास्टर ऑफ पेरिस के सांचे बनाने, टेराकोटा काम के प्रयोग भी करते हैं। मिट्टी द्वारा कास्टिंग करते हुए यह अनुभाग बच्चों को नवप्रायोगिक कार्य करने और इस प्रकार उनकी सृजनात्मक क्षमता को विकसित करने के प्रयास करता है।

जिल्दसाज़ी

जिल्दसाज़ी अनुभाग की गतिविधि भी बच्चों को अत्यंत लोकप्रिय है क्योंकि इस गतिविधि के द्वारा बच्चे अपनी किताबों को सुरक्षित और सुन्दर बनाना सीखते हैं। यहाँ जिल्दसाज़ी की तकनीकी कुशलताओं को जानने के अतिरिक्त बच्चे

कार्डबोर्ड की सुंदर वस्तुओं का निर्माण करना भी सीखते हैं, जिनमें गत्ता काटना, चिपकाना व सिलाई करना इत्यादि शामिल हैं। बच्चों कों कई अन्य सृजनात्मक गतिविधियाँ भी बताई जाती हैं और वे उसकी विभिन्न वस्तुएँ जैसे कैसेट स्टैण्ड, पेन स्टैण्ड, छोटी डायरी, फाइल कवर तथा अन्य कई नई प्रकार की वस्तुएँ बनाना यहाँ सीखते हैं।

काष्ठ शिल्प

काष्ठ शिल्प अनुभाग में बच्चों को सृजनात्मक विधि द्वारा कला का ज्ञान दिया जाता है। बच्चों को लकड़ी की वस्तुओं का निर्माण करने में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों का ज्ञान कराया जाता है। बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ियाँ, उनकी बनावट का आधार व उनकी टिकाऊपन की पहचान करना भी सीखते हैं। बच्चों को वुडन फ्रेम पर वुड कटिंग द्वारा म्यूरल बनाने की तकनीक, सॉ-डस्ट से पेपर पर चित्रांकन करना भी सिखाया जाता है तथा बच्चे विभिन्न प्रकार की लकड़ी से काम में आने वाली कई वस्तुओं जैसे :- पेन होल्डर, पेन-स्टैण्ड, छोटे बॉक्स, खिलौने, डिब्बे, पॉट कवर इत्यादि बनाना भी सीखते हैं। उन्हें लकड़ी में नक्काशी का काम भी सिखाया जाता है और वे नक्काशी द्वारा सुंदर वस्तुयें भी बनाना सीखते हैं। उन्हें बेकार लकड़ी के बुरादे व टुकड़ों को रचनात्मक रूप से जोड़कर सुंदर दृश्य एवं तरह-तरह की आकृतियाँ बनाना भी सिखाया जाता है।

विज्ञान कार्यकलाप

इस अनुभाग में विज्ञान, प्रयोगशाला का एक विषय न होकर एक बड़ी प्रयोगशाला का अंग है, जिसके माध्यम से बच्चा जिंदगी की दिन-प्रतिदिन होने वाली घटनाओं से वैज्ञानिक सिद्धांतों को जोड़कर अपने ज्ञान को बढ़ाता है। राष्ट्रीय बाल भवन बच्चों को विभिन्न दिलचस्प गतिविधियों में शामिल करके विज्ञान के आधारभूत सिद्धान्तों को बच्चों को समझाने में विश्वास रखता है। बाल भवन की विज्ञान-शिक्षण प्रणाली का एक और महत्वपूर्ण पक्ष है "एकीकृत पद्धति" जिसमें विज्ञान को अन्य गतिविधियों का अखण्ड हिस्सा बनाया गया है।

इस अनुभाग में पर्यावरण विज्ञान तथा प्रकृति और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण के साथ-साथ अपनी संस्कृति, कलाशिल्प, लोककला व साहित्य की परंपराओं और ऐतिहासिक स्मारकों के संरक्षण को भी महत्त्व दिया जाता है। यहाँ पर्यावरण से संबंधित कई परियोजनाओं के अतिरिक्त 'हरितवाहिनी' यानि बच्चों की हरित सेना द्वारा 'विशाल हरित क्रांति विषयक परियोजना' चलाई जा रही है। अधिकतम बच्चों तक पहुँचने के उद्देश्य से 1990 से ''राष्ट्रीय युवा पर्यावरण विज्ञानी सम्मेलन'' भी प्रारंभ किया गया। इस अद्वितीय और अर्थपूर्ण सम्मेलन में राष्ट्र के विभिन्न भागों के बच्चे भाग लेते हैं और पर्यावरण से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा करते हैं। इसमें केवल भौतिक पर्यावरण ही नहीं होता, बल्कि सामाजिक, भावनात्मक और सांस्कृतिक पर्यावरण का भी समागम होता है। विज्ञान शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य बच्चों में "वैज्ञानिक प्रवृत्ति" का विकास करना है।

इस अनुभाग के विभिन्न उप-अनुभाग हैं जो बच्चों को विज्ञान के नियम और सिद्धांत सीखने में मदद करते हैं। बच्चों को भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान के अतिरिक्त दैनिक जीवन में विज्ञान से भी परिचित कराया जाता है। इस अनुभाग के कार्यकलापों में रेडियो-इलेक्ट्रॉनिक्स, एअॅरो मॉडलिंग, मशीन मॉडलिंग, खगोल विज्ञान, कम्प्यूटर, मछलीघर एवं छोटा चिड़ियाघर, क्यों और कैसे क्लब और पर्यावरणीय कार्यकलापों के साथ-साथ क्षेत्रीय भ्रमण और वैज्ञानिकों से भेंट, आदि शामिल हैं। आई.बी.एम. ने राष्ट्रीय बाल भवन को भेंट स्वरूप दो कम्प्यूटर प्रदान किए हैं। इसमें उपलब्ध सॉफ्टवेयर विशेष रूप से आपसी क्रियात्मक (इन्टरएक्टिव) खेलों के माध्यम से बच्चों के लिए विज्ञान को सरल तथा मज़ेदार रूप में प्रस्तुत करते हैं । ये सॉफ्टवेयर खगोलशास्त्र, समुद्री जीवन, जीव-विज्ञान तथा भौतिक विज्ञान संबंधी खेल उपलब्ध कराते हैं। ट्राई साईंस में इन कम्प्यूटरों के इस्तेमाल से बच्चे विश्व भर के विज्ञान संग्रहालयों की यथार्थ यात्रा कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त वे इन पर यथार्थ परीक्षण, पोस्टकार्ड पोस्ट करना तथा अन्य कई गतिविधियाँ भी कर सकते हैं। बाल भवन में विज्ञान कार्यकलापों में भाग लेने के लिए यह आवश्यक नहीं है कि बच्चे स्कूल में विज्ञान के विद्यार्थी हों बल्कि आवश्यकता इस बात की है कि उसमें 'क्यों' और 'कैसे' की उत्सुकता और सीखने की इच्छा हो। विज्ञान शिक्षा के अंतर्गत निम्न उप-अनुभाग बच्चों के लिए कार्य करते हैं। इस अनुभाग में समय-समय पर विशेष फिल्म-शो तथा शिविर भी आयोजित किए जाते हैं:-

विज्ञान अनुभाग की निम्न गतिविधियाँ हैं :-

भौतिक एवं प्रकृति विज्ञान

1. भौतिकी, रसायन एवं जीव विज्ञान में प्रयोग
2. शैक्षिक यात्रायें
3. विषयक कार्यशालायें

परीक्षण व वैज्ञानिक खेलों के लिए बच्चों को प्रयोगशाला उपकरण भी उपलब्ध कराए जाते हैं।

कैसे और क्यों क्लब

इस अनुभाग में विज्ञान से सम्बंधित परियोजनायें लेने के इच्छुक बच्चों की जिज्ञासा का समाधान करने के लिए क्यों और कैसे क्लब का सृजन किया गया था। सृजनात्मक वैज्ञानिक मॉडल बनाना, शैक्षिक यात्रायें, वैज्ञानिक प्रश्नोत्तरी आदि क्यों और कैसे क्लब की कुछ गतिविधियाँ हैं जो बच्चों का ज्ञान बढ़ाती हैं और उन्हें नया सीखने को उत्साहित करती हैं।

अन्वेषक क्लब

इस अनुभाग में बच्चों को प्रयोग एवं नवोन्मेषी कार्य करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है, क्योंकि वे मशीन मॉडलिंग के अवधारण से लेकर इन्हें डिज़ाइन करने तथा अन्ततः निर्माण करने से जुड़े विभिन्न पहलुओं द्वारा ज्ञानवर्द्धक कार्य सीखते हैं।

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब

रेडियो और इलेक्ट्रॉनिक्स क्लब में 10 से 16 वर्ष की आयु वर्ग के बच्चों को सदस्यता दी जाती है। यहाँ बिजली के मूल सिद्धांत, बिजली के तार लगाना और घरेलू उपकरणों की स्वयं मरम्मत करना, सर्किट के साथ नए

प्रयोग, रेडियो और टी.वी. के पुर्ज़े जोड़ना जैसे अनेक कार्यकलाप हैं। यहाँ बच्चे डिजिटल घड़ियों और नई ऊर्जा-युक्तियों जैसे-सौर ऊर्जा के मॉडल के जटिल सर्किट का भी ज्ञान प्राप्त करते हैं। विश्व में बढ़ती हुई विकसित संचार व्यवस्था की आवश्यकता को देखते हुए अधिक से अधिक लोग 'हैम रेडियो क्लब' के सदस्य बन रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन में भी रेडियो शौकीनों (एमेच्योर) के क्लब की शुरूआत की है, ताकि इस क्लब के सदस्य बच्चे अपने-अपने घरों में 'हैम स्टेशन' की स्थापना कर आपसी सम्पर्क स्थापित कर सकें।

एअॅरो मॉडलिंग

राष्ट्रीय बाल भवन में बच्चों के लिए एअॅरो मॉडलिंग जैसा महंगा शौक भी उपलब्ध है। यहाँ बच्चे वायुगति के मूलभूत सिद्धांतो से लेकर विभिन्न प्रकार के वायुयानों के मॉडल बनाना सीखते हैं इसके साथ ही विमानों के अपने मॉडल उड़ाने का आनन्द भी उठाते हैं। इस कार्यकलाप का उद्देश्य बच्चों में विमानन और उससे संबंधित विज्ञान में रुचि पैदा करने के लिए उन्हें प्रोत्साहित करना है। इस अनुभाग द्वारा 'मॉडल रॉकेट्री' की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं।

कम्प्यूटर

कम्प्यूटर एक बहुत ही लोकप्रिय कार्यकलाप है जो दिन-प्रतिदिन अधिकाधिक बच्चों को आकृष्ट कर रहा है। बच्चे कम्प्यूटर की आरंभिक भाषा सीखने के साथ-साथ कार्यक्रम बनाना (प्रोग्रामिंग करना) भी सीखते हैं। बच्चों को बड़ी संख्या में यहाँ विज्ञान के विषयों पर सॉफ्टवेयर और कम्प्यूटर खेल उपलब्ध कराए जाते हैं। कम्प्यूटर का यह कार्यकलाप स्कूली शिक्षा का संपूरक है। राष्ट्रीय बाल भवन इंटरनेट सम्बंधी जानकारी भी उपलब्ध कराता है, ताकि बच्चे आधुनिकतम प्रणाली से अवगत हो सकें। इस अनुभाग में अनेक सार्थक एवं नई प्रणाली की कार्यशालाएँ तथा संगोष्ठियाँ भी आयोजित की जाती हैं।

पर्यावरण

हरित वाहिनी आंदोलन का आरंभ 19 नवम्बर 1986 में हुआ था। इसी मुहिम को आगे बढ़ाने हेतु पर्यावरण विभाग की स्थापना की गई थी। वनस्पति और जीव के अनुरक्षण के लिए पर्यावरण अनुभाग द्वारा जागरूकता फैलाई जाती है। फील्ड यात्रायें, सर्वेक्षण, व्यर्थ सामान आदि की री-साइक्लिंग जैसी गतिविधियों द्वारा बच्चों को उनके आस-पास के वातावरण के प्रति जागरूक किया जाता है।

खगोल विज्ञान

आकाश अपने भीतर अनजान आकाशगंगाओं से संबंधित अनेकानेक अनसुलझे रहस्यों को समेटे हैं। यह मानना है कि अतिप्राचीन काल से मनुष्य इन रहस्यों को समझने में लगा हुआ है। बाल भवन में कम लागत के एक तारामंडलीय एकक की स्थापना की गई है। बच्चे इस कार्यकलाप में आनंद लेते हैं। वे आकाश के ग्रहों और तारों आदि के बारे में अधिक जानकारी के लिए उत्सुक रहते हैं।

मछली घर तथा जीवजन्तु कार्नर से सम्बंधित गतिविधियाँ

इस अनुभाग में बच्चे जीव विज्ञान की मूलभूत जानकारी हासिल करते हैं। अनुभाग द्वारा "अपना मछलीघर बनाएं", जीवजन्तुओं से सम्बंधित कार्यशालाओं का आयोजन किया जाता है। बच्चे मछली के अंगीकरण, अनुपालन, समुद्री जीवन, समुद्री वनस्पतियों आदि की अवधारणाओं को सीखने का ज्ञान प्राप्त करते हैं तथा वे जीव-जन्तुओं और पालतू जानवरों की आदतों, खानपान व रहन-सहन की परिस्थिति अनुकूलन का ज्ञान प्राप्त करते हैं। इससे बच्चों में जीव जन्तुओं के प्रति अनुपालन की इच्छा पैदा होती है।

पुस्तकालय गतिविधियाँ

राष्ट्रीय बाल भवन का पुस्तकालय एक बहुत बड़ा पुस्तकालय है, जिसमें लगभग 45,000 पुस्तकें हैं। ये पुस्तकें कला, शिल्प, संस्कृति, साहित्य, विज्ञान, गणित, पत्रकारिता व कंप्यूटर, कहानियों और कविताओं आदि विषयों पर है। यहाँ एक संदर्भ अनुभाग भी है। पुस्तकालय में हिंदी, अंग्रेजी, उर्दू, तमिल व बंगला आदि अनेक भाषाओं की पुस्तकें भी हैं। बच्चों के लिए विभिन्न पत्रिकाएँ भी इस पुस्तकालय में उपलब्ध हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग द्वारा सृजनात्मक लेखन की गतिविधि भी आयोजित की जाती है जिसमें बच्चे विभिन्न विषयों पर लिखते हैं।

बच्चों एवं स्टाफ के लिए साहित्यिक कार्यशालाएँ आयोजित की जाती हैं। इन कार्यशालाओं के दौरान बच्चे विभिन्न लेखकों व कवियों आदि से परिचर्चा द्वारा अपनी लेखन क्षमता और कौशल को विकसित करते हैं। यहाँ पर कहानी सुनाने के सत्रो का आयोजन भी होता है। इस विभाग द्वारा प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम, पुस्तकों पर परिचर्चा, आशु-भाषण, विभिन्न सामाजिक एवं प्रासंगिक वाद-विवाद आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। इस अनुभाग में हर उम्र के बच्चे आनंद लेते हैं।

अनुभाग द्वारा कवि सम्मेलनों का आयोजन भी किया जाता है जो बहुत लोकप्रिय होते हैं। इन कवि सम्मेलनों में बच्चे न केवल अपनी रचनाओं का पाठ करते हैं, बल्कि उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है और उनकी अभिव्यक्ति की क्षमता भी निखरती है। राष्ट्रीय बाल भवन बाल रचनाकारों को एक सामूहिक मंच प्रदान करता है। इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्ननुसार हैं :-

- वाचन प्रतियोगिता
- प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम
- सृजनात्मक लेखन

- कविता-रचना, काव्य-पाठ
- नवीन पुस्तकों की समीक्षा एवं परिचर्चा
- कहानी लेखन, आशुभाषण
- स्लोगन लेखन, आलेख लेखन

छायांकन (फोटोग्राफी)

राष्ट्रीय बाल भवन में छायांकन गतिविधि के अंतर्गत बच्चों को छायांकन से जुड़े विभिन्न कार्यों जैसे-फोटो खींचना, उनका प्रिंट तैयार करना और उन्हें बड़ा करना आदि से परिचित कराने के साथ-साथ अभिनव तरीकों का प्रयोग करने के लिए भी प्रेरित किया जाता है। छायांकन के द्वारा बच्चे विभिन्न प्रकार के व्यक्तियों, पशु-पक्षियों, उनकी आदतों, तरह-तरह की इमारतों, विभिन्न भौगोलिक स्थानों और वहाँ रहने वाले लोगों की जीवन शैली आदि का अनुभव एवं उनके विषय में जानकारी प्राप्त करते हैं। बच्चे रोचक दृश्यों को चित्रों द्वारा संजोने व आधुनिक तरीकों का प्रयोग कर छायांकन की दक्षता में निखार लाना भी सीखते हैं। डिज़िटल कैमरे का प्रयोग जैसी तकनीकों को भी बाल भवन की छायांकन कक्षाओं में शामिल किया गया है।

फोटो प्रभाग में बच्चों को कैमरा संचालन के तरीके, उसके विभिन्न अंग, उनकी कार्यप्रणाली, सही एक्सपोजर की आवश्यकता, फिल्म को डेवलप करना तथा कॉन्टैक्ट प्रिंटिंग की तकनीकें सिखाई जाती हैं जो उन्हें विषय का गहन ज्ञान पाने में सहायक होती है। इस विभाग द्वारा वीडियोग्राफी की कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं, जहाँ बच्चों द्वारा वीडियो कार्यक्रम निर्मित किए जाते हैं। स्क्रिप्ट लेखन, कैमरा संचालन, संवाद व ध्वनि रिकार्डिंग से लेकर फिल्म निर्माण तक सभी कार्य बच्चों की टीम द्वारा प्रशिक्षकों की देख-रेख में किए जाते हैं। इस विभाग द्वारा विभिन्न विषयों पर फोटोग्राफी प्रदर्शनियाँ भी लगाई जाती हैं जिनमें बच्चों द्वारा किए गए कार्य को प्रदर्शित किया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :-

- रंगीन फोटोग्राफी
- फोटोग्राफों का विस्तार एवं स्लाईड बनाना
- उन्नत डिजिटल फोटोग्राफी (प्रिंटिंग, प्रोसेसिंग, स्कैनिंग)

प्रदर्शन कला

प्रदर्शन कला की विभिन्न गतिविधियाँ बच्चों को आत्म-अभिव्यक्ति के द्वारा अपनी कल्पना का विकास करने तथा उसे साकार रूप देने और अपनी प्रतिभा को पहचानने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराती है। इस विभाग में बच्चे नाटक, नृत्य, संगीत, वाद्य संगीत आदि कई प्रकार की सृजनात्मक गतिविधियाँ सीखते हैं। बच्चे अपने परंपरागत लोक संगीत एवं नृत्य की विभिन्न शैलियों के विषय में जानकारी व ज्ञान भी इस अनुभाग में प्राप्त करते हैं।

प्रदर्शन कला गतिविधि विभाग में निम्न उप-अनुभाग हैं :-

- कंठ संगीत (शास्त्रीय एवं लोक)
- वाद्य संगीत - सितार (तबला एवं हारमोनियम-केवल ग्रीष्मसत्र में)
- शास्त्रीय नृत्य (कत्थक, भरतनाट्यम)
- लोकनृत्य
- नाट्यकला (केवल ग्रीष्मसत्र में)

शारीरिक शिक्षा

खेल और शारीरिक गतिविधियाँ हर आयु के बच्चों को प्रिय हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के शारीरिक शिक्षा अनुभाग बच्चों के लिए अनेक प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध कराता है जैसे :- टेबल-टेनिस, बैडमिंटन, फुटबॉल, क्रिकेट, बास्केटबॉल व जूडो और स्केटिंग सिखाई जाती है। व्यायाम एवं शरीर को सुडौल बनाने के लिए इस विभाग के पास अपना जिम्नेज़ियम भी है। बच्चे प्रशिक्षकों की देखरेख में न केवल विभिन्न प्रकार के खेलों की जानकारी प्राप्त करते हैं, बल्कि उन्हें अपनी रचनात्मकता बढ़ाने और रचनात्मक खेलों को बनाने के लिए भी प्रोत्साहित किया जाता है।

इस विभाग द्वारा आयोजित जूडो एक ऐसी गतिविधि है जिसके कारण इस संस्थान को बहुत सम्मान मिला है। राष्ट्रीय बाल भवन को ऐसे बच्चों को प्रशिक्षित करने का गौरव प्राप्त है, जिन्होंने न केवल राष्ट्रीय बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सफलता पाई है। शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा अंर्तविद्यालय जूडो टूर्नामेंट आयोजित किए जाते हैं, जिनमें विभिन्न स्कूलों और संस्थाओं के बच्चे भाग लेते हैं और उसका आनन्द उठाते हैं।

स्केटिंग रिंक भी बच्चों के बीच बहुत लोकप्रिय है और संभवत: यह दिल्ली की सर्वोत्तम स्केटिंग रिंकों में से एक है। शारीरिक शिक्षा विभाग, अंर्तविद्यालयी क्रिकेट और फुटबॉल प्रतियोगितायें भी यहाँ आयोजित करता है, जिनमें विभिन्न स्कूलों के बच्चे भाग लेते हैं और इसका आनंद लेते हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के खेल के मैदान और शारीरिक

शिक्षा विभाग की अन्य सुविधाएँ बाल भवन के सदस्य विद्यालयों को भी उपलब्ध कराई जाती है। यह विभाग विभिन्न प्रकार की साहसिक यात्राएँ ट्रैक और फील्ड ट्रिप आदि भी आयोजित करता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं :-

- इन्डोर व आउटडोर खेल (टेबल टेनिस, बैडमिंटन, क्रिकेट, बॉस्केट बॉल)
- जूडो • स्केटिंग • व्यायामशाला

गृह प्रबंधन

इस विभाग में बच्चों को अच्छी और सुचारू गृह-व्यवस्था के विभिन्न आयामों/पक्षों से परिचित कराया जाता है। यहाँ बच्चे विभिन्न प्रकार के भोज्य पदार्थों की नई-नई विधियाँ बनाना सीखते हैं। स्वास्थ्य के लिए पौष्टिक और लाभकारी भोजन बनाना सीखते हैं और बनाते हैं, जिससे बच्चे खाना बनाने में आत्मनिर्भर बनते हैं। बच्चों को रसोई का बजट बनाना और उसमें आने वाले खर्च का आंकलन करना भी सिखाया जाता है। बच्चों के साथ स्वास्थ्य, स्वच्छता, साफ़-सफ़ाई के बारे में नियमित रूप से चर्चाएँ की जाती हैं। उनके लिए भोजन अनुरक्षण की प्रयोगात्मक कक्षाएँ भी आयोजित की जाती हैं जो उनके लिए लाभकारी होती हैं। गृह-प्रबंध अनुभाग द्वारा पुष्पसज्जा (इकेबाना), बेकरी आदि की विभिन्न कार्यशालाएँ भी संचालित की जाती हैं।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार है :

- गृह-प्रबंधन • पाक-कला, बेकिंग
- भोजन-परिरक्षण • पुष्प-सज्जा

संग्रहालय तकनीक

राष्ट्रीय बाल भवन का राष्ट्रीय बाल संग्रहालय विभिन्न अवसरों पर थीम आधारित प्रदर्शनियाँ लगाकर बच्चों का ज्ञानवर्द्धन करता है। इस बाल संग्रहालय में कुछ स्थायी प्रदर्शनी की दीर्घाएं हैं, जिन्हें देखने के लिए प्रतिदिन हज़ारों बच्चे आते हैं और ये प्रदर्शनियाँ स्कूली शिक्षण पद्धति की अनुपूरक और प्रतिपूरक भी हैं। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय की एक गतिविधि है "संग्रहालय तकनीक क्लब", जिसमें मिट्टी के मोल्ड से सांचा बनाने तथा प्लास्टर ऑफ पेरिस द्वारा "कास्ट" (प्रतिकृति) बनाने की साधारण तकनीक से लेकर "पीस मोल्ड" बनाने जैसे जटिल कार्य भी सिखाए जाते हैं। इसके अतिरिक्त इस विभाग में बच्चों को माउंटिंग, आलेख-लेखन एवं प्रदर्शनी लगाने की तकनीक इत्यादि से भी अवगत कराया जाता है। बच्चों को यहाँ इस प्रकार के अनुभव कराए जाते हैं, जिनसे उनके प्रकृति, इतिहास, संस्कृति, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संबंधी ज्ञान का विस्तार होता है।

विषयगत और पाठ्यक्रम पर आधारित कार्यशालाओं द्वारा बच्चों को अपने देश की प्राचीन सभ्यता, अपने इतिहास, उसकी प्राचीन धरोहर और संस्कृति से अवगत कराया जाता है, जिनमें बच्चों को उत्खनन-स्थलों पर ले जाकर प्रत्यक्ष अनुभव कराया जाता है। इस प्रकार का प्रत्यक्ष अनुभव उनके ज्ञान का विस्तार करता है। बच्चों के लिए विशेष कार्यशालाएँ भी आयोजित की जाती हैं और बच्चों को अनुभव देने के लिए विभिन्न ऐतिहासिक स्मारकों पर भी ले जाया जाता है।

इस अनुभाग के विशेष आकर्षण निम्नानुसार हैं –

- सांचा बनाना एवं ढलाई
- संग्रहालय की वस्तुओं का परिरक्षण एवं संरक्षण
- ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर विचार-विनिमय
- प्रदर्शनी डिज़ाईन करना
- फील्ड कार्य

प्रकाशन-संबंधी गतिविधियाँ

प्रकाशन संबंधी कार्यकलाप ग्रीष्मसत्र में चलाये जाने वाला एक अद्वितीय कार्यकलाप है, जिसमें बच्चों को उनकी अपनी पत्रिका, न्यूज़ लैटर, सुलक्ष्य तथा ग्रीष्मसत्र के दौरान निकाले जाने वाले बच्चों के विशेष समाचारपत्र अक्कड़-बक्कड़ टाइम्स के संपादन, चित्रांकन तथा निर्माण करना शामिल है। इस गतिविधि द्वारा बच्चे न केवल अखबार और पत्रिकाओं के निर्माण में काम आने वाली विभिन्न तकनीकों से परिचित होते हैं बल्कि उनमें सृजनशीलता एवं आत्मविश्वास का भी विकास होता है। बच्चों को विभिन्न प्रकाशन गृहों तथा समाचार चैनलों के कार्यालयों में भी ले जाया जाता है। इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न विषयों जैसे पुस्तक चित्रांकन, पुस्तक निर्माण, विज्ञापन तैयार करना तथा डिज़ाईन बनाना आदि पर कार्यशालाएँ भी आयोजित करता है, ताकि बच्चे प्रकाशन के विभिन्न पक्षों को जानें व समझ सकें। यह विभाग विभिन्न विषयों पर परिचर्चाओं का भी आयोजन करता है।

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय

राष्ट्रीय बाल संग्रहालय, राष्ट्रीय बाल भवन का एक अभिन्न अंग है और इसे बड़े होते बच्चे की मनोवैज्ञानिक स्थिति और उसके अपने आसपास की दुनिया को देखने के दृष्टिकोण को ध्यान में रखते हुए बनाया गया है। संग्रहालय में बच्चों को आकर्षित करने वाली वस्तुओं का बड़ा संग्रह है, जिसमें कई देशों के खिलौने, गुड़ियाएँ, पत्थर एवं पीतल से बनी कृतियाँ, पारंपरिक आभूषण, बर्तन, कला एवं शिल्प कृतियाँ, वाद्ययंत्र, सिर की पगड़ियों के प्रदर्शन के साथ वायुयानों, सेटेलाइटों तथा ऐतिहासिक भवनों आदि की जानकारी भी एकत्रित है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय देश में अपनी तरह की एक ही संस्था है जिसे राष्ट्रीय दर्जा प्राप्त है। राष्ट्रीय बाल संग्रहालय इस तथ्य का समर्थन करता है कि बाल संग्रहालय बच्चों के ज्ञान को बढ़ाने और उन्हें विकसित करने का महत्वपूर्ण साधन है।

संग्रहालय अलग-अलग दीर्घाओं में दो प्रकार की प्रदर्शनियाँ प्रस्तुत करता है (i) स्थायी प्रदर्शनी (ii) अस्थायी प्रदर्शनी। संग्रहालय की एक दीर्घा को विशिष्ट रूप से केवल अस्थायी प्रदर्शनियों के लिए रखा गया है जहाँ समय-समय पर किसी विशिष्ट विषय से संबंधित प्रदर्शनी लगाई जाती रहती हैं। स्थायी प्रदर्शनियाँ भी संग्रहालय का विशेष आकर्षण है - इनमें प्रमुख हैं - **हमारा भारत** (8500 वर्ग फीट के दायरे में फैली यह प्रदर्शनी भारतीय जीवन, इसकी जीवन्त संस्कृति, समृद्ध कला एवं शिल्प, धर्मों एवं रीति-रिवाजों की विविधता तथा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी की प्रगति आदि का मनोहारी चित्रण प्रस्तुत करती है।), **गौरव गाथा** (1855 वर्ग फीट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में भारत के गौरवमयी अतीत, इसकी संस्कृति युद्धों को दर्शाने वाली मनमोहक कृतियाँ गुड्डे-गुडियों के माध्यम से क्रम से सजाई गई है।) **सूर्य** (8000 वर्ग फीट से भी अधिक क्षेत्र में 'सूर्य' नाम से लगाई गई इस प्रदर्शनी में भारतीय संस्कृति में 'सूर्य' के महत्व के साथ-साथ अन्य सभ्यताओं जैसे मिस्र, मेसोयोटामिया, चीन, ग्रीक आदि में भी सूर्य के स्थान और महत्व को दर्शाती है। सूर्य की उत्पत्ति अर्थात् सौरपरिवार और पृथ्वी आदि भी दिखाई गई है अर्थात् सूर्य का चित्रण पौराणिक तथा वैज्ञानिक, दोनों दृष्टिकोणों से किया गया है।) तथा **पारंपरिक कला एवं शिल्प : भावी पीढ़ी हेतु खजाना** (1700 वर्ग फुट के दायरे में फैली इस प्रदर्शनी में प्रसिद्ध कलाकारों की कलाकृतियों के नमूने प्रदर्शित किए गए हैं) ये सभी प्रदर्शनियाँ जन सामान्य हेतु खुली हैं।

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 तक यहाँ आने वाले पर्यटकों की संख्या निम्नलिखित थी

बच्चों की संख्या	वयस्कों की संख्या	स्कूलों की संख्या
81811	13397	646

1 अप्रैल, 2017 से 31 मार्च, 2018 के दौरान संग्रहालय द्वारा लगाई गई प्रदर्शनियों की सूची –

- चमत्कारी नन्हें हाथ
- भारतीय मौलिक कलाओं की झलक
- पंचतंत्र की कहानियाँ - नन्हें हाथों द्वारा गढ़ी

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र

राष्ट्रीय प्रशिक्षण संसाधन केन्द्र का उद्देश्य सृजनात्मक कला, निष्पादन कला तथा विज्ञान आदानों के साथ समन्वित प्रशिक्षण प्रदान करना है। शारीरिक शिक्षा, खेलकूद, पुस्तकालय गतिविधियों को प्रशिक्षण हेतु अतिरिक्त आदानों के रूप में शामिल करने के प्रस्तावों पर भी विचार किया जा रहा है। इस अनुभूति की दिशा में प्रशिक्षण को गति प्रदान की जा रही है कि बच्चे के काम को पहचान दी जाए, भले ही बड़ों की दृष्टि में वह कितना नगण्य व सतही लगे, बच्चों की संरक्षण भावना और सृजन की पहल के लिए यह महत्त्वपूर्ण है।

बाल भवन में प्रयुक्त विभिन्न माध्यम एवं पद्धतियों के जरिए अध्यापकगण बच्चों को स्वयंमेव पहचानने; उनकी निर्बाध कल्पना व प्रयोगों को प्रोत्साहन तथा सृजनात्मक अभिव्यक्ति, नवोन्मेष व मौलिक तत्व की सामर्थ्य एवं क्षमता विकसित करते हैं। वे विपरीत परिस्थितियों को अनुकूल बनाने और वैज्ञानिक भावना के साथ सकारात्मक भावना आत्मसात करने के लिए सक्रिय माहौल बनाना भी सीखते हैं। कलाओं को शिक्षा एवं अभिव्यक्ति को एक सशक्त माध्यम बनाने में उनकी मदद के लिए ग्रामीण, अर्द्धग्रामीण तथा शहरी अध्यापकों के लिए व्याख्यान एवं कार्य प्रदर्शन की व्यवस्था की जाती है।

वर्ष 2017-2018 के दौरान संचालित किए गए प्रशिक्षण कार्यक्रम –

- (आई. टी. पी.) - 28 फरवरी, 2017 से 01 अप्रैल 2017 — 49 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) - 25 अप्रैल, 2017 से 27 मई, 2017 — 15 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) - 21 जुलाई, 2017 से 25 अगस्त, 2017 — 62 सहभागीगण
- (आई. टी. पी.) - 16 जनवरी, 2018 से 20 फरवरी, 2018 — 32 सहभागीगण

हमारे कार्यक्रम

देशभर में बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए कार्य करने वाली शीर्षस्थ संस्थाओं में से एक संस्था राष्ट्रीय बाल भवन है। राष्ट्रीय बाल भवन इस तथ्य को सामने रखकर कार्य करता है कि भारत में करोड़ों बच्चे ऐसे घर-परिवार से हैं, जो गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करते हैं और जिनके माता-पिता उनकी प्राथमिक आवश्यकताएँ भी पूरी नहीं कर पाते। इन सबको देखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन अपने सभी संसाधनों का प्रयोग करते हुए बाल भवन आंदोलन को देश के कोने-कोने में फैलाने में प्रयासरत है।

राष्ट्रीय बाल भवन आज अपने 126 संबद्ध राज्य बाल भवनों एवं 16 बाल भवन केन्द्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली में चल रहे 48 बाल भवन केन्द्रों के माध्यम से लाखों बच्चों तक पहुँचकर एक महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वाह कर रहा है। यह संस्थाएँ उन बाल भवनों/निजी संस्थाओं में खुले हुए हैं जो दूरदराज के क्षेत्रों में विभिन्न गैरसरकारी संगठनों के सहयोग से काम कर रहे हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों संबंधी कार्यकलाप केवल अपने देश तक ही सीमित नहीं हैं, बल्कि राष्ट्रीय बाल भवन संसार के दूसरे क्षेत्रों में रह रहे बच्चों को भी सांस्कृतिक आदान-प्रदान वाले कार्यक्रमों के माध्यम से अपना दर्शन उन तक पहुँचाने का प्रयास करता है। अत: राष्ट्रीय बाल भवन शैक्षिक व मनोरंजक तथा सृजनात्मक गतिविधियों द्वारा बच्चों को शिक्षा देने की कोशिश करता है बल्कि विविध स्थानीय, मंडल स्तरीय, राज्यस्तरीय, राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कार्यक्रमों के द्वारा अधिक से अधिक बच्चों तक पहुँचने का एक संसाधन केंद्र है।

स्थानीय स्तर के कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन कई नवीन कार्यक्रमों के अतिरिक्त नियमित कार्यकलापों को भी आयोजित करता है जिसमें विभिन्न कार्यशालाएँ, सेमिनार एवं संगोष्ठियाँ आदि शामिल हैं। इन सब कार्यकलापों का उद्देश्य बच्चों को बहुआयामी कार्यकलापों में भाग लेने का अवसर देकर उनके अनुभव को बढ़ाना है। ये कार्यकलाप एक ओर उन्हें देश की राष्ट्रीय विरासत, परंपराओं, संस्कृति, कला, शिल्प, साहित्य तथा वैज्ञानिक प्रगति से अवगत कराते हैं तो दूसरी ओर बच्चों के क्षितिज का भी विस्तार करते हैं।

उल्लेखनीय कार्यक्रम 2017-18

क्र.सं.	तिथि	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालायें	कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य	लाभान्वित बच्चों/स्टाफ/अध्यापकों की संख्या
1.	11.4.2017	सूक्ष्मदर्शी उपयोग कार्यशाला	बच्चों को सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखकर जीवों के बारे में अनेकों जानकारी देना था।	19 बच्चों ने भाग लिया।
2.	11.4.2017-22.4.2017	एअरो मॉडलिंग चक ग्लाईडर कार्यशाला	बच्चों को चक् ग्लाईडर की जानकारी देना।	14 बच्चों ने भाग लिया।

3.	15.4.2017-30.4.2017	वनस्पति की पहचान कार्यशाला	बच्चों को विभिन्न प्रकार के वृक्ष एवं वनस्पति की पहचान कराकर उनके आयुर्वेदिक गुणों की जानकारी देना था।	18 बच्चों ने भाग लिया।
4.	22.4.2017	पृथ्वी दिवस कार्यक्रम	बच्चों को पक्षियों के बचाने और उनके भोजन और पानी की व्यवस्था के सम्बंध में समझाना था।	6 विद्यालयों के 277 बच्चों एवं 40 अध्यापकों एवं 20 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
5.	2.5.2017-13.5.2017	एअरो मॉडलिंग चक ग्लाईडर फलाईग कार्यशाला	बच्चों को चक ग्लाईडर फलाईग की जानकारी देना।	20 बच्चों ने भाग लिया।
6.	6.5.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराना।	ग्रीन फील्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली के 300 बच्चों एवं भारत राष्ट्रीय पब्लिक स्कूल, राम विहार, दिल्ली के 280 बच्चों ने 15 अध्यापकों के साथ भाग लिया।
7.	मई में 10 दिन की कार्यशाला	पर्यावरण मित्र पर कार्यशाला	बच्चों में पर्यावरण के लिए चेतना जगाने हेतु।	19 बच्चों ने भाग लिया जिसमें बच्चों ने अपने-अपने विचारों द्वारा लेख लिखकर एक किताब तैयार की।
8.	6.5.2017	पेपर मैशी एवं रिसाइक्लिंग कार्यशाला	बेकार पेपर को पुन: तैयार कर इस्तेमाल में लाना।	भारत राष्ट्रीय पब्लिक स्कूल के 19 बच्चों ने भाग लिया।
9.	23.5.2017-22.6.2017	ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम	बच्चों ने लगभग 40 गतिविधियों में भाग लिया।	4546 बच्चों ने पंजीकरण कराया और प्रतिदिन 2500 बच्चों ने भाग लिया।
10.	30.5.2017	सुनो कहानी कार्यशाला-विशेषज्ञ श्रीमती ऊषा छाबड़ा द्वारा	बच्चों को ज्ञानवर्द्धक बातों से अवगत कराना था।	285 बच्चों ने भाग लिया।

11.	31.5.2017	वर्ल्ड नो टोबाक्को डे के अवसर पर अनेकों प्रतियोगिताएं आयोजित	बच्चों को भिन्न-भिन्न नशे की बुराईयों से अवगत कराना था।	60 बच्चों ने भाग लिया।
12.	1.6.2017	मौसम भवन का दौरा	बच्चों को शैक्षिक भ्रमण द्वारा अनेकों ज्ञानवर्द्धक बातों से अवगत कराना था।	44 बच्चों ने भाग लिया।
13.	1.6. 2017-23.6.2017	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण एवं नियंत्रण, मॉडल निर्माण की जानकारी।	150 बच्चों ने भाग लिया।
14.	3.6.2017	साईबर सुरक्षा कार्यक्रम	बच्चों को इंटरनेट से सम्बंधित सुरक्षाओं जागरूक करना।	लगभग 300 बच्चों ने भाग लिया।
15.	3.6.2017-6.6.2017	पर्यावरण दिवस कार्यक्रम	जैविक-अजैविक कूड़ा विभाजन की जानकारी।	बच्चों ने स्वच्छता पर एक नाटक प्रस्तुत किया।
16.	3.6.2017-22.6.2017	एरोबिक्स कार्यशाला	बच्चों को एरोबिक्स सिखाना।	50 बच्चों ने भाग लिया।
17.	6.6.2017	विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम	बच्चों को पर्यावरण के प्रति जागरूक करना।	46 बच्चों ने भाग लिया।
18.	6.6.2017	सूर्य सम्बंधी गुण दोष विवेचना दिवस	बच्चों में ऊर्जा के नवीकरण स्रोत और ऊर्जा का इस्तेमाल करने तथा शून्य प्रदूषण के दृष्टिगत जानकारी देना।	"टीच फोर ग्रीन" संस्था के दो अधिकारियों द्वारा बेकार सामान से सूर्य सम्बंधी लैम्प बनाना सिखाया।
19.	9.6.2017	मेरा अखबार कार्यशाला	बच्चों को अखबार तैयार करने के तरीकों से अवगत कराना था।	35 बच्चों ने भाग लिया।
20.	9.6.2017-16.6.2017	पेंटिंग प्रतियोगिता कार्यक्रम	बच्चों को आगे बढ़ने के लिए उत्साहित करना।	45 बच्चों ने भाग लिया।
21.	10.6.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	फैमिली ट्रस्ट के 50 बच्चों ने भाग लिया।

22	13.6.2017–17.6.2017	अपना स्टैम्प स्वयं बनाएं कार्यशाला	बच्चों को डिजाईन निर्मित करने की कला से अवगत करना था।	कला विभाग के 55 बच्चों ने भाग लिया।
23.	13.6.2017	बास्केट बाल एवं टेबल टेनिस कार्यशाला	बच्चों को खेलों के नियमों से अवगत कराना था।	50 बच्चों ने भाग लिया।
24.	13.6.2017–17.6.2017	मोनूमेंट फोटोग्राफी कार्यशाला	बच्चों को मोनूमेंट की वास्तूकला को फोटो में दर्शाने की तकनीक से अवगत कराना था।	60 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
25.	15.6.2017	डाक टिकट संग्रहण कार्यशाला	बच्चों को डाक टिकट के विभिन्न सिद्धांतों से अवगत कराना था।	46 बच्चों ने भाग लिया।
26.	15.6.2017	राष्ट्रीय प्राणी संग्रहालय का दौरा	बच्चों में जिज्ञासा, सृजनात्मक व पर्यवेक्षणीय दक्षता का विचार और विज्ञान के प्रति अभिरूचि को विकसित करना था।	46 बच्चों ने भाग लिया।
27.	17.6.2017	सेल्फ डिफेंस शो	बच्चों को आत्मरक्षा के गुर सिखाना।	38 बच्चों ने भाग लिया।
28.	20.6.2017–23.6.2017	नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता पर पोस्टर/पेंटिंग प्रतियोगिता	बच्चों को नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूक करना था।	15 बच्चों ने पेटिंग बनाई।
29.	20.6.2017	साईबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यक्रम	बच्चों को साईबर सेफ्टी संबंधी जानकारी देना।	700 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
30.	21.6.2017	थियेटर कार्यक्रम	बच्चों को नाटक द्वारा ज्ञानवर्द्धक बातें अर्जित कराना था।	35 बच्चों ने भाग लिया।
31.	21.6.2017	अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को मानसिक एवं शारीरिकरूप से स्वस्थ रहने की प्रक्रियाओं से अवगत कराना।	स्टाफ एवं 2500 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
32.	22.6.2017	बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की प्रदर्शनी	बच्चों का उत्साह बढ़ाने हेतु।	स्टाफ एवं 3000 सदस्य बच्चों ने प्रदर्शनी देखी।
33.	29.6.2017	हिन्दी कार्यशाला	कर्मचारियों को सरल भाषा का उपयोग करने हेतु प्रेरित करना था।	लगभग 50 कर्मचारियों ने भाग लिया।
34.	11.7.2017–22.7.2017	भारत के सर्प-कार्यशाला	बच्चों को भारत के अनेक किस्मों के साँपों की जानकारी देना था।	17 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
35.	13.7.2017–15.7.2017 तथा 20.7.2017	जिल्दसाजी कार्यशाला	गत्ते काटने, चिपकाने तथा किताबों को चिपकाने, बचे हुए पेपरों से नोट पैड़ बनाकर उसे सजाने की गतिविधियों से अवगत कराया गया।	नव शक्ति स्कूल के 24 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों को प्रमाण-पत्र भी प्रदान किए गए।

36.	11.7.2017 से 25.7.2017	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	एअरो मॉडलिंग नियंत्रण एवं फलाईंग की जानकारी दी गई।	15 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
37.	18.7.2017	वीर सावरकर एस.के.वी नं.1 सरकारी विद्यालय, कालकाजी के बच्चों हेतु कार्यशाला	जूडो खेल की जानकारी स्कूल में जाकर दी गई।	स्कूल के 77 बच्चों ने भाग लिया।
38.	20.7.2017	वीर सावरकर एस.के.वी नं.1 सरकारी विद्यालय, कालकाजी के बच्चों हेतु कार्यशाला	खो-खो खेल की जानकारी स्कूल में जाकर दी गई।	स्कूल के 86 बच्चों ने भाग लिया।
39.	21.7.2017	राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, ईदगाह रोड में मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	बच्चों को पेपर क्राफ्ट, मास्क, फूल इत्यादि बनाने की जानकारी देना।	50 बच्चों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया।
40.	22.7.2017	राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, ईदगाह रोड में मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	बच्चों को रंगोली बनाने की जानकारी देना।	50 बच्चों एवं 2 शिक्षकों नें भाग लिया।
41.	22.7.2017	राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, ईदगाह रोड में एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को हवाई जहाज के इतिहास एवं स्थिर हवाई जहाज निर्माणं की जानकारी दी गई।	100 सदस्य बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।
42.	25.7.2017	राजकीय उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, ईदगाह रोड में एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को पेपर क्राफ्ट, मास्क, फूल इत्यादि बनाने की जानकारी देना।	40 बच्चों एवं 2 शिक्षकों ने भाग लिया।
43.	27.7.2017 से 29.7.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	गर्वमेंट को. एजू. सी. सै. स्कूल, एफ ब्लॉक, सै.15, रोहिणी, दिल्ली के 35 बच्चों ने भाग लिया।
44.	28.7.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गयां।	एसटी मैथ्यूज पब्लिक स्कूल, ए-6 पश्चिम विहार नई दिल्ली के 100 बच्चों एवं अध्यापकों ने भाग लिया।
45.	28.7.2017	अरावली बाओ-डायवर्सिटी पार्क का भ्रमण	बच्चों को जैव विविधता के बारे में जागरूक करना।	17 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
46.	29.7.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	गर्वमेंट बॉयस सै.स्कूल, हैदरपुर, नई दिल्ली के 27 बच्चों ने भाग लिया।
47.	29.7.2017 से 30.7.2017	राष्ट्रीय बालश्री शिविर कार्यक्रम	बच्चों में सृजनात्मक क्षमता का विकास करने के लिए।	विभिन्न राज्यों के 1850 बच्चों ने भाग लिया।

48.	3.8.2017	गवर्मेंट को–एजू सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, एफ–ब्लॉक, सैक्टर–15 रोहिणी, दिल्ली में मिले–जुले कार्यकलाप कार्यशाला	बच्चों को पेपर क्राफ्ट, मास्क, फूल इत्यादि बनाने की जानकारी देना।	45 बच्चों एवं 1 शिक्षक ने भाग लिया।
49.	4.8.2017	गवर्मेंट को–एजू सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, एफ–ब्लॉक, सैक्टर–15 रोहिणी, दिल्ली में रंगोली कार्यकलाप कार्यशाला	बच्चों को रंगोली बनाने की जानकारी देना।	50 बच्चों एवं 1 शिक्षक ने भाग लिया।
50.	5.8.2017	गवर्मेंट को–एजू सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, एफ–ब्लॉक, सैक्टर–15 रोहिणी, दिल्ली में खेल की कार्यकलाप कार्यशाला	बच्चों को विभिन्न प्रकार खेलों की जानकारी देना।	45 बच्चों एवं 1 शिक्षक ने भाग लिया।
51.	3.8.2017 एवं 4.8.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	इतिहास फाउण्डेशन के 800 बच्चों एवं अध्यापकों ने भाग लिया।
52.	8.8.2017 से 10.8.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	गवर्मेंट बॉयस सै.स्कूल, हैदरपुर, नई दिल्ली के 55 बच्चों ने भाग लिया।
53.	9.8.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	गवर्मेंट गर्ल्स सी.सै. स्कूल, मोहर गार्डन, नई दिल्ली के 45 बच्चों ने भाग लिया।
54.	10.8.2017	इन्टर स्कूल बैंड प्रतियोगिता कार्यक्रम	आज़ादी के 70वें साल के उपलक्ष्य में बच्चों के अंदर देशभक्ति स्वतंत्रता रस एवं भाव से परिपूर्ण करना था।	दिल्ली के 29 स्कूलों के लगभग 720 बच्चों ने भाग लिया।
55.	12.8.2017	राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को राष्ट्रभक्ति की ओर प्रेरित करना था।	51 सदस्य बच्चों, स्कूली बच्चों एवं स्टाफ ने भाग लिया।
56.	12.8.2017	70वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगाँठ	सहभागियों को देशभक्ति की ओर प्रेरित करना था।	150 सहभागियों ने भाग लिया।
57.	12.8.2017	जन्माष्टमी उत्सव कार्यक्रम करना था।	सहभागियों में प्रेम भाव जागृत	150 सहभागियों ने भाग लिया।
58.	12.8.2017 से 14.10.2017	डिजिटल फोटोग्राफी कार्यशाला	सहभागियों को फोटोग्राफी की तकनीकी विधियों से अवगत कराना था।	16+ आयु के 45 सहभागियों ने भाग लिया।
59.	14.8.2017 से 19.8.2017	मासक्यूटो दिवस कार्यशाला	बच्चों को मच्छरों से होने वाली बिमारियों से अवगत कराना था।	19 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

60.	18.8.2017 से 20.8.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियाँ कराई गई।	गर्वमेंट बॉयस सी.सै.स्कूल, ए ब्लॉक, जनकपुरी, नई दिल्ली के 32 बच्चों ने भाग लिया।
61.	18.8.2017	गर्वमेंट को-एजू सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, एफ-ब्लॉक, सैक्टर-15 रोहिणी, दिल्ली में मिले-जुले कार्यकलाप कार्यशाला	बच्चों को पेपर क्राफ्ट, मास्क, फूल इत्यादि बनाने की जानकारी देना।	50 बच्चों एवं 1 शिक्षक ने भाग लिया।
62.	19.8.2017	विश्व छायांकन दिवस	सहभागियों को डिजिटल विधि की जानकारी दी गई।	लगभग 16+ आयु के 150 छात्रों तथा कर्मचारियों ने भाग लिया।
63.	22.8.2017 से 25.8.2017	दिव्यांगों के लिए संगणक कार्यशाला	वीडियो मल्टी मीडिया किट्स की जानकारी दी गई।	30 छात्रों के साथ 4 एस्कार्टस ने भाग लिया।
64.	22.8.2017 से 22.9.2017	एअरो मॉडलिंग कार्यशाला	बच्चों को स्थिर नमूना निर्माण की जानकारी देना।	20 बच्चों ने भाग लिया।
65.	24.8.2017 से 26.8.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	डॉ. आरपीएसवी, राष्ट्रपति सम्पदा के 21 बच्चों ने भाग लिया।
66.	29.8.2017 से 31.8.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	गर्वमेंट गर्ल्स सै.स्कूल, निठारी गाँव के 31 बच्चों ने भाग लिया।
67.	1.9.2016 से 15.9.2016	"हिन्दी पखवाड़ा" कार्यक्रम	बच्चों एवं स्टाफ को हिन्दी में कार्य करने हेतु प्रेरित करना।	45 स्कूली बच्चों एवं 32 स्टाफ ने भाग लिया।
68.	1.9.2016 से 15.9.2016	"स्वच्छता पखवाड़ा" कार्यक्रम	बच्चों एवं स्टाफ को स्वच्छता हेतु प्रेरित करना।	20 सदस्य बच्चों एवं 35 स्टाफ ने भाग लिया।
69.	5.9.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	जी.बी. पंत, गर्वमेंट एसबीवीएसएन पुरी, नई दिल्ली के 400 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया।
70.	9.9.2017	अग्रसेन की बाउली का दौरा की जानकारी देना।	अग्रसेन की बाउली के संरक्षण	19 बच्चों एवं 4 स्टाफ ने भाग लिया।
71.	13.9.2017	ब्रह्म कुमारी कार्यक्रम	सहभागियों को तनाव मुक्त जीवन हेतु जानकारी देना।	50 सहभागियों ने भाग लिया।
72.	16.9.2017	अन्तर्राष्ट्रीय विश्व ओजोन दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को ओजोन हीरोज का ज्ञान प्राप्त कराना।	4 विभिन्न स्कूलों के 48 बच्चों एवं 8 अध्यापकों ने तथा 12 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

73.	25.9.2017	पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी कार्यक्रम	उनके जीवन व कार्यो से प्रेरणा प्राप्त करना था।	42 स्टाफ सदस्यों व 21 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
74.	29.9.2017	तिमाही हिन्दी कार्यशाला	हिंदी को बढ़ावा देने से सम्बंधित सुझाव।	2 अधिकारियों एवं 13 कर्मचारियों ने भाग लिया।
75.	3.10.2017 से 7.10.2017	वन्य जीवन सप्ताह कार्यशाला	बच्चों को जंगली जीव जन्तुओं की जानकारी देना।	18 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
76.	5.10.2017	विश्व वन्य जीवन सप्ताह कार्यक्रम	बच्चों को भिन्न-भिन्न जंगली जीवों की शारीरिक संरचना इत्यादि की जानकारी दी।	12 सदस्य बच्चों एवं 3 कर्मचारियों ने भाग लिया।
77.	10.10.2017 से 31.10.2017	रिसायकलकृत उत्पादों का इस्तेमाल-कार्यशाला	सहभागियों को बेकार चीजों को रियायकलकृत कर पुन: इस्तेमाल करने की जानकारी देना।	अनुभाग वार तालिकानुसार कर्मचारियों ने भाग लिया।
78.	18.10.2017	दिपावली समारोह कार्यक्रम	सहभागियों एवं बच्चों के साथ त्यौहार मनाना।	100 कर्मचारियों एवं 50 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
79.	27.10.2017	ब्रह्म कुमारी कार्यक्रम	सहभागियों को तनाव मुक्त जीवन रखने हेतु जानकारी देना था।	55 सहभागियों ने भाग लिया।
80.	31.10.2017 से 4.11.2017	सतर्कता जागरूकता सप्ताह/एकता दिवस कार्यक्रम	सहभागियों को ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने की ओर अग्रसर करना।	कर्मचारियों एवं 16 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
81.	14.11.2017 से 16.11.2017	राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर कार्यक्रम	बच्चों में पारस्परिक मैत्री एवं सौहार्द्य की भावना विकसित करना था।	17 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के 350 सदस्य बच्चों व 86 एस्कोर्ट व दिल्ली के बाल केन्द्रों से 1200 बच्चों एवं 40 स्टाफ तथा जवाहर बाल भवन माण्डी के 200 बच्चों एवं 15 स्टाफ ने प्रथम दिन एवं शेष दिन 350 बच्चों ने भाग लिया। बच्चों द्वारा निर्मित कलात्मक कार्यो, पोस्टरों की प्रदर्शनी लगाई गई।
82.	25.11.2017	दिल्ली के चिड़ियाघर का भ्रमण कार्यक्रम	बच्चों को जंगली पशु पक्षियों के रहने की पद्धतियों का ज्ञान कराने हेतु।	25 बच्चों ने भाग लिया।
83.	8.12.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा के 200 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया।

84.	13.12.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	बाल भारती पब्लिक स्कूल, पीतमपुरा के 200 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया।
85.	19.12.2017	जूडो चैम्पियन शिप कार्यक्रम	बच्चों को अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करने हेतु।	338 बच्चों ने भाग लिया।
86.	19.12.2017 से 21.12.2017	26वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद् सम्मेलन	राष्ट्रीय स्तर पर पर्यावरण संबंधी मुद्दों पर बातचीत एवं पॉलिसी विशाखापत्तनम में निर्माण	173 बच्चों ने भाग लिया।
87.	22.12.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	मॉडर्न अकादमी सीनियर सै. स्कूल, इन्द्रापुरम के 130 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया।
88.	28.12.2017	तिमाही हिन्दी कार्यशाला	राजभाषा हिंदी के उद्भव, राजभाषा के रूप में इसकी महत्ता तथा कार्यालयी कार्यों में राजभाषा का प्रयोग के संबंध में जानकारियाँ देना था।	1 अधिकारी तथा 26 कर्मचारियों ने भाग लिया।
89.	29.12.2017	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	सेन्टर फॉर सोसियल सेक्यूरिटी एक्शन एंड रिसर्च (सीएसएकएआर) 137 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया।
90.	2.1.2018	आमोद दिवस कार्यक्रम	खेलों द्वारा पारस्परिक सदभाव को बढ़ावा देना।	300 सहभागियों एवं 35 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।
91.	5.1.2018	दांतों की जांच एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता शिविर	जीवन पर्यन्त काम आने वाले दांतों को रोग एवं क्षति से बचाने के उपाय।	20 बच्चे, 17 स्टाफ ने भाग लिया।
92.	13.1.2018	लोहड़ी पर्व कार्यक्रम	भाई चारे की भावना का संचार करना था।	50 बच्चे, 150 स्टाफ ने भाग लिया।
93.	14.1.2018	राष्ट्रीय इन्टर स्कूल प्रतियोगिता, 2018 कार्यक्रम	स्कूल बैंड के बच्चों में एकता, उत्साहन और राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करना था।	विभिन्न स्कूलों से लगभग 368 बच्चों ने भाग लिया।
94.	15.1.2018	जैविक पदार्थों द्वारा होली के रंग बनाने की कार्यशाला	सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी में होली खेलना।	35 बच्चों ने भाग लिया।
95.	10.2.2018	वरिष्ठ नागरिकों द्वारा दौरा	राष्ट्रीय बाल भवन की जानकारी प्राप्त की।	50 वरिष्ठों ने भाग लिया।

96.	24.2.2018 से 27.2.2018	जैविक पदार्थों द्वारा होली के रंग बनाने की कार्यशाला	सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी में होली खेलना।	80 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
97.	24.2.2018	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	सहभागियों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	एसीएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज, लक्ष्मी नगर के 86 व्यक्तियों ने भाग लिया।
98.	1.3.2018	होली का त्यौहार मनाया गया	समाज में प्रेम एवं सोहादर्य की भावना का संदेश प्रसारित करना था।	40 बच्चों एवं 150 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया।
99.	17.3.2018	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	सहभागियों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	एसीएमटी ग्रुप ऑफ कॉलेज, लक्ष्मी नगर के 90 व्यक्तियों ने भाग लिया।
100.	20.3.2018	राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक	राजभाषा विभाग निर्देशों का पूर्णत: अनुपालन	12 सदस्य कर्मचारियों ने भाग लिया।
101.	20.3.2018	हिंदी कार्यशाला	ई-टूल्स की जानकारी प्रदान की गई।	लगभग 30 सदस्य कर्मचारियों ने भाग लिया।
102.	21.3.2018	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	सीसीआरटी के 30 बच्चों एवं 2 प्रशिक्षकों ने भाग लिया।
103.	24.3.2018	विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित	बच्चों को विभिन्न गतिविधियों से अवगत कराया गया।	चहल एनजीओ के 25 बच्चों ने भाग लिया।

विशेष उपलब्धियाँ

1. ग्रीष्मोत्सव दिनाँक 23 मई से 22 जून, 2017 तक आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मोत्सव के दौरान लगभग 4579 बच्चों ने पंजीकरण कराया। इस वर्ष 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ रखी गई जिसमें लगभग 3000 बच्चों ने भाग लिया। जैसे कि इस वर्ष बच्चों की बनाई कलाकृतियों को बढ़ावा देने हेतु स्मृतिचिन्ह विक्रय केन्द्र खोला गया।
2. संस्कृति शिल्पग्राम का पुर्नउत्थान कर इसे 2 जनवरी 2018 को पुनः जीवंत किया गया। प्रत्येक शनिवार को यहाँ पारंपरिक गीत, नृत्य एवं गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है।
3. बच्चों की सुरक्षा के मद्देनज़र विभिन्न समितियाँ प्रतिदिन सुरक्षा हेतु गश्त लगाती है एवं दैनिक रूप पर अपनी रिपोर्ट जमा करती है।
4. प्रत्येक बुधवार एवं शुक्रवार राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारी राष्ट्रपति भवन में वहाँ के कर्मचारियों के बच्चों हेतु गतिविधियाँ करवाते है।
5. प्रथम बाल राष्ट्रीय बाल भवन के प्रशिक्षकों ने विभिन्न विद्यालयों में जा कर राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों का प्रचार एवं प्रसार किया तथा गतिविधियों का आयोजन भी किया।
6. डाक विभाग, सीएचईबी, मौलाना आज़ाद दन्त चिकित्सालय, जागो टीन, राष्ट्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय एवं अन्य कई संस्थाओं के साथ मिलकर कई नूतन कार्यशालाओं का आयोजन किया गया। राज्य स्तरीय एवं राष्ट्रीय स्तरीय बैण्ड प्रतियोगिता, जम्मू काश्मीर के बच्चों का आगमन इत्यादि विशेष कार्यक्रम रहें।
7. जवाहर बाल भवन, माण्डी के बच्चों की रचनाएं बाल भारती मैगज़ीन में प्रकाशित हुई।
8. प्रथम बाल जवाहर बाल भवन, माण्डी के ग्रामीण परिवेश के 8 बच्चे एवं 2 स्टॉफ अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम हेतु गोवा बाल भवन गये।
9. राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने राष्ट्रपति भवन एवं विश्वपुस्तक मेले के उद्घाटन पर नृत्य एवं गीत प्रस्तुत किए।
10. दिसम्बर से 21 दिसम्बर 2017 को जूडो कैम्प का आयोजन किया गया जिसमें 338 बच्चों ने भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन के 8 सदस्य बच्चों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

सहयोगात्मक कार्यक्रम

1. दाना-पानी के सहयोग द्वारा **"पृथ्वी दिवस"** 22 अप्रैल, 2017 को आयोजित किया गया। इस इस कार्यक्रम में 6 विद्यालयों के 277 बच्चों एवं 40 अध्यापकों तथा रा.बा.भ. के 20 सदस्य बच्चों व विभिन्न अनुभागों के अनुदेशकों ने भाग लिया।

2. सुनो कहानी विशेषज्ञ-श्रीमती उषा छाबड़ा द्वारा 30 मई, 2017 और 10 जून, 2017 को कहानी वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

3. मौलाना आज़ाद मैडिकल कालेज के सौजन्य से 31 मई, 2017 को वर्ल्ड नो टोबाक्को डे के अवसर पर बच्चों के लिए पोस्टर, पेंटिंग प्रतियोगिता कोलाज प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई।

4. साईबर सुरक्षा कार्यक्रम 3 जून, 2017 को बच्चों के लिए आयोजित किया गया जिसमें लर्निंग लिंक फाउण्डेशन द्वारा एक नाटक का मंचन तथा शपथ कार्यक्रम भी कराया गया।

5. "अपना स्टैम्प स्वयं बनाएं" 11 से 16 वर्षीय बच्चों के लिए कार्यशाला 13 जून, 2017 से 17 जून, 2017 तक डाक विभाग के अधिकारियों द्वारा आयोजित की गई जिसमें बच्चों द्वारा निर्मित डिज़ाईनों की एक प्रदर्शनी 16 जून, 2017 से 22 जून, 2017 तक लगाई गई। सुवेनियर शॉप में डाक विभाग के अधिकारियों ने फोटोवाली स्टैम्प की स्टॉल भी लगाई।

6. भारतीय डाक विभाग के अधिकारियों ने 15 जून, 2017 को मेखला झा रंगस्थल में डाक टिकट संग्रहण पर वार्तालाप व पीटीटी द्वारा बच्चों को जानकारी दी।

7. दिल्ली मान्यता प्राप्त दिल्ली ओलम्पिक संस्था से राजधानी संघ की मौजथाई ने 17 जून, 2017 को स्वयं की रक्षा (सेल्फ डिफेंस) पर एक डेमो शो बच्चों के लिए नि:शुल्क प्रस्तुत किया।

8. सुनो कहानी की विशेषज्ञ-श्रीमती उषा छाबड़ा ने 17 जून, 2017 को नि:शुल्क सुनो कहानी पर एक डेमो शो प्रस्तुत किया। इस में बच्चों ने कहानी को बनाना सीखा।

9. श्रीमती चन्द्रिमा मजूमदार ने मेखला झा ओडिटोरियम में नि:शुल्क बच्चों को तार वाले वाद्ययंत्र सरोद को व्याख्यान सह प्रदर्शित किया।

10. एनआईएसडी के सौजन्य से 20 जून, 2017 से 23 जून, 2017 तक "नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता" पर पोस्टर/पेंटिंग बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

11. साईबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यक्रम 20 जून, 2017 को आयोजित किया गया। बच्चों ने नारों और बैनरों के साथ इन्टरनेट सुरक्षा से सम्बंधित रैली निकाली और लर्निंग लिंक फाउण्डेशन ने "स्टे सेफ" अंकित टोपियां सभी बच्चों व स्टाफ को वितरित कीं। इसके पश्चात् लर्निंग लिंक फाउण्डेशन टीम द्वारा एक सुरक्षा अभियान तथा जागो टीन्स टीम द्वारा कठपुतली प्रदर्शन, नाटक-इन्टरनेट का बवाल का मंचन और शिक्षा प्रद से सम्बंधित बच्चों के लिए अनेक कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम में लगभग 700 बच्चों ने भाग लिया।

12. थियेटर विशेषज्ञ-सुश्री दीपमाला तिवारी ने 21 जून, 2017 को अपने थियेटर ट्रस्ट की सहायता से मेखला झा रंगस्थल में बच्चों के लिए नाटक प्रस्तुत किया। जिससे बच्चों में ज्ञानवर्द्धक बातें अर्जित की।

13. अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम 21 जून, 2017 को मनाया गया जिसमें आमंत्रित योग विशेषज्ञ-डॉ. अशोक साहनी एवं उनके साथियों ने सभी स्टाफ एवं बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने की प्रक्रियाएं योग द्वारा सिखाई।

14. हिन्दी कार्यशाला का आयोजन 29 जून, 2017 को स्टाफ के लिए किया गया। विशेषज्ञ-सुश्री रेनू रवानी ने कार्यालयी प्रयोग में सरल भाषा प्रयोग करने को कहा। इस कार्यशाला में लगभग 50 कर्मचारियों ने भाग लिया।

15. मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय बाल भवन में 10 अगस्त, 2017 को इन्टर स्कूल बैंड प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के 29 स्कूलों के लगभग 720 बच्चों ने भाग लिया।

16. 1 सितम्बर, 2017 से 15 सितम्बर, 2017 को "हिन्दी पखवाड़ा" कार्यक्रम निर्णायक श्री राकेश कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) द्वारा आयोजित की गई जिसमें लगभग 45 स्कूली बच्चों तथा 32 कर्मचारियों ने भाग लिया।

17. 13 सितम्बर, 2017 को ब्रह्म कुमारी कार्यक्रम ब्रह्म कुमारी संस्थान द्वारा "तनाव मुक्त जीवन" एवं "जीवन में ध्यान का महत्त्व" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया इस कार्यक्रम में लगभग 50 कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

18. मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय बाल भवन में 14 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय इन्टर स्कूल बैंड प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली के स्कूलों के लगभग 350 बच्चों ने भाग लिया।

स्टाफ सदस्यो के लिए कार्यक्रम

- हिन्दी कार्यशाला का आयोजन 29 जून, 2017 को स्टाफ के लिए किया गया। विशेषज्ञ-सुश्री रेनू रवानी ने कार्यालयी प्रयोग में सरल भाषा प्रयोग करने को कहा। इस कार्यशाला में लगभग 50 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- 70वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगाँठ तथा श्री कृष्ण जी का जन्माष्टमी उत्सव कार्यक्रम 12 अगस्त, 2017 को आयोजित किया गया जिसमें लगभग 150 स्टाफ ने भाग लिया।
- 19 अगस्त, 2017 को विश्व छायांकन दिवस कार्यक्रम का आयोजन मिलेनियम पोस्ट न्यूज़ पेपर के सम्पादक-श्री सिद्धार्थ मिश्रा के सहयोग द्वारा किया गया। जिसमें लगभग 150 छात्रों तथा स्टाफ ने भाग लिया।
- 1 सितम्बर, 2017 से 15 सितम्बर, 2017 को "हिन्दी पखवाड़ा" कार्यक्रम निर्णायक श्री राकेश कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक (राजभाषा) द्वारा आयोजित की गई जिसमें लगभग 45 स्कूली बच्चों तथा 32 कर्मचारियों ने भाग लिया।
- 1 सितम्बर, 2017 से 15 सितम्बर, 2017 को "स्वच्छता पखवाड़ा" कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें कर्मचारियों ने भाग लिया।

विस्तृत रिपोर्ट

सूक्ष्मदर्शी उपयोग - कार्यशाला

"सूक्ष्मदर्शी उपयोग" कार्यशाला राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में 11 अप्रैल, 2017 को आयोजित की गई। बच्चों ने सूक्ष्म जीवों को सूक्ष्मदर्शी द्वारा देखा और जीवों के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों को कम्प्यूटर की सहायता से विभिन्न प्रकार के सूक्ष्मदर्शी यंत्रो की जानकारी दी गई। प्याज की झिल्ली बनाकर कोशिका संरचना के बारे में भी बताया गया। इस कार्यशाला में लगभग 19 बच्चों ने भाग लिया।

एअरो-मॉडलिंग - कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 11 अप्रैल, 2017 से 22 अप्रैल, 2017 तक एअरो मॉडलिंग विषय पर 12 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं की पूर्ति के लिए इस कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में कुल 14 बच्चों (एनजीएस स्कूल के 6 लड़के और 8 लड़कियों) ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्रफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल निर्माण का प्रशिक्षण दिया गया।

वनस्पति की पहचान - कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में 15 अप्रैल, 2017 से 30 अप्रैल, 2017 तक वनस्पति की पहचान कार्यशाला का आयोजन किया गया। बच्चों ने बाल भवन के परिसर के विभिन्न प्रकार के वृक्षों एवं वनस्पति की पहचान की एवं विभिन्न वृक्षों की पत्तियों का इकट्ठा कर उनका हरबेरियम बनाया एंव उनके आयुर्वेदिक गुणों की जानकारी हासिल की। बच्चों को यह बताया गया कि किस प्रकार की वनस्पति किस तरह के क्षेत्र में पाई जाती हैं। इस कार्यशाला में लगभग 18 बच्चों ने भाग लिया।

पृथ्वी दिवस - कार्यक्रम

"पृथ्वी दिवस" राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में 22 अप्रैल, 2017 को आयोजित किया गया। इस इस कार्यक्रम में 6 विद्यालयों के 277 बच्चों एवं 40 अध्यापकों तथा रा.बा.भ. के 20 सदस्य बच्चों व विभिन्न अनुभागों के अनुदेशकों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आरम्भ योग अध्यापक - श्री लक्ष्मी प्रसाद सुबेदी के अत्यन्त रोचक योग सत्र का आरम्भ रहा। उन्होंने बच्चों को समक्ष योग क्रिया एवं साँस लेने के सामान्य अभ्यास का प्रदर्शन किया। तत्पश्चात् पृथ्वी दिवस से संबंधित एक पावर प्वाइंट का प्रस्तुतीकरण बच्चों के समक्ष किया गया। ग्रीन हाऊस से सम्बंधित एक लघु वृत्त चित्र भी बच्चों ने देखा। इससे सम्बंधित बच्चों ने प्रश्न पूछे और उन्हें उत्तर सहित

स्पष्टीकरण भी दिए गए। इसके पश्चात् बच्चों को "दाना-पानी" संस्था और उनकी टीम द्वारा तैयार एक विडियो दिखाई गई जिसमें पक्षियों के बचाने के सम्बंध में बच्चों के साथ विचार-विमर्श किया और पक्षियों को भोजन और पानी की व्यवस्था के सम्बंध में हमारे मामूली प्रयासों को समझाया। इसके पश्चात् कुछ सदस्य बच्चों ने एक गीत भी प्रस्तुत किया। इस अवसर पर कुछ कतिपय गतिविधियाँ - पौधा रोपण, सौर कुकिंग, पेपर रिसाइक्लिंग, नारा लेखन तथा पोस्टर बनाने की गतिविधियों और दाना-पानी की टीम की गतिविधि में भी बच्चों ने भाग लिया। रा. बा.भ. के उपनिदेशक-प्रशासन - श्री मुकेश गुप्ता ने बच्चों को सम्बोधित किया और सहायक निदेशक-विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम ने बच्चों को पृथ्वी बचाने के तौर-तरीकों पर विचार करने के लिए प्रोत्साहित किया। अंत में सभी सहभागियों को अल्पाहार तथा बच्चों को सहभागिता प्रमाण-पत्र वितरित किए गए।

एअरो-मॉडलिंग - कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 2 मई, 2017 से 13 मई, 2017 तक एअरो मॉडलिंग विषय पर 9 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। कुल 20 बच्चों (एनजीएस स्कूल के 12 लड़के और 8 लड़कियों) ने इस कार्यशाला में सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्रफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया। राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर में हंटर मॉडल ग्लाईडर को उड़ाकर दिखाया गया।

ग्रीष्मोत्सव - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन का एक वार्षिक कार्यक्रम है **ग्रीष्मोत्सव** जो दिनाँक 23 मई से 22 जून, 2017 तक राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में आयोजित किया गया। इस ग्रीष्मोत्सव के दौरान लगभग 4579 बच्चों ने पंजीकरण कराया। इन बच्चों के लिए प्रत्येक शनिवार को खुले रंगमंच हाल में विशेष बाल सभा का आयोजन किया गया जिसमें प्रति शनिवार को लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया। छुट्टियों के दौरान बच्चे नई सृजनात्मक और पर्यावरण अनुकूल अनेक नई बातें सीखते हैं। 23 मई, 2017 को अध्यक्ष एवं निदेशक राष्ट्रीय बाल भवन ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इनके द्वारा सुवेनियर शॉप का उद्घाटन इस वर्ष की एक और उल्लेखनीय उपलब्धि है, जिसमें बच्चों द्वारा शिक्षकों के विशेष मार्गदर्शन में तैयार की गई कला कृतियों की बगैर किसी मुनाफे के बच्चों में बिक्री की गई।

ग्रीष्मोत्सव के दौरान करीब 3000 बच्चों ने प्रति दिन राष्ट्रीय बाल भवन में चल रहीं 40 गतिविधियाँ जैसे - विज्ञान गतिविधियाँ - भौतिक एवं प्राकृतिक विज्ञान (क्यों और कैसे क्लब), आविष्कारक क्लब, रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक्स क्लब, ऍअरो मॉडलिंग, कम्प्यूटर, पर्यावरण, खगोल विज्ञान, मछलीघर, जीव एवं विज्ञान पार्क से संबंधित गतिविधियाँ, शिल्प एवं कला, चित्रकला, हस्तकला, बुनाई, सिलाई-कढ़ाई, काष्ठ कला, मिट्टी का काम, जिल्दसाजी, टाई और डाई इत्यादि में भाग लिया। सहयोग देने वाली संस्थाओं में जागो टीन, टेरी, सीएचईबी, मौलाना

आजाद मेडिकल कालेज आदि प्रमुख हैं। ग्रीष्मोत्सव के समय अनेक गतिविधियों के माध्यम से राष्ट्रीय बाल भवन सभी बच्चों की सहभागिता के लिए प्रशिक्षण के एक हब के रूप में परिवर्तित हो जाता है और बच्चों के लिए विशेष जलपान, परिवहन आदि व्यवस्था की जाती है। दिनाँक 7 जून 2017 से 10 जून 2017 तक खेल संबंधी फिल्मोत्सव का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में कई जानी मानी हस्तियों ने भाग लिया जैसे कि पद्मश्री एवं अर्जुन पुरूस्कृत और शोटपुर खेल में रजत पदक विजेता, पैराओलपिंक खेलो में मैडल जीतने वाली प्रथम भारतीय महिला सुश्री दीपा मलिक, अर्जुन पुरस्कार विजेता श्री अकरम शाह, ऐशियन कुश्ती चैम्पियनशिप में कांस्य पदक विजेता सुश्री ज्योति। उपरोक्त सभी खिलाड़ियों ने अपने अनुभव बच्चों के साथ बाँटे एवं उन्हें प्रेरित किया। इस दौरान बच्चों को दंगल, चक दे इंडिया, ईस्माईल, एम.एस. धोनी जैसी खेल-कूद से सम्बंधित फिल्में बच्चों के लिए फिल्मोत्सव ग्रीष्मोत्सव का विशेष आकर्षण रहीं।

इस दौरान 5 से 10 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों के लिए विशेष गतिविधियाँ जैसे :- पेंटिंग के माध्यम से अपना नाम खोजें, फेबल्स एवं रंग: कहानी के माध्यम से उद्धरण, ड्रिप तकनीक से टेबल मैट और ग्रीटिंग कार्ड बनाना, कहानी सुनाने की कार्यशाला, एनीमेडिट मूवी : अपने ड्रैगन को कैसे प्रशिक्षण दें, थम्प पेंटिंग, वेजीटेबल इम्प्रेशन एवं स्प्रे पेंटिंग, कागज शिल्प गतिविधि, समाचार-पत्रों का पुर्नप्रयोग, कठपुतली गतिविधि द्वारा मुखौटे तैयार करना और गाय, कुत्ता, ड्रेगन जैसी हाथ कठपुतली का निर्माण, मोसाईक कला, पेंटिंग, संयुक्त पेंटिंग, टाई एण्ड डाई, अपने ड्रेगन को कैसे प्रशिक्षण दें, नाटक प्रदर्शन इत्यादि संचालित की गई जिसमें लगभम 500 बच्चों ने प्रतिदिन भाग लिया।

30 मई, 2017 और 10 जून, 2017 को सुनो कहानी विशेषज्ञ-श्रीमती उषा छाबड़ा द्वारा कहानी वाचन कार्यक्रम आयोजित किया गया।

31 मई, 2017 को मौलाना आज़ाद मैडिकल कालेज के सौजन्य से वर्ल्ड नो टोबाक्को डे के अवसर पर बच्चों के लिए पोस्टर, पेंटिंग प्रतियोगिता कोलाज प्रतियोगिता, कहानी लेखन प्रतियोगिता आयोजित की गई इन प्रतियोगिताओं में सदस्य बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ भाग लिया।

1 जून, 2017 को बच्चों को शैक्षिक भ्रमण हेतु मौसम भवन, लोधी रोड़, नई दिल्ली ले जाया गया। मौसम भवन का दौरा करने पर बच्चों ने थर्मोग्राफ, हाईड्रोग्राफ, अधिकतम-न्यूनतम तापमान तथा वर्षा-गेज इत्यादि की व्यवहारिक जानकारी प्राप्त की। तदुपरान्त उपग्रह-मौसम अनुभाग का दौरा किया गया जिसमें सम्बंधित अधिकारी ने उपग्रह और कल्पना-1, पोलार (ध्रुवीय) आर्गेनिक उपग्रह आदि तथा मौसम के पूर्वानुमान के लिए कैसे इस्तेमाल

किया जाता है से सम्बंधित जानकारी प्राप्त की और बच्चों को वीडियोज़-कांफ्रेंसिंग प्रक्रिया भी दिखाई गई। इस भ्रमण में वर्षा के लाभ और हानि, तापमान, हवा की दिशा, दवाब तथा जांचने की प्रक्रिया बताई गई। इसके बाद वहाँ पर स्थित एक विशाल टॉवर में लगे दो उपकरणों द्वारा किस प्रकार मानसून, हवा गति का अनुमान लगाया जाता है के बारे में बच्चों को बताया गया। इस शैक्षिक भ्रमण के द्वारा छात्रों को आनन्द के साथ-साथ अनेक बातों के बारे में ज्ञानवर्द्धक जानकारी भी प्राप्त हुई। इस कार्यक्रम में लगभग 44 बच्चों ने भाग लिया।

3 जून, 2017 से 22 जून, 2017 तक एरोबिक्स कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया।

3 जून, 2017 को बच्चों के लिए साईबर सुरक्षा कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लर्निंग लिंक फाउण्डेशन द्वारा एक नाटक का मंचन तथा शपथ कार्यक्रम भी कराया गया।

6 जून, 2017 विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इसका थीम था - प्रकृति के नजदीक लोग। अत : मछली, पक्षी बनाने के लिए कागज शिल्प की गतिविधि को संचालित किया गया ताकि बच्चे प्रकृति के साथ

जुड़ सकें। इसके साथ ही बच्चों को बाओग्रेडेबेल वेस्ट और नॉन-बाओग्रेडेबल वेस्ट अलग-अलग कर उनके समुचित निपटान व पुर्नप्रयोग के लिए "डस्टबिन की संकल्पना" द्वारा जीती जागती सृष्टि के लिए पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने तथा पर्यावरण के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करने से भी अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में लगभग 46 बच्चों ने भाग लिया।

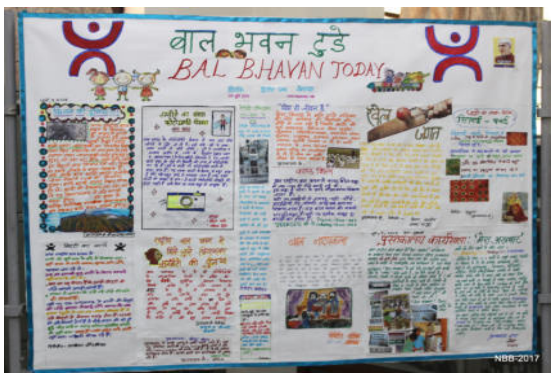

9 जून, 2017 को "मेरा अखबार" कार्यशाला बाल भवन के सदस्य बच्चों के लिए आयोजित की गई। बच्चों को अखबार तैयार करने के तरीकों से अवगत कराया गया। बच्चों ने संपादन, चित्रण, समाचार लेखन प्रक्रियाओं द्वारा "बाल भवन टुडे" नामक अखबार निर्मित कर डिस्पले बोर्ड पर प्रदर्शित किया। इस कार्यशाला में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र द्वारा सम्मानित किया गया।

9 जून, 2017 से 16 जून, 2017 को सभी सदस्य बच्चों के लिए एक पेंटिंग प्रतियोगिता आयोजित की गई। पारंपरिक कला डिज़ाईन, आधुनिक कला, छायाचित्र, ग्राफिक डिज़ाईन विषय पर 30 चयनित पेंटिंगों से विक्रय हेतु मग व टी-शर्ट डिज़ाईन किया गया।

13 जून, 2017 से सदस्य बच्चों के लिए बास्केट बाल कार्यशाला गए। टेबल टेनिस कार्यशाला रखी गई। जिसमें बच्चों को नियमों की जानकारी देकर बच्चों को आपसी खेल खिलाए। भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस कार्यशाला में लगभग 50 बच्चों ने भाग लिया।

13 जून, 2017 से 17 जून, 2017 तक डाक विभाग के अधिकारियों द्वारा ए-4 साईज़ पर स्टैम्प डिज़ाईन पर "अपना स्टैम्प स्वयं बनाएं" (11 से 16 वर्षीय बच्चों के लिए) कार्यशाला आयोजित की गई जिसमें बच्चों द्वारा निर्मित डिज़ाईनों की एक प्रदर्शनी 16 जून, 2017 से 22 जून, 2017 तक लगाई गई। सुवेनियर शॉप में डाक विभाग के अधिकारियों ने फोटोवाली स्टैम्प की स्टॉल भी लगाई।

इसी दौरान बच्चों के लिए मोनूमेंट फोटोग्राफी कार्यशाला का भी आयोजन किया गया इसमें मोनूमेंट की वास्तूकला को फोटो में दर्शाने की तकनीक बताई गई। जिसमें बच्चों को फिरोजशाह कोटला का दौरा कराया गया। दौरे के दौरान खींचे गए फोटोग्राफ में से अच्छे फोटोग्राफस के चयन के पश्चात् उससे जुड़े आयामों की जानकारी दी गई। इस कार्यशाला में लगभग 60 बच्चों ने भाग लिया।

15 जून, 2017 को भारतीय डाक विभाग के अधिकारियों ने मेखला झा रंगस्थल में डाक टिकट संग्रहण पर वार्तालाप व पीपीटी द्वारा जानकारी दी। इसी दिन पर्यावरण और मछलीघर अनुभाग के छात्रों ने राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र का दौरा किया। इस दौरे का प्रयोजन, से बच्चों में जिज्ञासा, सृजनात्मक व पर्यवेक्षणीय दक्षता का विचार और विज्ञान के प्रति उनकी अभिरूचि को विकसित करना व मुख्य ध्यान डायनासोर पर केन्द्रित करना था, जहां बच्चों ने इतिहास पूर्व दीर्घा का दौरा किया और विभिन्न डायनासौरों को देखा व उनकी मुख्य विशेषताओं को समझा। बच्चों को डायनासौरों के जीवन पर एक 3डी फिल्म भी दिखाई गई जिससे बच्चों ने डायनासौरों के विलुप्त होने का सम्भावित कारणों को जाना। तत्पश्चात् प्रमोद विज्ञान दीर्घा में बच्चों ने विभिन्न रोचक प्रदर्शनी-मदों को देखा। इस दौरान राष्ट्रीय विज्ञान केन्द्र के प्रशिक्षुओं ने बच्चों के समक्ष लघु व्याख्यान भी दिया और विज्ञान के विभिन्न सिद्धांतों से अवगत कराया। बच्चों को सरदार पटेल दीर्घा में घुमाया गया वहां व्यवस्थित चित्रों और भारत के लोगों को जोड़ने में सरदार पटेल की भूमिका को जाना। विरासत दीर्घा में बच्चों ने भारत की विभिन्न सभ्यताओं और विभिन्न युगों की जानकारी दी गई। तदुपरान्त बच्चों ने मानव शरीर दीर्घा का दौरा किया तथा हमारे शरीर के विभिन्न अंगों के भिन्न-भिन्न कार्यों की जानकारी भी दी गई। बच्चे परमाणु विज्ञान दीर्घा में भी गए जहां बच्चों ने परमाणु प्रभाव, उनके कार्यकरण तथा परमाणु ऊर्जा का कैसे उपयोग होता है को जाना। इस कार्यक्रम में लगभग 46 बच्चों ने भाग लिया।

17 जून, 2017 को दिल्ली मान्यता प्राप्त दिल्ली ओलम्पिक संस्था से राजधानी संघ की मौजथाई ने स्वयं की रक्षा (सेल्फ डिफेंस) पर एक डेमो शो बच्चों के लिए प्रस्तुत किया। जिससे बच्चों ने आत्मरक्षा के गुर सीखे। सुनो कहानी की विशेषज्ञ-श्रीमती उषा छाबड़ा ने सुनो कहानी पर एक डेमो शो प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में बच्चों ने मनोरंजक ढंग से सुनाई गई। इसी दिन राष्ट्रीय बाल भवन के मेखला झा ओडिटोरियम में श्रीमती चन्द्रिमा मजूमदार ने बच्चों को तार वाले वाद्ययंत्र सरोद पर प्रदर्शन दिखाया एवं उसके बारे में जानकारी भी दी।

20 जून, 2017 से 23 जून, 2017 तक एनआईएसडी के सौजन्य से "नशे के दुष्प्रभाव के प्रति जागरूकता" पर पोस्टर/पेंटिंग बनाने की प्रतियोगिता आयोजित की गई।

20 जून, 2017 को साईबर सुरक्षा कार्निवाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम रैली के साथ प्रारम्भ हुआ। बच्चों ने नारों और बैनरों के साथ इन्टरनेट सुरक्षा से सम्बंधित रैली निकाली और लर्निंग लिंक फाउण्डेशन ने "स्टे सेफ" अंकित टोपियां सभी बच्चों व स्टाफ को वितरित कीं। बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन की सुरक्षा एक्सप्रैस में सवारी कर आनन्द उठाया। इसके पश्चात् लर्निंग लिंक फाउण्डेशन टीम द्वारा एक सुरक्षा अभियान तथा जागो टीन्स टीम द्वारा कठपुतली प्रदर्शन, नाटक-इन्टरनेट का बवाल का मंचन और बच्चों के लिए अनेक शिक्षाप्रद कार्यक्रम आयोजित किए। इस कार्यक्रम में लगभग 700 बच्चों ने भाग लिया।

21 जून, 2017 को थियेटर विशेषज्ञ-सुश्री दीपमाला तिवारी ने अपने थियेटर ट्रस्ट की सहायता से मेखला झा रंगस्थल में बच्चों के लिए नाटक प्रस्तुत किया। जिससे बच्चों में ज्ञानवर्द्धक बातें सीखी एवं असीम आनन्द उठाया।

21 जून, 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम मनाया गया जिसमें आमंत्रित योग विशेषज्ञ-डॉ. अशोक साहनी एवं उनके साथियों ने सभी स्टाफ एवं बच्चों को मानसिक एवं शारीरिक रूप से स्वस्थ रहने के लिए योग प्रक्रियाएं सिखाई।

22 जून, 2017 ग्रीष्मकालीन सत्र समापन समारोह के दौरान बच्चों द्वारा बनाई गई कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी स्वागत क्षेत्र में लगाई गई।

ग्रीष्मकालीन सत्र की विशेष उपलब्धि यह रही की इसमें रा.बा.भ. के सदस्य बच्चों, आर्य अनाथालय के बच्चों, सरकारी स्कूल के बच्चों ने प्रतिदिन भाग लिया। प्रतिदिन लगभग 2500 बच्चों को जलपान वितरण किया गया और सेट जॉन एम्बुलेंस सेवा की टीम द्वारा फर्स्ट एड की सुविधा दी गई।

विश्व पर्यावरण दिवस - कार्यक्रम

6 जून, 2017 विश्व पर्यावरण दिवस का आयोजन किया गया। इसका थीम था - प्रकृति के नजदीक लोग। अतः मछली, पक्षी बनाने के लिए कागज शिल्प की गतिविधि को संचालित किया गया ताकि बच्चे प्रकृति के साथ जुड़ सकें। इसके साथ ही बच्चों को बाओग्रेडेबेल वेस्ट और नॉन-बाओग्रेडेबल वेस्ट के अलग-अलग कर उनके समुचित निपटान व पुर्नप्रयोग के लिए "डस्टबिन की संकल्पना" द्वारा जीती जागती सृष्टि के लिए पर्यावरण को साफ-सुथरा बनाने तथा पर्यावरण के महत्त्व के प्रति जागरूकता उत्पन्न करायी गयी। इस कार्यक्रम में लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया।

तिमाही हिन्दी - कार्यशाला

दिनाँक 29 जून, 2017 को राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ के लिए "कार्यालयी प्रयोग में आने वाली टिप्पणियाँ" पर हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में विशेषज्ञ-सुश्री रेनू रवानी को आमंत्रित किया गया। उन्होंने बताया की कार्यालीय प्रयोग में आने वाली टिप्पणियों में सभी को सरल भाषा का प्रयोग करना चाहिए, सरल भाषा का अर्थ है सभी को समझ आने वाली बात। तत्पश्चात् उन्होंने सभी सहभागियों से एक टिप्पणी लिखवाई जिसमें आने वाली गलतियों के बारे में समझाया। इस कार्यशाला में लगभग 50 कर्मचारियों ने भाग लिया। कार्यशाला के अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरित किया गया।

भारत के सर्प - कार्यशाला

भारत के सर्प कार्यशाला का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन में दिनाँक 11 जुलाई, 2017 से 22 जुलाई, 2017 तक किया गया जिसमें सदस्य बच्चों को भारत के विभिन्न भागों में पाए जाने वाले विभिन्न सॉपों के बारे में जानकारी दी गई। जहरीले एवं बिना जहर वाले सॉपों की पहचान बताई गई। सॉपों के रहने की जगह, खाना एवं मौसम के साथ उनके रहने के ढंग को भी बताया गया। इस प्रकार बच्चों ने सॉपों के इकोसिस्टम एवं फूड वेब महत्त्व को भी जाना। सॉपों से सम्बंधित कहानियाँ, मिथ्य, परम्पराएँ एवं किस्सों के बारे में बच्चों के साथ वार्तालाप किया गया तथा विज्ञान की पुष्टि से उन्हें समझने की कोशिश भी बच्चों ने की। बच्चों ने पेपर की सहायता से सॉपों के 3डी ढाँचे जैसे - रूसैल, रैट स्नेक, कोरल स्नेक, रेड सैंड बोआ, वाटर स्नेक, पायथन, कोबरा, भारतीय कोबरा इत्यादि बनाए एवं उनको उनके अनुसार रंग दिया। बच्चों को सॉपों के लुप्त होने के कारण भी बताए गए। इस कार्यशाला में लगभग 17 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, ईदगाह रोड हेतु एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण - कार्यशाला

दिनाँक 22 जुलाई, 2017 को एअरो मॉडलिंग की कक्षा गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल, ईदगाह रोड में आयोजित की गई। इस कार्यक्रम में सहभागियों को जहाज के इतिहास तथा स्थिर हवाई जहाज के मॉडल बनाने की जानकारी दी गई जिसके लिए कागज़ की कटाई द्वारा निर्माण कर हवाई जहाज उड़ा कर दिखाया एवं उसकी परिभाषा भी बताई। इस कार्यक्रम में लगभग 100 बच्चों एवं 4 शिक्षकों ने भाग लिया।

एअरो-मॉडलिंग - कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 11 जुलाई, 2017 से 25 जुलाई, 2017 तक एअरो मॉडलिंग प्रशिक्षण:नियंत्रण लाईन मॉडल और फ्लाईंग - विषय पर 15 दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी बच्चों के लिए एक महत्त्वपूर्ण गतिविधि है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया गया। इस कार्यशाला में कुल 15 बच्चों ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षा प्रारम्भ की गई। इस कार्यशाला में हंटर मॉडल ग्लाईडर और येल्लो बर्ड ग्लाईडर मॉडल का प्रशिक्षण दिया गया। तत्पश्चात् बच्चों ने हंटर मॉडल ग्लाईडर का एक मॉडल तैयार किया और उन्हे अन्य मॉडल येलो बर्ड ग्लाइडर बनाने की तकनीकी प्रशिक्षण दिया गया।

अरावली बायो-डायवर्सिटी पार्क, बसंत विहार का भ्रमण - कार्यक्रम

दिनाँक 28 जुलाई, 2017 को सदस्य बच्चों को अरावली बाओ-डायवर्सिटी पार्क, बसंत विहार का भ्रमण कराया गया। इस भ्रमण का उद्देश्य बच्चों को प्रकृति की विविधता के बारे में जागरूक करना, पौधों, जीव-जन्तुओं और परस्पर निर्भरता के बारे में जानकारी देना, पर्यावरण प्रणाली, वैटलैण्ड आदि को समझना इत्यादि था। इस दौरान अरावली बाओ डायवर्सिटी पार्क के इतिहास पर भी चर्चा की गई कि समय के गुजरने के साथ-साथ इसे किस प्रकार विकसित किया गया और गुजरात से शुरू होकर दिल्ली पर खत्म हुई अरावली पर्वत श्रृंखला के आर्विभाव के बारे में भी बच्चों से चर्चा हुई। बच्चों को नर्सरी के पॉली हाऊस, नैट हाऊस, शेड से ढक कर रखना आदि विधियाँ दिखाई गई जिससे बच्चों ने नर्सरी की अवधारणा को भली-भांति समझा कि पौधे जीवन-चक्र में तापमान के अन्तर की जरूरत क्यों पड़ती है। पौधों की पहचान, औषधीय गुण बच्चों के लिए एक सर्वाधिक इन्टर एक्टिव चरण था। तदुपरान्त बच्चों को तितली पालन के परिक्षेत्र ले जाया गया जहां पार्क के विशेषज्ञ ने पर्यावरण के अनुरक्षण में तितलियों के वास्तविक जीवन चक्र सम्बंधी जानकारी दी और बताया कि सन् 2004 में तितलियों की केवल 9-15 ही प्रजातियाँ थीं और अब यहाँ 106 से भी ज्यादा प्रजातियाँ विद्यमान हैं। इसके बाद उन्हें सृजित दीर्घा पर्यावरण प्रणाली ले जाया गया जहाँ अनेक जीवों की परस्पर निर्भरता को दर्शाया गया था कि वे किस प्रकार से एक-दूसरे के अस्तित्व की रक्षा के लिए तालाब में संतुलन बनाए रखते हैं। फिर बच्चों को अरावली के खनन क्षेत्र ले जाया गया जोकि भूमि में इंसान द्वारा बनाया गया एक गड्ड़ा था जिससे माइका, चीनी मिट्टी और बजरी निकाल कर निर्माण कार्य में उपयोग किया जाता है। इसके बाद बच्चों को आर्चिड अनुरक्षण शाला ले जाया गया जहां बच्चों को मूल पौधों पर उग आए आर्चिड से परिचित कराया गया जो ग्राफ्टिंग का खास उदाहरण है। अंत में बच्चों को

अरावली बाओ डायवर्सिटी पार्क से सम्बंधित एक वृत्त-चित्र फिल्म दिखाई गई जिससे बच्चे पार्क में बसे चराचर जगत के सभी जीव-जन्तुओं से परिचित हुए और रात्रि कालीन परिदृश्य का भी अनुभव किया। कार्यक्रम के सहभागियों को संस्थान की पत्रिका "सैंक्चुरी" की एक-एक प्रति भेंट में मिली। इस कार्यक्रम में लगभग 17 बच्चों ने भाग लिया।

"राष्ट्रीय बालश्री शिविर"

राष्ट्रीय बाल भवन ने 1995 में राष्ट्रीय बालश्री योजना की शुरूआत की थी। राष्ट्रीय बालश्री सम्मान योजना चार प्रमुख क्षेत्रों में बच्चों की सृजनात्मक क्षमता को पहचान कर उन्हें आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती है। बच्चों की सृजनात्मक क्षमता का विकास करने की दिशा में यह राष्ट्रीय बाल भवन की एक पहल है। इस योजना का मूल्यांकन, चयन प्रक्रिया एवं कार्यविधि भिन्न प्रकार की है जिसमें विभिन्न क्षेत्रों के ख्याति प्राप्त सृजनात्मक कलाकारों तथा विशेषज्ञों के परामर्श पर निरन्तर सुधार की आवश्यकता बनी रहती है। इसे ध्यान में रखते हुए राष्ट्रीय बाल भवन ने बच्चों के लिए इसे और समावेशी बनाने एवं सृजनात्मक प्रतिभा की खोज करने के उद्देश्य से बालश्री योजना को 2015 में संशोधित किया।

बालश्री के चयनित राज्य स्तरीय सहभागियों हेतु 29 और 30 जुलाई, 2017 को दो दिवसीय **"राष्ट्रीय शिविर"** का आयोजन किया गया। पूरे भारत भर के 79 दिव्यांग सहित 369 बच्चों ने बालश्री की चार श्रेणियों की 16 उप-विधाओं में भाग लिया।

इन्टर स्कूल बैंड प्रतियोगिता - कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय के तत्वावधान में राष्ट्रीय बाल भवन में 10 अगस्त, 2017 को इन्टर स्कूल बैंड प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली के 29 स्कूलों के लगभग 720 बच्चों ने भाग लिया। "आज़ादी के 70वें साल" के उपलक्ष्य में बच्चों के अन्दर देश-भक्ति, स्वतंत्रता रस का भाव से जगाना था। इस प्रतियोगिता के निर्णय के लिए दिल्ली पुलिस के बैंड प्रकोष्ठ से तीन निर्णायकों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन - श्री रीना रे - अतिरिक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा किया गया। मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार - सचिव - श्री अनिल स्परूप ने समारोह की अध्यक्षता की। इस कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन की अध्यक्ष - श्रीमती शालू जिन्दल एवं

निदेशक - श्रीमती मीनाक्षी जौली समारोह के सम्मानीय अतिथि थे। रा.बा.भ. की अध्यक्ष - श्रीमती शालू जिन्दल ने वर्ष पर्यन्त रा.बा.भ. की विभिन्न गतिविधियों का संक्षिप्त विवरण प्रस्तुत किया। मा.सं.वि.मं. के सचिव - श्री अनिल स्वरूप ने विजेता-टीमों को ट्राफी एवं नकद राशि (प्रथम-10,000/-, द्वितीय-7000/-, तृतीय-5000/-) के पुरस्कार वितरित किए। उन्होंने बच्चों का आह्वान किया की वे सांस्कृतिक गतिविधियों, शिक्षणेत्तर कार्यक्रमों के साथ-साथ पढ़ाई में भी अपना पूरा ध्यान केन्द्रित करें और जीवन में आसन्न कड़ी प्रतिस्पर्धा के दृष्टिगत परीक्षा में अच्छा प्रदर्शन करें। दिल्ली पुलिस के बैंड प्रकोष्ठ के निर्णायकों ने भी स्कूली बच्चों की कतार, अनुशासन और ड्रम व बैगपाइपर पर धुनों की बहुत प्रशंसा की। इस कार्यक्रम के अंतर्गत श्री जे.एस. बेदी-प्रभारी (संगीत) एवं श्री नत्थी लाल यादव-प्रशिक्षक (कंठ संगीत) व श्रीमती नेहा-कलाकार के निर्देशन में राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों ने राष्ट्रभक्ति के गीत एवं नृत्य प्रस्तुत किए।

कार्यक्रम के अंत में राष्ट्रीय बाल भवन के बच्चों ने समूह-गान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य अतिथियों के साथ सहभागी स्कूलों के कलाकार बच्चों के सामूहिक फोटोग्राफ का सत्र भी आयोजित किया गया।

राष्ट्रीय पुस्तकालय दिवस - कार्यक्रम

12 अगस्त, 2017 को पुस्तकालय विज्ञान के जनक डॉ. एस.आर. रंगानाथन अय्यर के जन्म दिवस पर अनेक गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दिवस को "लाईब्रेरियन डे" के नाम से भी जाना जाता है। इसी दिन पं. दीन दयाल उपाध्याय जी की जयंती भी मनाई गई। इस कार्यक्रम में 51 सदस्य बच्चों, स्कूली बच्चों एवं स्टाफ ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इन प्रतियोगिताओं में कविता लेखन एवं वाचन प्रतियोगिता के जरिए सहभागियों को राष्ट्रभक्ति की ओर प्रेरित किया गया। कहानी लेखन प्रतियोगिता के जरिए बच्चों ने अपनी अनूठी प्रतिभा का परिचय दिया। भाषण प्रतियोगिता, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में सहभागियों से हमारा भारत, हमारी संस्कृति, लोकनृत्य, वीर स्वतंत्रता सेनानी व भारत में प्रथम पुरस्कार व सम्मान से सम्बंधित 50 प्रश्न भी पूछे गये। इस कार्यक्रम से बच्चे ज्ञानवर्धक सीख, देशप्रेम की ओर जागृत हुए। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को सहभागिता के प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

70वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगाँठ तथा श्री कृष्ण जी का जन्माष्टमी उत्सव - कार्यक्रम

दिनाँक 12 अगस्त, 2017 को "70वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगाँठ" तथा "श्री कृष्ण जी का जन्माष्टमी उत्सव" कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें लगभग 150 स्टाफ के साथ-साथ सदस्य बच्चों ने भी भाग लिया।

"70वाँ स्वतंत्रता दिवस एवं भारत छोड़ो आंदोलन की 75वीं वर्षगाँठ" कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों ने स्वतंत्रता के ऊपर अपने विचार व्यक्त किए व बच्चों ने देशभक्ति गीत सुनाए। उपनिदेशक-(प्रशासन) ने सभी सहभागियों को स्वतंत्रता के बारे में बताया तथा सभी के साथ मिलकर नये भारत का संकल्प लिया।

"श्री कृष्ण जी का जन्माष्टमी उत्सव" कार्यक्रम के दौरान श्री नत्थी लाल-(पारंपरिक लोकगीत कलाकार) ने श्री गोविन्द पोद्दार के साथ भगवान श्री कृष्ण जी के भजन सुनाए और इन भजनों पर श्री चन्द्रमणि-(प्रदर्शन कला प्रबंधक) ने नृत्य भी किया। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों को जलपान भी वितरित किया गया।

डिजिटल फोटोग्राफी - कार्यशाला

12 अगस्त, 2017 से 14 अक्तूबर, 2017 तक "डिजिटल फोटोग्राफी" कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में सहभागियों को फोटोग्राफी की परिभाषा एवं आंतरिक स्टूडियो अभ्यास तथा कैमरे एवं लैंस तथा डिजिटल विधि, डिजिटल कैमरे के उपयोग एवं "बॉलपैन" पर आधारित अच्छी फोटोग्राफी करने की तकनीकी विधियों को बताया गया। अंत में सभी सहभागियों ने डिजिटल फोटोग्राफी पर अपने विचार प्रस्तुत किए। जिसे सहायक निदेशक(विज्ञान एवं प्रभारी कार्यक्रम) एवं परामर्शदाता-कार्यक्रम ने सराहा। तत्पश्चात सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए। इस कार्यशाला में 16+ आयु के 45 व्यक्तियों ने भाग लिया।

मासक्यूटो (मच्छर) दिवस कार्यशाला

14 अगस्त, 2017 से 19 अगस्त, 2017 तक मासक्यूटो (मच्छर) दिवस कार्यशाला राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित किया गया। इस कार्यशाला के दौरान सदस्य बच्चों को मच्छरों से होने वाली बिमारियों के बारे में बताया गया। बच्चों ने विभिन्न प्रकार के मच्छरों एवं उनके प्रजनन की क्रिया को समझा तथा एडिस, क्यूलेक्स, एनाफिलीस मच्छरों का चित्र बनाकर व चित्र की सहायता से अलग-अलग पहचान की व राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण से संभावित मच्छर होने वाली जगह की पहचान कर मच्छरों के पनपने के कारण समझाए गए। मच्छरों से होने वाली बिमारियाँ जैसे - डेंगू, मलेरिया, चिकुनगुनिया इत्यादि बिमारियों के लक्षण एवं बचने के उपाय भी बच्चों को बताए गए। इस कार्यशाला में लगभग 19 बच्चों ने भाग लिया।

विश्व छायाँकन दिवस - कार्यक्रम

19 अगस्त, 2017 को "विश्व छायाँकन दिवस" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि - मिलेनियम पोस्ट न्यूज़ पेपर के सम्पादक-श्री सिद्धार्थ मिश्रा ने कार्यक्रम एवं फोटो प्रदर्शनी सत्र का उद्घाटन गुरू पद्मश्री - श्री काशीनाथ, परम्परागत फोटोग्राफर - शांति लाल वधवा, मुख्य फोटोग्राफर - एस. पॉल-इंण्डियन एक्सप्रेस तथा फोटोग्राफर - श्री एन. त्यागराजन, फोटोग्राफर - विरेन्द्र प्रभाकर को श्रद्धांजली देकर किया। इस कार्यक्रम में पुराने-नए लगभग 150 छात्रों तथा राष्ट्रीय बाल भवन के स्टाफ ने भाग लिया। कार्यक्रम के दौरान छात्र-छात्राओं के लिए विचार-गोष्ठी डिजिटल विधि का भविष्य पर विचार रखे गए व एक फोटो क्वीज़ किया गया। उननिदेशक कार्यक्रम श्रीमती इंद्राणी चौधूरी एवं कार्यक्रम संयोजक द्वारा फोटो क्वीज़ विजेताओं को रिफलैक्शन नामक पुस्तक वितरित की गई। अंत में प्रभारी अधिकारी-छायांकन ने सभी छात्र-छात्राओं को धन्यवाद प्रस्ताव के साथ आशीर्वचन दिए।

दिव्यांगों के लिए संगणक कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 22 अगस्त, 2017 से 25 अगस्त, 2017 तक दिव्यांग बच्चों के लिए एक संगणक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

22 अगस्त, 2017 को संगणक के सम्बंध में मल्टी मीडिया प्रस्तुतीकरण, एनीमेशन के जरिए कम्प्यूटर की मूलभूत जानकारी जिसमें कम्प्यूटर क्या होता है, कम्प्यूटर के प्रकार, कम्प्यूटर और सॉफ्टवेयर के अंग इत्यादि के बारे में बताया गया। इस कार्यक्रम के काम करने तथा की-बोर्डो की विभिन्न कुंजियों के कार्य बताए गए।

23 अगस्त, 2017 को डिजीटल क्या है, डिजीटल इंडिया की जरूरत क्यों है, यह आम आदमी के लिए कितने काम का है, विडियो और मल्टी मीडिया प्रस्तुतीकरण की मदद से सहभागियों को जानकारी दी गई तथा पेनब्रश और मल्टी मीडिया किड-पिक्स पर अभ्यास कराया गया।

24 अगस्त, 2017 को डिजीटल साफ्टवेयर का इस्तेमाल जैसे :- कम्प्यूटर से फोटोग्राफ कैसे बनाए जाते हैं तथा फोटोशॉप में लघु स्तरीय सम्पादन कार्य के साथ-साथ अभ्यास भी कराया गया।

25 अगस्त, 2017 को इन्टरनेट क्या है, के बारे में एक वीडियो शो का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के दौरान बच्चों को राष्ट्रीय बाल भवन की विभिन्न गतिविधियों की भी जानकारी दी गई। अंत में बच्चों को रेलगाड़ी यात्रा कराई तथा उपनिदेशक-प्रशासन ने सभी सहभागियों को प्रमाण-पत्र वितरति किए। इस कार्यशाला में लगभग 30 छात्रों के साथ 4 एस्कोर्टस ने भाग लिया।

एअरो-मॉडलिंग - कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 22 अगस्त, 2017 से 22 सितम्बर, 2017 तक एअरो मॉडलिंग विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। एअरो मॉडलिंग भी राष्ट्रीय बाल भवन का एक महत्त्वपूर्ण अंग है। बच्चों के बीच बढ़ती जिज्ञासाओं को पूरा करने के लिए इस कार्यशाला को तैयार किया गया। इस कार्यशाला में कुल 20 बच्चों ने सहभागिता की। इस कार्यशाला में एअरो मॉडलिंग का परिचय, उड़ान के सिद्धांत तथा एअरो मॉडलिंग व एअरक्राफ्टों के इतिहास का परिचय देने के साथ कक्षाऐं प्रारम्भ की गईं। इस कार्यशाला में रा.बा.भ. के परिसर में चक ग्लाईडर की उड़ान का प्रशिक्षण दिया गया। बच्चों ने स्वयं एअरक्राफ्ट के मॉडल बनाए। बच्चों ने व्यर्थ बालसा वुड का प्रयोग करते हुए 8 स्टेटिक मॉडल और 5 चक ग्लाइडर तैयार किए। बच्चों को फ्लाईट और फ्लाईंग के सैद्धांतिक पक्षों की जानकारी भी दी गई।

हिन्दी पखवाड़ा - कार्यक्रम

दिनाँक 1 सितम्बर, 2017 से 15 सितम्बर, 2017 तक "हिन्दी पखवाड़ा" मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य समस्त कर्मचारियों को अपना अधिकांश कार्य राजभाषा हिंदी में करने के लिए अभिप्रेरित करना था।

"हिंदी पखवाड़े" के दौरान कर्मचारियों के लिए 8 प्रतियोगिताएं आयोजित की गई - लघु नाटिका, नोटिंग-ड्राफटिंग, दिए गए अनुच्छेद के आधार पर कल्पना के अनुसार "स्वरचित काव्य रचना", श्रुतलेख, शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें, निबंध लेखन, हिंदी टंकण इत्यादि में से दो प्रतियोगिताएं श्रुतलेख, तथा शब्दों को शुद्ध रूप में लिखें, प्रतियोगिताएँ एमटीएस स्टाफ के लिए रखी गई। ये प्रतियोगिताएं सदस्य स्कूली बच्चों, जवाहर बाल भवन, माण्डी तथा बाल भवन केन्द्रों के बच्चों के लिए भी आयोजित की गई। इस आयोजन का एकमात्र उद्देश्य बच्चों को छोटी आयु से ही हिंदी के प्रति अनुराग उत्पन्न करने एवं उन्हें देश की राजभाषा तथा अपनी मातृभाषा के उपयोग के प्रति प्रेरित करना था। इसी संदर्भ में दिनाँक 14 सितम्बर, 2017 को बच्चों के लिए "सुविचार लेखन प्रतियोगिता", "स्वरचित काव्य रचना प्रतियोगिता", दिए गए विषय पर एक "पोस्टर" बनाने और उसका स्लोगन लिखने की प्रतियोगिता तथा दिए गए अक्षरों से शब्द निर्माण प्रतियोगिता, का आयोजन भी किया गया। इन

प्रतियोगिताओं में बच्चों ने बहुत उत्साह से भाग लिया। प्रत्येक प्रतियोगिता ज्ञानवर्द्धक, रोचक तथा सहभागियों के लिए प्रेरक सिद्ध हुई और यही राजभाषा के केन्द्रीय भाव अर्थात् प्रेरणा और प्रोत्साहन का तत्व बिन्दू है।

हिंदी पखवाड़े की प्रतियोगिताओं का अंतिम निर्णय श्री राकेश कुमार शर्मा, संयुक्त निदेशक(राजभाषा) द्वारा तैयार किया गया और 10 नवम्बर, 2017 को हिंदी पखवाड़ा कार्यक्रम का पुरस्कार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पुरस्कार के रूप में स्कूली बच्चों को प्रमाण-पत्र के साथ-साथ उपयोगी पुस्तकें तथा कर्मचारियों को प्रथम, द्वितीय, तृतीय और दो सांत्वना पुरस्कार श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन), श्रीमती इन्द्राणी चौधूरी-उपनिदेशक (कार्य. सम. एवं अनु.) ने विजेताओं को वितरित किए। समापन कार्यक्रम के दौरान बच्चों द्वारा बनाये गए पोस्टर तथा स्लोगन लेखन व उनकी काव्य रचनाओं को भी प्रदर्शित किया गया। इन प्रतियोगिताओं में लगभग 45 स्कूली बच्चों तथा 32 कर्मचारियों ने भाग लिया।

स्वच्छता पखवाड़ा - कार्यक्रम

स्वच्छता पखवाड़ा" दिनाँक 1 सितम्बर, 2017 से 15 सितम्बर, 2017 तक मनाया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत प्रत्येक दिन नई-नई गतिविधियों का आयोजन राष्ट्रीय बाल भवन के कर्मचारियों व सदस्य बच्चों के लिए किया गया।

8 सितम्बर, 2017 को सफाई अभियान आयोजित किया गया । राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक, उपनिदेशक-(प्रशासन), अधिकारियों, कर्मचारियों ने पूरे राष्ट्रीय बाल भवन के परिसर की सफाई करने में हाथ बटाया।

14 सितम्बर, 2017 को पर्यावरण अनुभाग प्रशिक्षक ने हरा कूड़ादान (जैविक) और लाल कूड़ादान (अजैविक) के लिए कचरा विभाजन पर संबोधित करते हुए सभी सहभागियों को आस-पास स्वच्छता बनाए रखने के तरीकों को समझाया और अंत में कंठ संगीत कलाकार-नेहा वत्स खंकरियाल ने गाना - **कोटि कोटि कंठों से निकली, आज यही स्वरधारा है, भारत स्वच्छ बनाना है, भारत स्वस्थ बनाना है,** सुनाकर सभी को आनन्दित कर दिया।

अग्रसेन की बावडी का दौरा - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के चार स्टाफ सदस्यों के साथ 19 सदस्य बच्चों ने 9 सितम्बर, 2017 को अग्रसेन की बावडी का दौरा किया। यह बावडी चौदहवीं शताब्दी के आस-पास निर्मित हुई थी और लोगों द्वारा विभिन्न प्रयोजनों के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता था। इस बावड़ी में सीढ़ियों वाला कुआँ, कमरे जिन्हें आगन्तुकों और किसानों द्वारा विश्राम स्थल के रूप में इस्तेमाल किया जाता था तथा आम व्यक्तियों के लिए इसे बैठक स्थल के लिए भी इस्तेमाल में लाया जाता था। बच्चों ने बावडी और इससे सम्बद्ध प्रत्येक स्थल व हाल में पानी के संकट/दिल्ली की समस्याओं के परिप्रेक्ष्य, बावड़ियों की जरूरत और अवधारणा और इस्तेमाल को समझा। इस दौरे का उद्देश्य बच्चों को स्वस्थ विचार-विमर्श द्वारा भारत में वाटर हार्वेस्टिंग की प्राचीन पद्धतियों के अनुभव से अवगत कराना था।

ब्रह्म कुमारी - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 13 सितम्बर, 2017 को ब्रह्म कुमारी संस्थान द्वारा "तनाव मुक्त जीवन" एवं "जीवन में ध्यान का महत्त्व" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्म कुमारी संस्था के श्री बी.के. आशीष ने तनाव मुक्त जीवन रखने हेतु कुछ जानकारियाँ दीं। उन्होंने बताया की आम दिन-चर्या में सकारात्मक सोच से अच्छा प्रभाव पड़ सकता है। ब्रह्म कुमारी की सुश्री बी.के. कामया ने बताया की ध्यान कैसे किया जाए और उन्होंने सहभागियों से ध्यान करवाया। ब्रह्म कुमारी की चाँदनी चौक की प्रभारी सुश्री बी.के. सुनीता ने बाल भवन के साथ आगे भी कार्यक्रम करने की इच्छा जाहिर की तथा वह प्रतिभागियों के प्रतिक्रियाओं से बहुत प्रभावित हुई। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-कार्यक्रम प्रभारी द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत से किया गया। अंत में राष्ट्रीय बाल भवन के श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 50 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

अन्तर्राष्ट्रीय विश्व ओजोन दिवस - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के मेखला झा ऑडिटोरियम में ओजोन परत के अनुरक्षण के लिए 16 सितम्बर, 2017 को अन्तर्राष्ट्रीय विश्व ओजोन दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम में रा.बा.भ. के 12 सदस्य बच्चों के साथ सदस्य स्टाफ एवं 4 विभिन्न स्कूलों के 48 बच्चों ने अपने अध्यापकों के साथ भाग लिया। राजकीय सहशिक्षा उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय, रोहिणी सैक्टर-15 के 15 बच्चों ने अपने 3 अध्यापकों के साथ कार्यक्रम में सहभागिता ली। बाबू राम हैप्पी स्कूल, अजमेरी गेट के 12 बच्चे और उनके 1 अध्यापक ने भी इस कार्यक्रम में भाग लिया। स्वर्ण भारती पब्लिक स्कूल के 7 बच्चों और 2 अध्यापकों ने कार्यक्रम में सहभागिता की। न्यू नेशनल पब्लिक स्कूल के 13 बच्चों और 2 अध्यापकों ने भाग लिया। ओजोन की परत विषय पर एक पॉवर प्वाइन्ट की प्रस्तुति के साथ कार्यक्रम का शुभारम्भ हुआ। बच्चों ने विचार-विमर्श में गहरी रूचि ली और ओजोन के अनुरक्षण पर अपने विचार रखे। इस दौरान सीएससी के इस्तेमाल से गहराती जा रही ओजोन की परत की संकल्पना को स्पष्ट करने वाली एक लघु डाक्यूमेंटरी फिल्म भी प्रदर्शित की गई। तदुपरान्त, बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जिसमें बच्चों से 12 प्रश्न पूछे गए जिनमें उन्हें प्रश्नों का सही उत्तर देना था। अंतिम गतिविधि में बच्चों ने "पृथ्वी पर सम्पूर्ण जीवन की देखभाल" विषय पर एक पोस्टर तैयार कर स्लोगन के माध्यम से अपने विचार अभिव्यक्त किए। अंत में ओजोन प्रश्नोत्तरी के विजेताओं को "ओजोन हीरोज" का नाम दिया गया और पुरस्कार के रूप में एक लघु उपन्यास पुस्तक प्रदान की गई। कार्यक्रम के सभी सहभागियों को पढ़ने के लिए एक पुस्तक, स्टीकर, बुक मार्क तथा रिसायकलकृत टेट्रा पैक की एक डायरी भी वितरित की गई।

पं. दीनदयाल उपाध्याय जन्मशताब्दी - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 25 सितम्बर, 2017 को पं. दीनदयाल उपाध्याय की जन्मशताब्दी कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पं. दीनदयाल उपाध्याय के जीवन व कार्यों से प्रेरणा प्राप्त करना था। इस कार्यक्रम में पं. दीनदयाल उपाध्याय के व्यक्तित्व और कृतित्व पर विस्तार से प्रकाश डाला गया कि उन्होंने किस प्रकार विषय परिस्थितियों में अपनी प्रारम्भिक एवं उच्च शिक्षा प्राप्त की और विधि की उपाधि के उपरान्त भी उन्होंने समाज सेवा को जीवन में अंगीकार किया। उनके पिता मुगल सराय में स्टेशन मास्टर थे। उपाध्याय जी ने एकात्मवाद के सिद्धांत का प्रतिपादन किया और वे जन संघ के संस्थापकों में से एक थे। इस अवसर पर बच्चों द्वारा दौड़ का आयोजन भी किया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 42 स्टाफ सदस्यों व 21 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

वन्य जीवन सप्ताह - कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 3 अक्तूबर, 2017 से 7 अक्तूबर, 2017 तक वन्य जीवन सप्ताह मनाया गया। बच्चों को विभिन्न जीवों के बारे में तथा फूड वेब में उनके महत्त्व को समझाया गया तथा साथ ही जंगली जीवन और वहाँ विद्यमान पशु एवं पेड़-पौधों के बारे में जानकारी दी गई। बच्चों के साथ वन में मानव हस्तक्षेप एवं उनके लुप्त व खत्म होने के कारणों पर चर्चा की गई। इस कार्यशाला में लगभग 18 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

दिपावली समारोह - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के ओपन एअर थियेटर में दिनाँक 18 अक्तूबर, 2017 को दीपावली समारोह का आयोजन किया गया। प्रदर्शन कला अनुभाग-प्रभारी अधिकारी-श्री जगदीप सिंह बेदी द्वारा इस समारोह का उद्घाटन किया गया और डॉ. रश्मि शर्मा ने दीपावली पर्व पर महत्वपूर्ण जानकारी दी। इस अवसर पर कंठ संगीत कलाकार-श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल ने दीपावली पर्व संगीत-आई दीवाली दीप जलाओ, दूर करो अंधियारा-प्रस्तुत किया। भरतनाट्यम अनुभाग के बच्चों द्वारा नृत्य प्रस्तुत किया गया। प्रदर्शन कला अनुभाग के प्रबंधक-श्री चन्द्रमणि एवं कंठ संगीत कलाकार-श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल ने गिद्दा प्रस्तुत किया। इसके पश्चात् भूतपूर्व संगीत कलाकार-श्री नत्थी लाल यादव ने भजन प्रस्तुति दी। कार्यक्रम के अंत में स्टाफ ने मिलकर नृत्य किया। श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) और श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-कार्यक्रम प्रभारी ने सभी प्रतिभागियों को आशीर्वचन दिए। कार्यक्रम में लगभग 100 कर्मचारियों एवं 50 बच्चों ने भाग लिया। सभी सहभागियों को जलपान दिया गया।

ब्रह्म कुमारी - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 27 अक्तूबर, 2017 को ब्रह्म कुमारी संस्थान द्वारा "तनावमुक्ति एवं जीवन कौशल शैली" पर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में ब्रह्म कुमारी संस्था के श्री बी.के. पूनम, बी.के. भामा, बी.के. सुरेश गुप्ता, बी.के. प्रीति, बी.के. प्रीति, बी.के. बबीता, बी.के. सुनीता, बी.के. निशा ने तनाव मुक्त जीवन रखने हेतु कुछ जानकारियाँ दीं। उन्होंने ध्यान करने के तरीके से अवगत कराया और सहभागियों से ध्यान करवा कर ध्यान के फायदों के बारे में बताया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्रीमती नेहा वत्स खंकरियाल-कंठ संगीत कलाकार द्वारा सभी अतिथियों के स्वागत से किया। अंत में राष्ट्रीय बाल भवन के श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) और श्रीमती आशा भट्टाचार्जी-कार्यक्रम प्रभारी ने सभी अतिथियों और प्रतिभागियों का धन्यवाद दिया। इस कार्यक्रम में लगभग 55 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया।

सतर्कता जगरूकता सप्ताह/एकता दिवस - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में दिनाँक 31 अक्तूबर, 2017 से 4 नवम्बर, 2017 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह/एकता दिवस जिसका विषय था-"मेरा लक्ष्य-भ्रष्टाचार मुक्त भारत" मनाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के खुले रंगमंच में दिनाँक 31 अक्तूबर, 2017 को उपनिदेशक-(प्रशासन) ने राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों को राष्ट्र की एकता, अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए और कार्यकलापों के प्रत्येक क्षेत्र में ईमानदारी और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए तथा जीवन के प्रत्येक क्षेत्र से भ्रष्टाचार उन्मूलन करने के लिए निर्बाध रूप से कार्य करते हुए, राष्ट्रीय एकता दिवस शपथ दिलाई और साथ ही राष्ट्रीय बाल भवन की प्रथम अध्यक्ष - श्रीमती इन्दिरा गाँधी के लिए 2 मिनट का मौन रखा गया। तत्पश्चात् विज्ञान अनुभाग में कुछ कर्मचारियों और 16 सदस्य बच्चों ने बल्लभ भाई सरदार पटेलजी को श्रद्धांजलि दी और हिन्दी अनुवादक-एस.के. शर्मा ने

बल्लभ भाई सरदार पटेलजी के बारे में भाषण देकर बच्चों को समझाया। इन बच्चों ने राष्ट्रीय बाल भवन के मैदान में बल्लभ भाई सरदार पटेलजी की तस्वीर को हाथ में लेकर धीमी दौड़ लगाई। अंत में सभी सहभागियों को जलपान वितरण दिया गया।

1 नवम्बर, 2017 को राष्ट्रीय बाल भवन के राष्ट्रीय प्रशिक्षण संस्थान केन्द्र के हॉल में सतर्कता एवं सत्यनिष्ठा से सम्बंधित स्लोगन, लेखन, आशुभाषण एवं कविता लेखन कार्यक्रम प्रस्तुत किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के लगभग 6 कर्मचारियों एवं 15 सदस्य बच्चों ने भाग लिया और माण्डी के स्टाफ एवं 8 बच्चों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के प्रांगण में तीन दिवसीय राष्ट्रीय बाल सभा एवं एकीकरण शिविर, 2017 का आयोजन 14 नवम्बर से 16 नवम्बर, 2017 तक आयोजित किया गया। इस सभा की थीम "भारत की मौलिक कलाएं" थीं। इस थीम का उद्देश्य बच्चों में पारस्परिक मैत्री एवं सौहार्द्य की भावना विकसित करना था। कार्यक्रम में देशभर से 17 राज्यों के मान्यता प्राप्त 70 बाल भवनों तथा बाल भवन केन्द्रों के 350 सदस्य बच्चों तथा 86 एस्कोर्ट ने भाग लिया। उद्घाटन दिवस के अवसर पर दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों से 1200 बच्चों एवं 40 स्टाफ तथा जवाहर बाल भवन, मांडी के 200 बच्चों एवं 15 स्टाफ ने भी भाग लिया। इस कार्यक्रम में कैम्प के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन, जवाहर बाल भवन मांडी तथा दिल्ली के बाल भवन केन्द्रों के 48 सदस्य बच्चों के साथ रा.बा.भ. के 7 प्रशिक्षकों की सहभागिता भी सम्मिलित है। राष्ट्रीय बाल भवन की सोविनेयर शॉप के पास एनबीटी की पुस्तकें एवं विभिन्न राज्यों से लाई गई कलाकृतियों की स्टाल लगाई गई। इस दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के खुले प्रांगण में बच्चों के लिए ड्रामा, कैलीग्राफी, सिलाई, मिट्टी, वर्ली, चित्रकला, बुनाई, वातावरण, रेडियो व इलैक्ट्रॉनिकस, फोटोग्राफी, एअरो मॉडलिंग इत्यादि कार्यशालाएं आयोजित की गईं।

14 नवम्बर, 2017 के मुख्य अतिथि माननीय मानव संसाधन राज्य मंत्री-श्री उपेन्द्र कुशवाहा और माननीय मानव संसाधन विकास मंत्रालय-विशेष सचिव-सुश्री रीना रे थीं। इस सभा का उद्घाटन माननीय मानव संसाधन राज्य मंत्री-श्री उपेन्द्र कुशवाहा जी द्वारा गैस के गुब्बारे उड़ाकर व दीप प्रज्जवलित करने से किया। बाल भवन के कलाकार बच्चों ने स्वागत गीत और समूह-गान के साथ-साथ नृत्य-नाटिका भी प्रस्तुत की। समारोह के मुख्य अतिथि एवं मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री-श्री उपेन्द्र कुशवाहा ने देश के प्रथम प्रधानमंत्री व बाल भवन के संस्थापक-पं. जवाहर लाल नेहरू को याद किया। उन्होंने अपने मुख्य उद्बोधन में कहा कि राष्ट्रीय बाल भवन जैसे संस्थान अनौपचारिक शिक्षा द्वारा स्वेच्छापूर्वक उन्नति की ओर अग्रसर होने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने बच्चों का आह्वान किया कि वे अपने शिक्षक-प्रशिक्षकों का सम्मान करते हुए उत्तम शिक्षा प्राप्त करें और माता-पिता की सेवा करना कभी न भूलें।

क्योंकि अध्यापकों और माता-पिता का आशीर्वाद बच्चों में अच्छे संस्कार को जाग्रत करता है। समारोह के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन के कलाकार बच्चों द्वारा गायन, संगीत और नृत्य की प्रस्तुतियाँ दी गयी। राज्यमंत्री-श्री कुशवाहा

ने इस अवसर पर बच्चों द्वारा संयोजित एक वृहद प्रदर्शनी का भी उद्घाटन व अवलोकन किया। रात 8:00 बजे बच्चों के लिए खुले प्रांगण में होलिका उत्सव (बोनफायर) आयोजित किया गया।

इस शिविर के दूसरे दिन 15 नवम्बर 2017 को निदेशक महोदया जी ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के सचिव-श्री अनिल स्वरूप जी का स्वागत किया। श्री अनिल स्वरूप जी ने बच्चों की कला-प्रदर्शन को सराहा, उनकी मान्यता थी कि अनौपचारिक शिक्षा के क्रिया-कलाप बच्चों को जीवन की नीरसता समाप्त करते हुए उनमें नए संचार का सृजन करते हैं।

समापन समारोह 16 नवम्बर, 2017 के मुख्य अतिथि- मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री (उच्चत्तर शिक्षा)-डॉ. सत्य पाल सिंह एवं मानव संसाधन विकास मंत्रालय की विशेष सचिव-सुश्री रीना रे थीं। इस दिन आन्ध्रा स्कूल के 150 बच्चे, नवशक्ति स्कूल के 50 बच्चे, राहिणी सै. 15 देश भर से आए हुए बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए जिसमें बच्चों से रूबरू होते हुए मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री (उच्चत्तर शिक्षा)-डॉ. सत्य पाल सिंह ने बताया कि देशभर में बाल भवनों और बाल केन्द्रों के माध्यम से बच्चों को शिक्षा के अतिरिक्त अब विभिन्न विधाओं को सीखने की ज्यादा सुविधाएं प्राप्त हैं। उन्होंने इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय एकता और बच्चों को सर्वांगीण विकास की दिशा में अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने राष्ट्रीय बाल भवन के अनुभवी प्रशिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि वे छात्रों का सही दिशा में मार्गदर्शन कर रहे हैं और तीन दिवसीय भव्य उत्सव उसी का प्रत्यक्ष प्रमाण है इसके लिए उन्होंने बाल भवन की निदेशक-श्रीमती मीनाक्षी जौली एवं समस्त स्टाफ की भरपूर प्रशंसा की। खुले रंग मंच में बच्चों के लिए कठपुतली शो तथा जादुई खेल आयोजित किया गया।

इस शिविर के सभी मुख्य अतिथियों को बच्चों द्वारा अंगवस्त्र प्रदान किए गए तथा लोकनायक अस्पताल द्वारा फर्स्ट-एड पोस्ट भी उपलब्ध कराया गया और बच्चों के लिए 13 नवोन्मेष कार्यशाला और 22 स्टाल उपलब्ध कराई गई। देशभर के प्रत्येक राज्य से आए कलाकार बच्चों ने अपने-अपने अंचल की प्रतिनिधि लोक कलाओं के माध्यम से गायन, संगीत और नृत्य को प्रस्तुत किया। इससे बच्चों के बीच पारस्परिक मंत्री एवं सौहार्द्य की भावना विकसित हुई। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने बाल भवन के राष्ट्रीय बाल संग्रहालय में एक प्रदर्शनी ''नन्हें हाथों ढली पंचतंत्र की कहानियों'' का भी उद्घाटन किया। यह प्रदर्शनी राष्ट्रीय बाल संग्रहालय द्वारा पंचतंत्र पर आधारित विभिन्न कार्यशालाओं का परिणाम थी, जिनके अन्तर्गत बच्चों ने अपनी कल्पनानुसार पंचतंत्र की कहानियों को विभिन्न माध्यमों यथा पेंटिंग, स्कल्पटिंग, पेपर कटिंग आदि से मूर्ति रूप दिया। रंगारंग कार्यक्रम और राष्ट्रगान के साथ तीन दिवसीय बाल सभा और एकीकरण शिविर का समापन हुआ। शिविर में भाग लेने वाले सभी बच्चों को प्रमाण-पत्र

एवं बच्चों का विकास नामक एक पुस्तक प्रदान की गई। अन्तर्राष्ट्रीय शिक्षा सप्ताह(13 से 17 नवम्बर, 2017) होने के कारण पुस्तकालय अनुभाग में बच्चों को रोचक, नैतिक मूल्यों से ओत-प्रोत कहानियाँ सुनाई गई व बच्चों से सुनी गई तथा बच्चों से शिक्षा पर कई लेखन व निबन्ध भी लिखवाए गए। इस कार्यक्रम के दौरान जयादित्य पब्लिकेशन की सम्पादक-श्रीमती रश्मि लूथरा जी द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन को दान में दी गई 900 पुस्तकें, राज्य बाल भवनों व बाल केन्द्रों के बच्चों को उपहार में दी गई। इस शिविर में लगभग 2500 बच्चों ने भाग लिया।

दिल्ली के चिड़ियाघर का भ्रमण - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन के मछलीघर एवं पर्यावरण अनुभाग के सदस्य बच्चों को 25 नवम्बर, 2017 को दिल्ली के चिड़ियाघर का भ्रमण कराया गया। इस दौरे में बच्चों को वनस्पति की विभिन्न किस्में और कुछ चुने हुए पौधों की जानकारी दी। बच्चों ने हाथी, शेर, बंगाल टाइगर, तेंदुआ और चीता, फीजेंट, फाउल्स, शिकरा, मिस्त्र के पक्षी, भिन्न प्रकार के उल्लू, मकाव, कबूतर, मोर तथा रंग-रंगीले तोते, मगरमच्छ जैसे वन्य जीवों को देखा तथा चीते व तेंदुआ, एशिया व अफ्रीकी हाथी की विशेषता और अंतर को जाना। बच्चों ने स्टोर्क, छोटी कोरमोरेन्ट, इग्रेट, हेरोन और उनके घौंसलों के निर्माण की पद्धति को जाना और तालाब में तैरते भिन्न किस्म के जलीय पक्षियों के तैरने की पद्धति को भी जाना। तत्पश्चात् बच्चों ने वन्य संग्रहालय का भी दौरा किया। भ्रमण के उपरान्त बच्चों ने उनके रख-रखाव की जरूरत के सम्बंध में चर्चा की और मानवीय गतिविधियों का इन वन्य जीवों के जीवन और शैली पर विचार-विमर्श किया। बच्चों ने चिड़िया घरों के निर्माण और विलुप्त प्रजातियों को बचाने के तौर-तरीकों को भी समझा। इस कार्यक्रम में लगभग 25 बच्चों ने भाग लिया।

जूडो चैम्पियनशिप - कार्यक्रम

दिनाँक 19 दिसम्बर, 2017 से 21 दिसम्बर, 2017 तक राष्ट्रीय बाल भवन में जूडो चैम्पियनशिप कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 338 बच्चों ने सहभागिता की। इन सहभागियों में से 111 बच्चों ने अपनी श्रेष्ठता सिद्ध की। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि - श्री मुकेश कौशिक (अध्यक्ष- भारतीय जूडो महासंघ) और श्री अकरम शाह (ओलम्पियन, अर्जुन अवार्डी) थे जोकि राष्ट्रीय बाल भवन के पूर्व भी रहे हैं। अतिथियों ने बच्चों का उत्साह बढ़ाने हेतु बच्चों को खेल के प्रति सम्बोधित किया एवं निदेशक (फिक्की)-श्री राजपाल सिंह, श्री प्रवीण त्यागी एवं श्री हरीश त्यागी ने सभी सहभागी बच्चों को अल्पाहर और विजेता बच्चों को टी-शर्ट प्रदान कीं। साथ ही राष्ट्रीय बाल भवन के उपनिदेशक (प्रशासन)-श्री मुकेश गुप्ता जी ने सभी विजेता बच्चों को मैडल और प्रमाण-पत्र प्रदान किए। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन के 7 बच्चों ने स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक जीते।

26वें राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन - कार्यक्रम

चिल्ड्रन अरेना, विशाखापत्तनम में 26वां राष्ट्रीय युवा पर्यावरणविद सम्मेलन का विषय-चेंज मेकर्स 19 दिसम्बर, 2017 से 21 दिसम्बर, 2017 तक वीसीएसपी बाल भवन द्वारा आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में विभिन्न 18 राज्यों से बच्चों और उनके अभिभावकों ने भाग लिया। पहले दिन विभिन्न राज्यों के सभी एस्कोर्ट और उनके बच्चे यूथ हॉस्टल परिसर में एकत्रित होकर विशेषज्ञ के मार्गदर्शन में कुछ आसान योगासन किए।

दूसरे दिन महानुभावों द्वारा दीप-प्रज्जवलन के साथ सम्मेलन का शुभारम्भ हुआ और वीसीएसपी बाल भवन के सदस्य बच्चों ने सम्मेलन से पूर्व गणेश वन्दना और अन्य प्रार्थनाएं प्रस्तुत कीं। तत्पश्चात् आन्ध्रा प्रदेश के प्रो. कामेश्वर राव ने सभी विद्वानों को मंच पर आमंत्रित कर सभी बच्चों और एस्कार्ट से परिचय कराया। प्रो. कामेश्वर राव ने इस वर्ष की थीम-चेंज मेकर्स पर बच्चों को सुरूचिपूर्ण ढंग से समझाया कि बच्चे ही असली चेंज मेकर

हैं और वे किस प्रकार से परिवर्तन ला सकते हैं। उन्होंने बच्चों से कहा कि उन्हें अपनी जीवन शैली में बदलाव लाना चाहिए ताकि ऐसा करने से वे पर्यावरण में बदलाव ला सकें। राष्ट्रीय बाल भवन की प्रभारी कार्यक्रम-श्रीमती आशा भट्टाचार्जी ने बच्चों को जंगल का उदाहरण देते हुए कहा कि जिस प्रकार जंग की भांति प्रत्येक प्राणी जंगल के प्रति योगदान और पर्यावरण की स्वच्छता में एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है ठीक उसी प्रकार हम मनुष्यों को भी पर्यावरण को स्वच्छ रखने के तौर-तरीकों के बारे में विचार करना चाहिए और यह हमारा परम कर्त्तव्य है। तत्पश्चात् विधायक-श्री माधव ने बच्चों से कहा कि यदि हम पर्यावरण के साथ प्रतिकूल आचरण करते हैं तो पर्यावरण के कोपभाजन बरेंगे। उन्होंने कहा कि हमारा कर्त्तव्य हमारे भविष्य का निर्माण करता है और इसी भांति हमारी सोच और क्रियाएं पर्यावरण के भविष्य का निर्धारण करेंगी। उसके बाद अदारी किशोर कुमार (विधायक) ने बच्चों को सम्बोधित करते हुए उन्हें स्वच्छता के "चेंज अम्बैस्डर" संज्ञा से प्रोत्साहित किया और बताया कि वे श्रद्धा नामक एक एन.जी.ओ. चला रहे हैं। उन्होंने बच्चों को सॉलिड वेस्ट प्रबंधन के बारे में बताया और कहा कि हम सभी प्रतिदिन करीब 0.5% वेस्ट का सृजन करते हैं।

राष्ट्रीय बाल भवन की सुश्री प्रीति वोहरा ने वस्तुओं को पुन: उपयोग में लाने सम्बंधी एक पॉवर-प्वाइंट के बारे में बच्चों को समझाया। श्री अदारी किशोर कुमार (विधायक) ने स्वच्छता पर आधारित एक पीपीटी प्रस्तुत की और बच्चों के साथ एक गम्भीर व पारस्परिक सत्र की शुरूआत की जिसमें उन्होंने स्वच्छता अभियान पर परिचर्चा की। इस सम्मेलन में सभी सहभागियों ने स्वच्छता सम्बंधी शपथ ली। बच्चों को विभिन्न टीमों में विभक्त करके टीमों को पोस्टर बनाने, स्लोगन लिखने, भावी शहरों के लिए डिजायनों की फ्रेमिंग आदि कार्य का आबंटन किया गया और सभी बच्चों ने अपनी-अपनी कल्पनाओं और सृजनात्मकता को इस्तेमाल करते हुए कार्य को पूरा किया। उसके बाद बच्चों ने स्वच्छता और कतिपय स्मृति से जुड़े खेलों व आमोद के खेलों का आयोजन किया। इस दौरान विभिन्न राज्यों के बच्चों ने अपने नृत्य, स्किट और गीत आदि प्रस्तुत किए। सायंकाल में वीसीएसपी बाल भवन के बच्चों ने अपने अनुदेशकों के मार्गदर्शन में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। इसी दौरान विशाखापत्तनम के विभिन्न स्कूलों के बच्चों द्वारा विभिन्न मॉडलों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई जिसमें पर्यावरण को बचाने के तौर-तरीकों को प्रदर्शित किया गया था।

तीसरे दिन वीसीएसपी बाल भवन के निदेशक-श्री गाँधी, वीसीएसपी बाल भवन के उपनिदेशक-श्री भगवान पटनायक और अदारी किशोर कुमार(विधायक) के आदेशानुसार सभी सहभागियों ने पांच मिनट तक शारीरिक श्रम किया जिसमें यूथ हॉस्टल परिसर को साफ करना और केवल प्लास्टिक सामग्री एमत्रित करना था। कुछ ही देर में कबाड़ की दो टोकरियां भर गई। इस अभ्यास का उद्देश्य हमारे अपने क्षेत्र अर्थात् हमारे घर, हमारे स्कूल और सम्पूर्ण सृष्टि में स्वच्छता की शुरूआत का शुभारम्भ करना था। इसी दौरान बच्चों को विशाखापत्तनम के प्रसिद्ध स्थल -कैलाश गिरि, करसुरा सबमैरिन, ध्वनि एवं प्रकाश फाउण्डेशन शो हेतु चिल्ड्रन पार्क आदि के भ्रमण के लिए ले जाया गया। अंत में सभी सहभागियों को स्मृति-चिन्ह एवं सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए गए।

तिमाही हिन्दी - कार्यशाला

दिनाँक 28 दिसम्बर, 2017 को तिमाही हिन्दी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला का विषय था-"कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिंदी का प्रयोग"। इस कार्यशाला का संचालन श्री बी.बी. शर्मा-परामर्शदाता(प्रशासन) ने किया। उन्होंने राजभाषा हिन्दी के उद्भव, राजभाषा के रूप में इसकी महत्ता तथा कार्यालयी कार्यों में राजभाषा का प्रयोग के संबंध में जानकारियाँ दीं। संविधान में राजभाषा के रूप में इसको मान्यता तथा कार्यालयी कार्यों में राजभाषा हिन्दी को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से "हिन्दी पखवाड़ा/हिन्दी दिवस" का आयोजन के बारे में भी बताया गया। उन्होनें यह भी बताया कि राजभाषा हिन्दी एक ऐसी भाषा है जो एक-दूसरे को आपस में जोड़ने में अहम भूमिका अदा करती है। इसका मुख्य कारण है कि यह अधिकांश लोगों द्वारा बोली तथा समझी जाने वाली भाषा

है। अत: सभी अपने कार्यालयी कार्यों में इसका प्रयोग अधिक से अधिक करना चाहिए। सरकार द्वारा भी इस संबंध में नियम एवं शर्तें बनाई गई हैं, जिनका उल्लंघन नहीं किया जाना चाहिए।

आधुनिक युग "इंटरनेट और डिजिटीलाइज़ेशन" का है। इनमें भी राजभाषा हिन्दी का अधिक से अधिक प्रयोग किए जाने की आवश्यकता है और इसका आरंभ भी हो चुका है। इस दिशा में राजभाषा विभाग द्वारा जारी निर्देशों के अनुसार सभी कम्प्यूटरों में "यूनीकोड" अनिवार्य किया गया है, ताकि अधिक से अधिक कर्मचारी राजभाषा हिन्दी में कार्य करें। कार्यालयी कार्यों में दैनिक प्रयोग में प्रयुक्त होने वाले कार्यों के लिए "स्टैंडर्ड प्रोफार्मा" बनाए जाने चाहिएं ताकि समय की बचत हो और सभी कर्मचारी सरलता से उनका उपयोग कर सकें। इस कार्यशाला में 1 अधिकारी तथा 26 कर्मचारियों ने भाग लिया।

आमोद दिवस-कार्यक्रम

नए साल के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय बाल भवन में 2 जनवरी, 2018 को "आमोद दिवस" कार्यक्रम का आयोजन बहुत धूमधाम से आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी सहभागियों ने फन गेम, म्यूज़िकल चेयर, रस्सा-कस्सी इत्यादि खेलों में सहभागिता प्रदान की और खेलों का आनन्द उठाया। इसी दिन दोपहर 12:00 बजे राष्ट्रीय बाल भवन के पुर्नरूद्धारित सांस्कृतिक शिल्प ग्राम का उद्घाटन कार्यक्रम प्रारम्भ हुआ। इस अवसर पर श्री अनिल स्वरूप-सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) मानव संसाधन विकास मंत्रालय मुख्य अतिथि थे। इस अवसर पर सदस्य बच्चों ने सभी आगन्तुक अतिथियों का तिलक लगाकर स्वागत किया और श्री अनिल स्वरूप जी ने नारियल फोड़कर शिल्प ग्राम का विधिवत उद्घाटन किया। बोर्ड सदस्य श्रीमती लता वैद्यनाथन भी इस अवसर पर मौजूद थी। तत्पश्चात् नृत्य-निर्देशक श्री चन्द्रमणी एवं राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व सदस्य कु. निकिता ने चारी-युग्न नृत्य प्रस्तुत किया। लोक कलाकार-श्री जलालुद्दीन एवं श्री जमिल खां की संगति में सदस्य बच्चों की मंडली ने राजस्थान का प्रसिद्ध लोक नृत्य "पधारो म्हारे देस" की प्रस्तुति दी। लोक संगीत-अनुदेशक श्री नत्थी लाल जी ने ब्रज के लोक-गीतों की प्रस्तुति दी। जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों के साथ संगत करते हुए राजस्थानी लोक कलाकार-श्री जलालुद्दीन और सदस्य बच्चों ने नक्कारा, खडताल, संतुर जैसे वाद्य यंत्रों पर अपनी-अपनी कला

का प्रदर्शन किया। श्रीमती लता वैद्यनाथन ने सभी आगन्तुक अतिथियों का स्वागत करते हुए राष्ट्रीय बाल भवन की गतिविधियों और उपलब्धियों की संक्षिप्त रिपोर्ट प्रस्तुत की। तत्पश्चात् श्री अनिल स्वरूप-सचिव (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता) मानव संसाधन विकास मंत्रालय एवं श्रीमती मीनाक्षी जौली-निदेशक राष्ट्रीय बाल भवन ने सयुक्त रूप से राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा सम्पादित प्रकाशित वर्ष 2018 के कैलेण्डर का भी लोकार्पण किया। इस कैलेण्डर में सम्मिलित चित्रों के निर्माता कुछ कलाकार बच्चे भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सचिव महोदय ने उनको आशीर्वाद प्रदान कर उन्हें प्रोत्साहित भी किया।

इस दौरान शिल्प ग्राम में प्रख्यात शिल्पकारों ने बांस से विभिन्न वस्तुओं का निर्माण, पेपर मैशी, मेहन्दी रचाने, मिट्टी के काम, मृदा-पात्र निर्माण जैसी पारम्परिक गतिविधियों के स्टॉल भी लगाए गए थे, जिन्हें सदस्य बच्चों ने पूरे ध्यान से देखा और सीखा।

राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक श्रीमती मीनाक्षी जौली ने सभी आगन्तुक अतिथियों के प्रति अपना आभार जताया और विभिन्न विभागों में कार्यरत प्रशिक्षकों की भी भूरी-भूरी प्रशंसा की। उन्होंने शिल्प ग्राम के अत्यन्त कम समय में जीर्वोद्धार में लगे एनटीआरसी, प्रकाशन अनुभाग, अभियान्त्रिकी विभाग तथा अन्य शिल्पकारों के अनथक प्रयासों और कार्य की परिणति को भी हृदय से सराहा। कार्यक्रम के अंत में सभी सहभागियों को जलपान दिया गया। इस कार्यक्रम में लगभग 300 सहभागियों ने भाग लिया।

दांतों की जांच एवं स्वास्थ्य व स्वच्छता शिविर

मौलाना आजाद मेडिकल कालेज के सहयोग से 5 जनवरी, 2018 को प्रातः 10:00 बजे से अपरान्ह 1:00 बजे तक एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया जिसमें करीब 20 बच्चों एवं राष्ट्रीय बाल भवन के 17 स्टाफ सदस्यों ने डाक्टरों से अपने दांतों की जांच कराई और चिकित्सकों ने दांतों की सावधानी से देख-रेख करने के तरीकों को बताया। डाक्टरों द्वारा व्याख्यान एवं प्रदर्शन व स्लाईड शो की प्रस्तुति दी। डाक्टरों ने बच्चों के दांतों को ब्रश करने की समुचित पद्धतियों की विधि व सही खान-पान का उल्लेख किया ताकि जीवन पर्यन्त काम आने वाले दांतों को रोग एवं क्षति से बचाया जा सके। उन्होंने मसूडों, दांतों की कुछ वर्जिशों के बारे में भी बताया जिससे इन्हें मजबूती मिल सके।

लोहड़ी पर्व - कार्यक्रम

दिनाँक 13 जनवरी, 2018 को राष्ट्रीय बाल भवन के संस्कृति शिल्प ग्राम में लोहड़ी पर्व का आयोजन किया गया। इस अवसर उपनिदेशक-(प्रशासन) के निर्देशन में लोहड़ी जलाकर सभी कर्मचारियों एवं बच्चों ने फुल्ले, गज़क, रेवड़ी, मूँगफली से पूजा की और सभी ने लोहड़ी के ईर्द-गिर्द घूमकर गाने-नाचने की धूम मचाई। इस कार्यक्रम के दौरान सभी कर्मचारियों एवं बच्चों को फुल्ले, गज़क, रेवड़ी, मूँगफली बाँटी गई। इस कार्यक्रम में लगभग 50 बच्चों एवं 150 कर्मचारियों ने भाग लिया।

राष्ट्रीय इन्टर स्कूल बैण्ड प्रतियोगिता कार्यक्रम

मानव संसाधन विकास मंत्रालय (स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विकास विभाग) के तत्वावधान में राष्ट्रीय बाल भवन में 14 जनवरी, 2018 को "राष्ट्रीय इन्टर स्कूल प्रतियोगिता" कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन श्री मनीष गर्ग-संयुक्त सचिव, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा किया गया। उन्होंने उपस्थितजनों को सम्बोधित करते हुए कहा कि स्कूल बैण्ड बच्चों में एकता, उत्साह और राष्ट्रभक्ति की भावना का संचार करते हैं। आगन्तुक अतिथियों का स्कूली बच्चों ने अंगवस्त्रम एवं पौधा भेंटकर स्वागत किया।

माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री-श्री प्रकाश जावडेकर ने अपने वीडियो सम्बोधन में कहा कि हजारों बच्चों ने अंचल स्तरीय बैण्ड प्रतियोगिता में सक्रियता और पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। अंचल स्तर पर 14 टीमें विजयी हुई, जिनमें से 368 बच्चे राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली में अपने स्कूल बैण्डों की प्रस्तुति दे रहे हैं। उन्होंने स्कूली बच्चों का मनोबल बढ़ाते हुए कहा कि प्रत्येक बच्चा विजयी है। बैण्ड की संकल्पना बच्चों में भ्रातृभाव और अनुशासन का विकास करता हैं मात्र पुस्तकें पढ़ना और स्कूल में पढ़ाई करना ही पर्याप्त नहीं है। शिक्षा का उद्देश्य समाज में अच्छे इंसान बनाना है तथा बच्चों का सर्वांगींण विकास करना है। ये स्कूलों में शिक्षेत्तर क्रियाकलापों से ही सम्भव है। उन्होंने उल्लेख किया कि जो बच्चे देश के विभिन्न स्कूलों से इस प्रतियोगिता में भाग लेने यहां आए हैं उनका यहाँ स्वागत है और हमारा प्रयास होगा कि प्रत्येक स्कूल में बैण्ड की संकल्पना प्रारम्भ की जाए। वस्तुतः बैण्ड संगीत की ही एक शाखा है और मानसिक शांति, आन्तरिक समाधान व अनुशासन के लिए यह परमावश्यक है। प्रत्येक वाद्य की अपनी भाषा है, शिल्पकार की अपनी कल्पना होती है। सेना का बैण्ड प्रत्येक श्रोता और दर्शक को रोमांचित कर देता हैं राष्ट्रपति भवन में विदेशों में आने वाले राष्ट्रध्यक्षों के समक्ष भारत और उनके देश के राष्ट्रगान की धुन प्रस्तुत की जाती है, तो सौहार्द्य कहीं ज्यादा बढ़ जाता है। इस अवसर पर उन्होंने सभी सहभागियों, मंत्रालय के अधिकारियों व स्टाफ के प्रति आभार जताया, जो इस वृहदत्तर कार्य में जुड़े रहे हैं।

इस प्रतियोगिता के अंतर्गत 3 टीमें लड़कों की तथा 3 टीमें लड़कियों की ने प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त किया -

स्थान	लड़कियों की टीम	लड़कों की टीम
प्रथम	कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय ओरमांझी, रांची, झारखंड	डब्लू जॉन मल्टीपर्पज़ बोर्डिंग स्कूल पिसका नगरी, रांची, झारखंड
द्वितीय	सैंट जोसफ कॉनवेंट वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ईदगाह हिल्स, भोपाल, मध्य प्रदेश	राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयसदम दक्षिणी सिक्किम
तृतीय	राजकीय मिजो उच्च विद्यालय आईज़ोल मिज़ोरम	भाई परमानन्द विद्यालय मन्दिर स्कूल सूर्य निकेतन, आनन्द विहार, दिल्ली

इस अवसर पर भारतीय नौसेना की डिफेंस टीम ने भी अतिउत्साह के साथ अपनी बैण्ड पर अद्वितीय धुनों की प्रस्तुतियाँ दीं।

निर्णायक मंडल में डिफेंस के अन्य अधिकारी - सर्वश्री चिन्ना दुरई के, संजय कानागरे और प्रदीप साहू शामिल थे।

राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक-डॉ. मीनाक्षी जौली ने आगन्तुकों के प्रति धन्यवाद शामिल किया। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

जैविक पद्धार्थों द्वारा होली के रंग बनाने की कार्यशाला

राष्ट्रीय बाल भवन में 15 जनवरी, 2018 और 16 जनवरी, 2018 को दो द्विसीय जैविक पद्धार्थों द्वारा होली के रंग बनाने की कार्यशाला संचालित की गई। जिसका प्रसंग था - सुरक्षित एवं पर्यावरण हितैषी होली खेलना था। यह कार्यशाला होली के लिए प्राकृतिक रंगों का निर्माण करना था। जिसके लिए दिल्ली के विभिन्न स्कूलों और राष्ट्रीय बाल भवन के सदस्य बच्चों को आमंत्रित किया गया। इस कार्यशाला में ग्रीन फील्ड स्कूल, सफदरजंग एन्कलेव के 25 बच्चों और राष्ट्रीय बाल भवन के 15 सदस्य बच्चों ने भाग लिया। पहले दिन सभी बच्चों को मेखला झा

ऑडिटोरियम में एकत्रित किया गया। होली के त्यौहार के महत्त्व और इस पर्व के पीछे की कहानी दर्शाने वाली एक फिल्म सभी बच्चों को दिखाई गई और बच्चों के साथ होली के रंगों पर चर्चा भी की गई। बच्चों को चित्रों के साथ कृत्रिम रंगों के दुष्प्रभावों पर चर्चा की गई। बच्चों ने होली के रंगों से यह पर्व खेलने के पश्चात उन्हें हुई मुश्किलों पर भी चर्चा की। तदुपरांत सभी बच्चों को पर्यावरण अनुभाग में लाया गया, जहां उन्हें पाँच बच्चों के अलग-अलग समूहों में बांटा गया। प्रत्येक समूह को गैंदे के फूल दिए गए उनकी पंखुड़ियाँ निकालकर सूरज की धूप में सूखाने को कहा गया। फिर सभी पाँच समूहों को खाली बर्तन में मैदा, चन्दन पाऊडर, गुलाब जल और खाने के रंग दिए गए। उनसे इन सभी घटकों को मिलाने और सख्त बनाने के लिए कहा गया। इसके पश्चात सभी बच्चों ने इसे चपट्टी किस्म का आकार देकर धूप में सुखाने डाल दिया और उन्होंने गैंदें की सूखी पत्तियों को पीसा और इससे नारंगी रंग बनाया। बच्चों ने बीज और जड़ों को जामनी रंग बनाने के लिए भी इस्तेमाल किया।

दूसरे दिन प्रात: 10:00 बजे सभी बच्चे कार्यशाला में पहुँचे। यहाँ उन्होंने सभी प्राकृतिक रंगों के महत्त्व पर चर्चा व पिछले दिन की प्रक्रिया पर बात की। इसके बाद सभी बच्चे छात्रावास गए और उन्होंने कल बनाई गई रंगी चपट्टी को पीसा। बच्चों ने पौधों व पौध उत्पादों का इस्तेमाल करके पीला, नारंगी, हरा, जामनी और केसरिया रंग का निर्माण किया। बच्चों ने बीट की जड़ों और गैंदे की पत्तियों से सूखा रंग भी बनाया। बच्चों ने इन रंगों को एक-दूसरे पर लगाया और इसका आनंद उठाया। अंत में बच्चों को अल्पाहार बाँटा गया।

वरिष्ठ नागरिकों द्वारा राष्ट्रीय बाल भवन का दौरा

राष्ट्रीय बाल भवन में शनिवार 10 फरवरी, 2018 को 50 वरिष्ठ नागरिकों के साथ पूर्व निदेशक-सुश्री अमिता शॉ जी ने बाल भवन का दौरा किया। माह के प्रत्येक शनिवार को संस्कृति ग्राम में विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित की जाती हैं। राष्ट्रीय बाल भवन के कुछ कर्मचारियों एवं प्रशिक्षकों ने तौर-तरीकों के अनुसार सभी वरिष्ठ नागरिकों की सहायता की। डॉ. रश्मि शर्मा-संग्रहालयाध्यक्ष व उनकी सहायक ने दैनिक गतिविधियाँ से सम्बंधित एक वृत्तचित्र मेखला झा ऑडिटोरियम में दिखाया और संग्रहालय भी दिखाया। पेंटिंग और क्ले मॉडलिंग गतिविधि श्री अनिरूल, श्री काशीनाथ ने बहुत सम्मान के साथ कराई। प्रदर्शन कला अनुभाग के श्री नत्थी लाल और श्री चन्द्रमणि ने पारम्परिक तौर से सांस्कृतिक कार्यक्रम बच्चों के साथ पेश किए। श्री वासुदेव और श्रीमती उषा ने सांस्कृतिक गाँव में लोक कला गतिविधि कराई। सभी वरिष्ठ नागरिकों एवं पूर्व निदेशक - सुश्री अमिता शॉ ने सभी गतिविधि कक्षों को देखा और प्रशिक्षकों से मिले। अंत में सभी सहभागियों को जलपान और भोजन भी कराया गया।

होली उत्सव कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में सदस्य बच्चों एवं स्टाफ के लिए 1 मार्च, 2018 को होली उत्सव का आयोजन किया गया, जिसमें 40 बच्चों और 150 स्टाफ सदस्यों ने भाग लिया। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन के सांस्कृतिक ग्राम में प्रदर्शन कला अनुभाग द्वारा रंगारंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें संगीत एवं नृत्य के अनेक कार्यक्रम पेश किए गए और उपस्थित जनों ने फूलों और प्राकृतिक रंगों से होली खेली।

श्री मुकेश गुप्ता-उपनिदेशक(प्रशासन) ने अपने मुख्य उद्बोधन में होली के त्यौहार की विशेषता, महत्व पर प्रकाश डाला और सभी उपस्थित सहभागियों को होली की शुभ-कामनाएं दीं। सभी उपस्थित बच्चों और स्टाफ ने रंग, अवीर, गुलाल लगाकर एक-दूसरे को होली की मुबारकबाद दी और समाज में प्रेम एवं सौहादर्य की भावना का संदेश प्रसारित किया। इस अवसर पर सभी कलाकारों, दर्शकों, सहभागियों को छात्रावास हॉल में अल्पाहार बालूशाही, पकौड़े एवं चाय वितरित की गई। सभी इस अनूठे त्यौहार की भावना से प्रेरित एवं उल्लास में सराबोर थे।

जवाहर बाल भवन, माण्डी

छठे दशक के मध्य में, जवाहर बाल भवन की स्थापना की एक योजना प्रारंभ की गई थी और राज्य के लिए जवाहर बाल भवनों को एक नोडल एजेंसी के रूप में माना गया था, अत: भारत के विभिन्न राज्यों में अनेक बाल भवनों की स्थापना की गई। जवाहर बाल भवन, माण्डी उसी योजना का विस्तार था, जिसे नेहरू स्मारक निधि द्वारा प्रारम्भ में वित्तपोषित किया गया। ग्रामीण बाल भवन, माण्डी ने माण्डी गाँव की 'चौपाल' से काम करना प्रारंभ कर दिया।

वर्तमान में जवाहर बाल भवन, माण्डी ग्राम पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई गई 3.75 एकड़ भूमि पर बना है और श्रीमती इंदिरा गाँधी द्वारा इस ग्रामीण इकाई का उद्घाटन 3 फरवरी, 1973 को किया गया। यह ग्रामीण केंद्र मंगलापुरी, ग्वाल पहाड़ी, महरौली, जौनापुर, गदईपुर, सुल्तानपुर, बंधावाड़ी, असोला, आयानगर, घिटोरनी, छतरपुर, मैदान गढ़ी, राजपुर, सतबाडी, चंदनहोला, फतेहपुर बेरी, डेरा, भाटी माइंस तथा नेब सराय के गांवों के बच्चों की जरूरतों को पूरा करता है।

बाल भवन की गतिविधियों में शारीरिक शिक्षा, कला और शिल्प, सिलाई, काष्ठ शिल्प और मिट्टी के काम शामिल हैं। मांडी बाल भवन के ग्रामीण बच्चों में व्यापक अभिरूचि उत्पन्न की है और बच्चों की भारी मांग पर फोटोग्राफी और कम्प्यूटर की गतिविधियाँ साथ ही में शामिल की गई हैं।

सत्र 2017-2018 वर्ष में 877 बच्चों का पंजीकरण हुआ तथा 2 प्राईवेट स्कूल एवं 3 सरकारी स्कूल संस्थागत सदस्य के रूप में पंजीकृत हुए। सैकड़ों बच्चों ने गतिविधियों में भाग लिया एवं हज़ारों ने जवाहर बालभवन, माण्डी का भ्रमण किया।

ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम मनाया गया जिसमें निम्नलिखित विशेष आकर्षण/उल्लेखनीय उपलब्धियां प्राप्त हुई :-

1. भारतीय बाल चित्र समिति के सहयोग से प्रत्येक शनिवार को फिल्म उत्सव का आयोजन जिसमें फिल्म - गोपी कन्हैया बजा बजैया, छू लेंगे आकाश, सिक्सर, अक्कड़-बक्कड़ बॉम्बे बो, लाडली, हाथी का अण्डा, छोटा सिपाही, मुझसे दोस्ती करोगे।
2. इन्वोटिव एप्पस से इंग्लिश लर्निंग टूल नि:शुल्क उपलब्ध हुई। जिसमें अद्वितीय उत्पाद अत्यन्त कम समय में बच्चों को अंग्रेजी बोलना सीखने की दिशा में तैयार किया गया है। इस उत्पाद में लिप्यन्तरण की विधा (भाषण के पाठ के साथ-साथ शब्दकोश) का प्रयोग किया गया। इस उत्पाद को कम्प्यूटर अनुभाग के प्रत्येक कम्प्यूटर में संस्थापित किया गया है।
3. नि:शुल्क चिकित्सा सुविधा उपलब्ध हुई जोकि स्वास्थ्य सेवा निदेशालय से एक मैडिकल टीम जिसमें चिकित्सक डॉ. रीता राय, नर्स श्रीमती भूपिन्द्र कौर, फार्मासिस्ट श्रीमती विमला तथा एक अनुचर शामिल थे।
4. कम्प्यूटर अनुभाग के सदस्य बच्चों द्वारा अप्रैल 2018 का एक कैलेण्डर तैयार किया गया। जिसमें जवाहर बाल भवन माण्डी परिसर के भीतर के कार्यक्रमों की प्राकृतिक फोटोग्राफी को समाहित किया गया है।
5. विश्व पर्यावरण दिवस के आयोजन के दौरान बच्चों द्वारा प्रकाशित "गुप चुप माण्डी टाइम्स" अखबार का लोकार्पण किया गया।

जवाहर बाल भवन, माण्डी - कार्यक्रम

पृथ्वी दिवस कार्यक्रम

22 अप्रैल, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी में पृथ्वी दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें उपयोगी वस्तुओं के निर्माण के लिए बच्चों को कागज की रिसाइक्लिंग के महत्त्व से अवगत कराया गया। सबसे पहले बच्चे से व्यर्थ कागज से उसकी लुगदी तैयार कराई गई और उसके बाद पेड़ों से गिरे फूलों-पत्तियों का इस्तेमाल करके उपयोगी चीजें बनवाई तथा व्यर्थ सामग्री व उपलब्ध संसाधनों से इसे प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया गया।

निर्मल ज्योति चैरिटेबल सोसायटी के बच्चों के लिए गतिविधि व आमोद दिवस कार्यक्रम

2 मई, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी में समाज की सुविधाओं से वंचित वर्गों के बच्चों और दिव्यांग बच्चों की जरूरतें पूरा करने वाले एक सदस्य संस्थान निर्मल ज्योति चैरिटेबल सोसायटी के सौ बच्चों ने जवाहर बाल भवन माण्डी की अनेक गतिविधियां :- व्यायाम, योग, दौड़ (निंबू दौड़ और कोंपले गिनने) इन्डोर खेलों, पेंटिंग बनाने और उनके लिए पहली बार आयोजित विशेष कार्यक्रम जैसेकि ऑन लाईन खेलों की व्यवस्था की गई। विभिन्न गतिविधियों में विजेता बच्चों के पुरस्कार और इनके वितरण की व्यवस्था निर्मल ज्योति सोसायटी द्वारा की गई। बच्चों ने कार्यक्रम की शुरूआत प्रार्थना और कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ। इस दिन विश्व दमा दिवस भी मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों ने दमे के प्रति जागरूकता, सावधानी और उपचार का प्रचार करने के लिए पेंटिंग/पोस्टर भी बनाए।

ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम

23 मई, 2017 से 22 जून, 2017 तक जवाहर बाल भवन, माण्डी में ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया गया। 23 मई, 2017 को सदस्य बच्चों ने दीप प्रज्जवलन कर ग्रीष्मोत्सव का शुभारम्भ किया। उद्घाटन दिवस पर बच्चों ने कवि गुरू रविन्द्र नाथ टैगोर की 156वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनके गीतों पर आधारित नृत्य समेत सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं कविता पाठ प्रस्तुत किए। इस दौरान पहली बार फिल्म उत्सव का आयोजन किया गया जिसमें प्रत्येक शनिवार को बाल फिल्म समिति की फिल्में बच्चों को दिखाई गईं। सम्पूर्ण ग्रीष्मोत्सव के दौरान प्रतिदिन स्वास्थ्य सेवा निदेशालय की चिकित्सा टीम ने नि:शुल्क चिकित्सा एवं प्राथमिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई। प्रतिदिन बच्चों को अल्पाहार भी वितरित किया गया।

विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल) तथा अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (18 मई) कार्यक्रम

25 और 26 मई, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी में राष्ट्रीय बाल संग्रहालय के सहयोग से विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल) और अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (18 जून) के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में 30 बच्चों ने भाग लिया जिसमें हमारी समृद्ध विरासत की जानकारी, विरासत के स्वरूप

और संग्रहालयों के उद्देश्यों की जानकारी दी गई और 25 मई, 2017 को 30 बच्चों ने राष्ट्रीय गांधी संग्रहालय का भ्रमण किया जहां बच्चों को महात्मा गांधी के जीवन के बारे में जानकारी दी गई और बच्चों ने चर्खा व दांडी यात्रा के दौरान इस्तेमाल की गई लाठी को भी देखा। 26 मई, 2017 को बच्चों ने राष्ट्रीय कृषि विज्ञान परिसर संग्रहालय का भ्रमण किया। राष्ट्रीय कृषि संग्रहालय में बच्चों ने चाकलटे बनाने की विधि और वैश्विक ताप को कैसे रोका जा सकता है इसकी जानकारी प्राप्त की। राष्ट्रीय संग्रहालय में बच्चों ने सिन्धु घाटी दीर्घा का भी दौरा किया।

ग्रीष्मोत्सव समापन - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में 22 जून, 2017 को आयोजित ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह के दौरान राष्ट्रीय बाल भवन की निदेशक की उपस्थिति में मानव संसाधन विकास विभाग के शिक्षा सचिव द्वारा जवाहर बाल भवन माण्डी के बच्चों द्वारा सम्पादित 'गुप चुप टाइम्स' अखबार का लोकार्पण हुआ।

जवाहर बाल भवन माण्डी में भी ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस समारोह के दौरान मुख्य अतिथि - इनोवेटिव एप्पस प्रा.लि. के श्री चिरंजीत सिंहा और श्री पंकज तथा स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय से डॉ. रीता राय, श्रीमती विमला सावरिया, श्रीमती भूपिन्दर कौर, श्री विनोद कुमार उपस्थित थे। समारोह में बच्चों ने शास्त्रीय एवं पारम्परिक शैली अर्थात् वन्देमातरम् और 'बेखौफ आजादी' के गीत पर नृत्य एवं बाल भवन आन्दोलन व पर्यावरण की रक्षा विषय पर गीत प्रस्तुत किए। योग अभ्यास व रोलर स्केटिंग की प्रस्तुतियों ने दर्शकों को मंत्र मुग्ध कर दिया। इस दौरान एक पूर्व सदस्य बच्चे द्वारा रचित 'क्यो उसकी आवाज कोई नहीं सुनता.....' पर बच्चे की व्यथा को कविता के रूप में प्रस्तुत किया गया और 'बेखौफ आजाद है रहना मुझे' विषय पर एक पारम्परिक नृत्य भी पेश किया गया। इस अवसर पर बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृतियों की एक प्रदर्शनी भी लगाई गई।

अतिथिगणों के समक्ष बच्चों ने वृन्द गान एवं वन्दे मातरम गीत प्रस्तुत किए और इसी दिन अतिथियों और बच्चों ने पौधा-रोपण भी किया।

अंग्रेजी अध्ययन कार्यक्रम

24 जून, 2017 को अंग्रेजी लर्निंग एप के माध्यम से इनोवेटिव एप्पस् द्वारा बच्चों को अंग्रेजी अध्ययन कार्यक्रम उपलब्ध कराया गया।

प्रकाशन प्रभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय के सहयोग से "मेरी नजरों में आजादी" - कार्यक्रम

21, 22 और 27 जुलाई, 2017 को लेखन कार्यशाला का आयोजन किया गया जिसमें प्रकाशन विभाग, सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा स्वतंत्रता की 70वीं जयंती के उपलक्ष्य में विशेष कार्यक्रम में बच्चों द्वारा "मेरी नजर में आजादी" विषय पर कहानी, कविता एवं संस्मरण लिखे गए ताकि प्रकाशन विभाग की लोकप्रिय बाल-पत्रिका "बाल भारती" के सितम्बर अंक में चित्रों के साथ इन सर्वोत्तम लेखों को प्रकाशित किया जा सके। बच्चों को विषय की जानकारी से अवगत कराया गया और उनके प्रारूप तैयार किए गए। राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशक और बाल साहित्य की लेखिका डॉ. मधु पंत ने बच्चों को प्रोत्साहित करने के लिए अपनी विशेषज्ञता को बताते हुए उनमें लेखन

में दक्षता का विकास करने और इस दिशा में परिपक्वता हासिल करने के लिए प्रेरित किया। इस कार्यक्रम में प्रकाशन प्रभाग के प्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे। जवाहर बाल भवन माण्डी के पूर्व सदस्यों, जिन्होंने प्रकाशन विभाग की पुस्तक डॉ. मधु पंत द्वारा लिखित "स्वच्छ जंगल की कहानी-दादी की जुबानी" शीर्षक पुस्तक की चार श्रृंखला, जिसका 15 भारतीय भाषाओं में अनुवाद भी हुआ है, से उदाहरणों के साथ बच्चों का मार्गदर्शन किया। डॉ. पंत के संवाद के उपरान्त बच्चों का मार्ग प्रशस्त हुआ और उनके मार्गदर्शन में बच्चों ने कहानियां, कवितायें, संस्मरण और फीचर विधा में लेख लिखे। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशक - डॉ. मधु पंत के साथ मंडल-सदस्य - श्रीमती साधना राउत भी उपस्थित थीं। इस अवसर पर डॉ. मधु पंत ने बच्चों में अच्छी आदतों के समावेशन के लिए एक अत्यन्त नवोन्मेषी खेल की प्रस्तुति भी दी।

राज्य स्तरीय बाल श्री शिविर में सहभागिता

29, और 30 जुलाई, 2017 को राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित राज्य स्तरीय बाल श्री शिविर में बाल श्री चयन प्रक्रिया हेतु इन बच्चों ने सहभागिता दी - ध्वनि जैन (सृजनात्मक लेखन-कहानी), अमर (सृजनात्मक कला-शिल्प), रवि रंजन (सृजनात्मक कला-पेंटिंग), रोहित भंडारी (सृजनात्मक कला-ग्राफिक डिजाइनिंग) ।

आस्ट्रेलिया के बच्चों का दौरा

3 अगस्त, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी में पर्थ आस्ट्रेलिया के सीनियर सैकण्डरी सहशिक्षा विद्यालय शेंटन कालेज के बच्चों के आगमन पर माण्डी बच्चों ने उन्हें कागज से निर्मित फूल देकर व दोनों झण्डों से पारम्परिक स्वागत किया। ग्रीन फील्ड स्कूल के बच्चे भी इस अवसर पर उपस्थित थे। दोनों देशों के बच्चे भारत और आस्ट्रेलिया के बीच मैत्रीपूर्ण सम्बंधों के प्रतीक थे। इस प्रकार बच्चों ने सांस्कृतिक अम्बैसडर के रूप में भूमिका निभाई। यह कार्यक्रम रोटेरी क्लब और इनर व्हील क्लब के सहयोग से आयोजित किया गया। इस दौरान माण्डी के बच्चों ने पर्थ आस्ट्रेलिया के बच्चों के साथ माण्डी की गतिविधियों में विशेष रूप से भाग लिया, साथ ही पौधा रोपण भी किया। माण्डी बच्चों ने भारतीय कला, संस्कृति और परम्परा की झलकी देने वाले सजीव सांस्कृतिक कार्यक्रम को देखा। यह कार्यक्रम "अतीत की विरासत" थीम के ईर्द-गिर्द रहा। इस कार्यक्रम में वन्दे मातरम की राष्ट्रभक्ति से परिपूर्ण भारत की विभिन्न भाषाओं में प्रस्तुति भारत की अनेकता में एकता की विरासत को दर्शाती थी, भारत की विभिन्न कलाओं, डांडिया नृत्य की प्रस्तुति देश के पारम्परिक एवं समसामयिक नृत्यों की प्रस्तुति की द्योतक थी। माण्डी के बच्चों ने आस्ट्रेलिया के बच्चों को उपहार भेंट किए जिनमें पारंपरिक भारतीय साड़ीयां पहने कागज की गुड़िया प्रमुख थी।

रक्षा बन्धन का त्यौहार - कार्यक्रम

5 अगस्त, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने कला और शिल्प अनुभाग में अपनी-अपनी राखियां तैयार की और भाईचारे व मैत्री के इस पवित्र बंधन को अन्य सदस्य बच्चों की कलाई पर बांधा।

स्वतंत्रता दिवस - कार्यक्रम

12 अगस्त, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी में राष्ट्रीय ध्वज फहराकर 70वां स्वतंत्रता दिवस बच्चों और स्टाफ सदस्यों द्वारा मनाया गया। सभी सहभागियों ने नए भारत के निर्माण की शपथ ली और "मेरा प्यारा हीरो" विषय पर भाषण दिए। इस अवसर पर सहभागियों के लिए खेल प्रतियोगिताएं जैसे रेस, टग ऑफ वार, भाषण प्रतियेगिता आदि का आयोजन किया गया एवं वृक्षारोपण भी किया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं के लिए पुरस्कार वितरण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया।

शास्त्रीय शैली में "वन्दे मातरम" भरतनाट्यम - कार्यक्रम

21 अगस्त, 2017 को मावलंकर हॉल में राष्ट्रीय महिला अद्वितीय कलाकार तथा "न्यू इंडिया" में राष्ट्रीय महिला सशक्तिकरण सम्मेलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर मावलंकर हॉल, कांस्टीट्यूशन क्लब में नृत्य प्रदर्शन के लिए बच्चों को आमंत्रित किया गया कुछ बच्चों ने "वन्दे मातरम" पर नृत्य की प्रस्तुति दी और दर्शकों को आहालादित कर दिया। इन बच्चों की प्रस्तुती की अनेक तस्वीरों को युनाइटेड न्यू इंडिया ने अखबारों में प्रकाशित किया। यह कार्यक्रम नारी शक्ति प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित किया गया जसमें अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सदस्य संस्था द्वारा भ्रमण

24 अगस्त, 2017 को निर्मल ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट के बच्चों ने जवाहर बाल भवन माण्डी, कला एवं शिल्प अनुभाग का दौरा कर कमल का फूल बनाया और प्रदर्शन कला कार्यक्रम में भी भाग लिया।

शिक्षक दिवस तथा विश्व कन्या शिशु दिवस - कार्यक्रम

6 सितम्बर, 2017 को रोटरी क्लब तथा इन्नहर व्हील क्लब के सहयोग से शिक्षक दिवस तथा विश्व कन्या शिशु दिवस मनाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में गुरू शिष्य की भावना को प्रोत्साहित करना था। इस दिन जवाहर बाल भवन मांडी के सदस्य बच्चों ने महान् शिक्षकों के विषय में वक्तव्य दिए एवं विभिन्न कार्यक्रम भी प्रस्तुत किए। उपस्थित अतिथियों ने भी गुरू एवं सरस्वती वन्दना पर अपनी भावपूर्ण प्रस्तुति दी। इस अवसर पर राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशक-सुश्री अमिता शाह ने बच्चों को बाल भवन की गतिविधियों के प्रति प्रोत्साहित किया। इस दौरान इन्नर व्हील तथा रोटरी क्लब के सदस्यों ने और बच्चों ने शिक्षक के उपलक्ष्य में कविताएं एवं स्वरचित अनुभव वक्तव्यों की प्रस्तुत की। बच्चों ने इतिहास के प्रसिद्ध शिक्षकों के विषय में भी अपनी जानकारियाँ सांझा की। तत्पश्चात् इन्नर व्हील क्लब के सदस्यों ने बच्चों को पुरस्कृत किया तथा जवाहर बाल भवन मांडी के प्रशिक्षकों को भी सम्मानस्वरूप उपहार भेंट किए। इस कार्यक्रम में उपरोक्त क्लबों के सदस्यों के साथ जवाहर बाल भवन माण्डी के लगभग 150 बच्चों ने भाग लिया।

हिन्दी दिवस - कार्यक्रम

14 सितम्बर, 2017 को हिन्दी दिवस कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर बच्चों ने लेख कविता तथा शब्द निर्माण की गतिविधियों में भाग लिया। राष्ट्रीय बाल भवन की पूर्व निदेशिका डॉ. मधु पंत द्वारा प्रकाशन विभाग,

सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से बच्चों के लिए जुलाई माह में प्रकाशित किताब "मेरी नज़र में आज़ादी" शीर्ष के तहत एक सृजनात्मक लेखन की कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों के द्वारा लिखे गए लेखों तथा चित्रों में से 25 बच्चों की चुनी गई प्रविष्ठियों को बाल भारती पत्रिका के सितम्बर, 2017 के अंक में प्राथमिकता से प्रकाशित किया गया। इस अवसर पर बच्चों को लेखन एवं चित्रण की ओर प्रेरित एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से उन्हें बाल भारती पत्रिका की एक-एक प्रति नि:शुल्क उपलब्ध कराई गई। इस कार्यशाला द्वारा मांडी के ग्रामीण बच्चों को इस प्रकार का लेखन और प्रकाशन अनुभव प्राप्त हुआ जोकि उनके लिए एक बड़ी उपलब्धि थी। इस कार्यक्रम में लगभग 60 बच्चों के साथ 20 कन्या छात्राओं ने भाग लिया।

बालश्री सम्मान 2004 से सम्मानित पूर्व सदस्य सुमित पाटिल जी का भ्रमण

27 सितम्बर, 2017 को बालश्री सम्मान 2004 से सम्मानित पूर्व सदस्य सुमित पाटिल जी ने (जिन्होंने हाल ही में दिव्यांग बच्चों के साथ मिलकर एक गतिविधी की और उसको लिमका बुक ऑफ रिकॉर्ड में दर्ज कराकर एक मील के पत्थर जैसा कार्य किया।) जवाहर बाल भवन माण्डी का भ्रमण किया और बच्चों के साथ अपने अनुभव एवं राष्ट्रीय बाल भवन का अपने जीवन एवं व्यक्तित्व में योगदान को बच्चों के साथ बाँटा ताकि बच्चे भी प्रेरित होकर अपने जीवन में आगे बढ़ें। बच्चों ने श्री सुमित पाटिल तथा उनके दल के सदस्यों के साथ मिलकर दीवार पर कागज़ के माध्यम से एक पेंटिंग भी बनाई जिसे हॉल की दीवार पर स्थाई रूप से प्रदर्शित किया गया है। तत्पश्चात् जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने प्रदर्शन कला कार्यक्रम भी प्रस्तुत किया इस कार्यक्रम को श्री पाटिल जी ने दिव्यांग बच्चों के साथ देखा और उन्हें भी निरंतर बाल भवन आने तथा कार्य सीखने के प्रति और अधिक प्रेरित किया।

नवरात्रि, दीपावली एवं गोवर्धन पूजा - कार्यक्रम

अक्तूबर, 2017 को नवरात्रि, दीपावली एवं गोवर्धन पूजा त्यौहारों को हर्षोल्लास से मनाया गया। सदस्य बच्चों ने नवरात्रि के उल्लास में माँ दुर्गा की पेंटिंगों को बनाकर उन्हें सज़ाया। दीपावली तथा गोवर्धन पूजा के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम और रंगोली प्रतियोगिता जैसी रोचक गतिविधियाँ भी आयोजित की गई। इस अवसर पर बच्चों ने **"आई दीवाली दीप जलाओ, हम हैं हिम्मत वाले और गणेश वन्दना** स्वरूप एक शास्त्रीय नृत्य भी प्रस्तुत किया।

गोवा बाल भवन में अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान - कार्यक्रम

नवम्बर, 2017 को गोवा बाल भवन में आयोजित अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम में जवाहर बाल भवन माण्डी के 8 सदस्य बच्चों ने सहभागिता प्राप्त की। इस कार्यक्रम में बच्चों ने भिन्न-भिन्न भाषाएँ - बंगाली लोक नृत्य, हरियाणवी लोक नृत्य तथा बृज लोक नृत्य का प्रस्तुतिकरण और सांझी कला की एक कलाकृति का

भी प्रस्तुतिकरण दिया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि - गोवा के माननीय मुख्यमंत्री तथा पूर्व रक्षा मंत्री - श्री मनोहर पार्रिकर थे। बच्चों की इन प्रस्तुतियों को सभी मेहमानों ने भरपूर प्रशंसा की और बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए अपनी संस्कृति धरोहर को बचाए रखने के लिए प्रोत्साहित किया।

राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित राष्ट्रीय एकीकरण शिविर - कार्यक्रम

राष्ट्रीय बाल भवन में आयोजित 14 नवम्बर, 2017 से 16 नवम्बर, 2017 तक राष्ट्रीय एकीकरण शिविर के दौरान जवाहर बाल भवन माण्डी के सदस्य बच्चों ने हस्तकला के नमूनों तथा विभिन्न प्रकार के व्यजंनों का स्टॉल लगाया जोकि सभी आगन्तुकों तथा दर्शकों के लिए आकर्षण का केन्द्र रहीं। माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री, विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता, श्री उपेन्द्र कुशवाहा, शिक्षा सचिव - श्री अनिल स्वरूप, विशेष शिक्षा सचिव - श्रीमती रीना रे तथा अन्य गणमान्य अतिथियों ने स्टॉल में बच्चों द्वारा बनाए जा रहे विभिन्न प्रकार व्यंजनों को चखकर एवं हस्तकला के नमूनों की खूब प्रशंसा की और मंत्री जी ने स्टॉल पर लगे कम्प्यूटर ग्राफिक के बारे में उत्सुकतापूर्वक प्रश्नोत्तर भी किए। तत्पश्चात् कुछ बच्चों ने समारोह के दौरान खुले मैदान में माननीय मंत्री- श्री उपेन्द्र कुशवाहा जी के समक्ष हरियाणवी लोक गीत पर अपनी प्रस्तुति दी।

शिविर के दूसरे दिन माननीय शिक्षा सचिव-श्री अनिल स्वरूप जी तथा निदेशक राष्ट्रीय बाल भवन - डॉ. मीनाक्षी जॉली जी ने मेले के भ्रमण के दौरान माण्डी के स्टॉल में बच्चों द्वारा तैयार मिठाईयों एवं नमकीन का स्वाद चख कर उनकी बहुत प्रशंसा की। तत्पश्चात् बाल भवन माण्डी के हस्तकला अनुभाग के बच्चों ने उन्हें भेंटस्वरूप कुछ कलाकृतियाँ भी दीं।

शिविर के तीसरे तथा अंतिम दिन समापन समारोह के दौरान माननीय मानव संसाधन विकास राज्य मंत्री - श्री सत्यपाल जी के समक्ष बच्चों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ प्रस्तुत दीं। जिसकी मंत्री जी ने अत्यधिक प्रशंसा की। इस कार्यक्रम में लगभग 200 बच्चों ने भाग लिया।

लॉयन्स क्लब में - नृत्य कार्यशाला

29 नवम्बर, 2017 को लॉयन्स क्लब ने जवाहर बाल भवन माण्डी के नृत्य अनुभाग के बच्चों को अपने कार्यक्रम में एवं कार्यशाला में सहभागिता हेतु आमंत्रित किया, जिसमें बच्चों ने भरतनाट्यम की प्रस्तुति दी।

इतिहास के काल की ओर जागृत - कार्यशाला

1 दिसम्बर, 2017 से 9 दिसम्बर, 2017 तक जवाहर बाल भवन माण्डी में "इतिहास के काल" शीर्षक के तहत कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने विश्व प्रसिद्ध हडप्पा संस्कृति जिसे इंडस वैली के नाम से भी जाना जाता है के बारे में तथा संग्रहालय की तकनीक के बारे में भी ज्ञानवर्धन किया। इस कार्यशाला में बच्चों को पुराना किला, राष्ट्रीय संग्रहालय का भ्रमण कराया गया। जहाँ उन्होंने ऐतिहासिक धरोहर की जानकारी प्राप्त की साथ ही वास्तविक खोज क्षेत्रों का अनुभव भी प्राप्त किया। इस कार्यशाला द्वारा बच्चों ने खुदाई के मॉडल तैयार किए। बच्चों को सांकेतिक खुदाई क्षेत्र बनाकर उनमें खोज एवं प्रक्रिया का वास्तविक अनुभव करवाया गया। इसी दौरान बच्चों ने सिंधु घाटी सभ्यता की विभिन्न विशेषताओं के बारे में जानकारी प्राप्त की तथा कुछ छिपे तथ्यों से भी अवगत कराया गया। इस कार्यशाला में बच्चों ने मोल्डिंग-कास्टिंग की तकनीक के बारे में बताकर विभिन्न मुहरों के प्रतिरूप बनाने का प्रायोगिक ज्ञान प्राप्त कर विभिन्न मुहरें तैयार कीं।

इतिहास से प्रेरित बच्चों के लिए एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता भी आयोजित की गई। जिसमें बच्चों ने पूरी रूचि और गंभीरता के साथ भाग लिया। इस दौरान बच्चों को प्रेरित और प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से जवाहर बाल भवन माण्डी के हॉल में एक सिंधु घाटी कोना भी बनाया गया जिसमें बच्चों द्वारा बनाई गई ऐतिहासिक मुहरों के प्रतिरूप एवं अन्य सामग्रियाँ प्रदर्शित की गई हैं।

नेत्र जाँच शिविर

5 दिसम्बर, 2017 को जवाहर बाल भवन माण्डी में लॉयन्स क्लब के सहयोग से एक नेत्र जाँच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में लगभग 165 सदस्य बच्चों ने भाग लिया।

सृजनात्मक मेला

9 दिसम्बर, 2017 में सदस्य बच्चों के लिए जवाहर बाल भवन माण्डी में एक सष्टजनात्मक मेले का आयोजन किया गया। इस मेले का उद्देष्ठय बच्चों में उत्साह बरकरार रखने तथा उन्हें लगातार प्रोत्साहित करना था। इस मेले के दौरान बच्चों हेतु विभिन्न खेल प्रतियोगिता, चित्रकला प्रतियोगिता, नष्टत्यकला प्रतियोगिता आयोजित की गई साथ ही बच्चों ने कई सांस्कष्टतिक प्रस्तुतियाँ भी दीं। इन प्रतियोगिताओं में विजयी बच्चों को डॉ. रश्मि शर्मा, संग्रहालयाध्यक्ष के द्वारा ट्रॉफी तथा मेडल प्रदान किए।

क्र.सं.	दिनाँक	संचालित कार्यक्रम/कार्यशालाएं
1	22 अप्रैल, 2017	पृथ्वी दिवस कार्यक्रम
2	2 मई 2017	गतिविधियाँ दौरा
3	22 मई, 2017 से 23 जून, 2017	ग्रीष्मोत्सव कार्यक्रम

4	25 और 26 मई, 2017	विश्व विरासत दिवस (18 अप्रैल) और अन्तर्राष्ट्रीय संग्रहालय दिवस (18 जून) कार्यक्रम
5	31 मई, 2017	विश्व तम्बाकू निज़ेध दिवस कार्यक्रम
6	3 और 6 जून, 2017	विश्व पर्यावरण दिवस कार्यक्रम
7	13 जून, 2017	हुमाना पीपल टू पीपल इंडिया इस एनजीओ के बच्चों का दौरा
8	21 जून, 2017	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम
9	22 जून, 2017	ग्रीष्मोत्सव समापन समारोह कार्यक्रम
10	24 जून, 2017	अंग्रेजी अध्ययन कार्यक्रम
11	21, 22 और 27 जुलाई, 2017	मेरी नज़र में आजादी कार्यक्रम
12	3 अगस्त, 2017	आस्ट्रेलिया के बच्चों का दौरा
13	5 अगस्त, 2017	रक्षा बंधन कार्यक्रम
14	12 अगस्त, 2017	स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम
15	21 अगस्त, 2017	शास्त्रीय शैली में "भरतनाट्यम" कार्यक्रम
16	24 अगस्त, 2017	निर्मल ज्योति चैरिटेबल ट्रस्ट के बच्चों का भ्रमण
17	6 सितम्बर, 2017	"शिक्षक दिवस एवं विश्व कन्या शिशु दिवस" कार्यक्रम
18	14 सितम्बर, 2017	"हिन्दी दिवस" कार्यक्रम
19	27 सितम्बर, 2017	श्री सुमित पाटिल जी का भ्रमण
20	अक्तूबर, 2017	नवरात्रि, दीपावली एवं गोवर्धन पूजा त्यौहार
21	नवम्बर, 2017	गोवा बाल भवन में अंतर्राज्यीय सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम
22	29 नवम्बर, 2017	लॉयन्स क्लब में नृत्य कार्यशाला
23	1 से 19 दिसम्बर, 2017	इतिहास के काल की ओर जागृत कार्यशाला
24	5 दिसम्बर, 2017	नेत्र जाँच शिविर
25	9 दिसम्बर, 2017	सृजनात्मक मेला

दिल्ली राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में बाल भवन केन्द्र

क्षेत्र	बाल भवन केन्द्रों की संख्या
दक्षिणी दिल्ली	12
पश्चिमी दिल्ली	12
उत्तरी दिल्ली	13
पूर्वी दिल्ली	11
कुल	**48**

बाल केन्द्रों की स्थापना, बाल भवन की गतिविधियों को अधिक से अधिक बच्चों तक विशेष रूप से उपेक्षित तथा साधनविहीन बच्चों तक पहुँचाने के लिए ही की गई है। राष्ट्रीय बाल भवन के अन्तर्गत दिल्ली के चार क्षेत्रों में 48 बाल भवन केन्द्र स्थापित हैं। ये बाल केन्द्र आसपास के क्षेत्र में रहने वाले बच्चों के लिए सृजनात्मक केन्द्र के रूप में कार्य करते हैं जो बच्चों को एक ऐसा मंच प्रदान करते हैं, जहाँ वे दृश्य व प्रदर्शन कलाओं के माध्यम से आत्माभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त करते हैं। यहाँ बच्चों को स्वस्थ और खुशहाल वातावरण व तनाव रहित वातावरण में विभिन्न प्रकार की गतिविधियाँ उपलब्ध होती हैं। इन केन्द्रों का मूलभूत उद्देश्य आर्थिक एवं सामाजिक दृष्टि से वंचित बच्चों के साथ-साथ स्कूली बच्चों की सहायता करना है, जो किसी भी कारणवश मुख्य बाल भवन की सुविधाओं का लाभ नहीं उठा सकते।

बाल भवन केन्द्र दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में बच्चों को सीखने के विविध प्रकार के अनुभवों से संप्रेषित कराने के साथ-साथ उनके बौद्धिक विकास तथा उनके सौंदर्यबोध को विकसित करने में भी सहायक हैं। वर्ष 2017-2018 में 8533 बच्चों का पंजीकरण हुआ।

दिल्ली में स्थित बाल केन्द्रों की सूची

दक्षिणी दिल्ली

1. राजा राम मोहन राय
   सर्वोदय कन्या विद्यालय
   हौजरानी गाँव, मालवीय नगर
   नई दिल्ली-110017

2 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   हुमायूँपुर गाँव
   नई दिल्ली-110029

3 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
   सब्ज़ी मण्डी के समीप, के ब्लॉक
   कालकाजी, नई दिल्ली-110019

4 चिल्ड्रन्स होम फोर बॉयस (सी.एच.बी.)
   डिपार्टमेंट ऑफ सोशल वेलफेयर
   गर्वमेंट ऑफ एन.सी.टी. आफ़ॅ दिल्ली
   कस्तूरबा निकेतन कॉम्पलेक्स
   लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

5 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
जी-ब्लॉक कृष्णा मार्किट, गुरूद्वारा के सामने
लाजपत नगर, नई दिल्ली-110024

6 देव समाज मॉर्डन स्कूल नं. 2
सुखदेव विहार, मसीह गढ़ समीप
एस्कोर्ट हार्ट अस्पताल, नई दिल्ली-110022

7 केन्द्रीय विद्यालय
एन.सी.ई.आर.टी. कैम्पस
कुतुब होटल के सामने, दिल्ली-110026

8 केन्दीय विद्यालय
आई.आई.टी. गेट, दिल्ली-110030

9 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
सैक्टर-9, आर.के. पुरम, दिल्ली-110022

10 योगी अरविन्द सर्वोदया विद्यालय
सैक्टर-5, डॉ. अम्बेडकर नगर, दिल्ली-110062

11 गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
मदन पुर खादर, दिल्ली-110076

12 प्रयास ऑबजर्वेशन होम फोर बॉयस
कोटला फिरोज़शाह क्रिकेट स्टेडियम के पीछे
दिल्ली गेट, नई दिल्ली-110002

पश्चिमी दिल्ली

1 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
आदर्श नगर (समीप, मदर डेयरी, आदर्श नगर
पार्के), दिल्ली-110033

2 सर्वोदया कन्या विद्यालय
राजौरी गार्डन एक्सटेंशन, नई दिल्ली-110027

3 कॉन्टोनमेंट बोर्ड सैकेण्ड्री स्कूल
वार सेमेन्ट्री रोड, उरी एंक्लेव
बरार स्क्वेयर, दिल्ली कैन्ट, दिल्ली-110064

4 बाबा खड़क सिंह मार्ग
डीआईजेड क्षेत्र, ब्लॉक नं. 82
दिल्ली-110092

5 बाल निकेतन
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
जेल रोड, हरी नगर के पास, दिल्ली

6 एम. सी. प्राइमरी स्कूल
प्रभात रोड, रामजस लेन, करोल बाग
नई दिल्ली-110005

7 एम. सी. आदर्श स्कूल
रानी बाग मुल्तानी मौहल्ला, नई दिल्ली

8 सर्वोदया कन्या विद्यालय
डिस्ट्रीक्ट सेंटर, विकास पुरी, दिल्ली-110018

9 एम. सी. प्राइमरी बॉयस मॉर्डन स्कूल
मज़लिस पार्क-2, गली नं. 12
जल बोर्ड के समीप, दिल्ली-110033

10 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
मेट्रो पिल्लर नं. 224, शादी खामपुर गाँव
पश्चिमी पटेल नगर, नई दिल्ली-110008

11 बालिका गृह
निर्मल छाया कॉम्पलेक्स
बालिका गृह, जेल रोड
हरी नगर, दिल्ली-110064

12 गर्वमेन्ट गर्ल्स सैकेण्ड्री स्कूल
डिप्टी गंज, सदर बाजार, दिल्ली-110006

उत्तरी दिल्ली

1 एम.सी. मॉडल स्कूल
आई-ब्लॉक, जहाँगीर पुरी मार्किट के समीप
दिल्ली-110033

2 झरोंदा कलाँ वेलफेयर सी.आर.पी.एफ.
झरोंदा कलाँ केन्द्र, दिल्ली-110072

3 एम.सी. मॉडल स्कूल
सी-7, लारेंस रोड, गुरूद्वारा के समीप
दिल्ली-110035

4 बाल सहयोग भवन डिसपेंसरी
ई-ब्लॉक, नाँगलोई नं. 2, दिल्ली

5 ग्रामीण महिला सिलाई संघ
पल्ला डी.टी.सी. बस स्टाप के समीप
दिल्ली–110036

6 गर्वमेंट को–एजूकेशनल सैकेण्ड्री स्कूल
सैक्टर–2, रोहिणी, दिल्ली–110085

7 सर्वोदय विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–7, नाहर पुर
दिल्ली–110085

8 एम.सी. बालिका विद्यालय
बी.टी. ब्लॉक, समीप सिंगलपुर गाँव
पानी की टंकी, शालीमार बाग, दिल्ली

9 सर्वोदय विद्यालय
जे.जे. कॉलोनी, वज़ीरपुर, दिल्ली–110052

10 नगर निगम प्रतिभा विकास विद्यालय
निमड़ी कॉलोनी, निमड़ी कॉलोनी बस
स्टाप के पास, दिल्ली

11 नवोदया विद्यालय
मुंगेशपुर, कुतुबगढ़ गाँव के समीप
नई दिल्ली–110039

12 रिचमण्ड ग्लोबल स्कूल
एन.एस. रोड, मिंयावाली नगर
इन्द्र एंक्लेव के सामने, पश्चिम विहार
नई दिल्ली–110081

13 प्रतिभा विकास विद्यालय
रोहिणी सैक्टर–11, दिल्ली–110085

पूर्वी दिल्ली

1 गर्वमेंट सर्वोदय सीनियर सैकेण्ड्री
को–एजूकेशन विद्यालय
आनन्द विहार रेलवे स्टेशन आनन्द विहार
दिल्ली–110092

2 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
राठी मील के पीछे, बलबीर नगर
शाहदरा, दिल्ली–110032

3 बाबू राम सीनियर सैकेण्डरी स्कूल
भोला नाथ नगर, गऊशाला के समीप
शाहदरा, दिल्ली–110032

4 एम.सी. प्राइमरी स्कूल
ढक्का चौक के समीप और ढक्का बस स्टॉप
ढक्का गाँव, दिल्ली–110009

5 एम.सी.डी. प्रोजेक्ट कार्यालय
पुरानी इमारत, ई–ब्लॉक
मेन बस स्टैण्ड के समीप
हनुमान मन्दिर के पीछे, कृष्णा नगर
दिल्ली–110051

6 सर्वोदय गर्वमेंट गर्ल्स सीनियर सैकेण्ड्री स्कूल
विवेक विहार, दिल्ली

7 राजेन्द्र आश्रम (डी.पार्क के समीप)
एस–160, पाण्डव नगर, दिल्ली–110092

8 सर्वोदय बाल विद्यालय
पूर्वी विनोद नगर, पॉकेट–सी
मयूर विहार, फेस–II, बस स्टॉप के पास
दिल्ली–110091

9 शिब्बन मॉर्डन पब्लिक स्कूल
डी–ब्लॉक मेन रोड, बृजपुरी
दिल्ली–110094

10 प्रतिभा विकास विद्यालय
ईएसआई के समीप, इन्दिरा गाँधी अस्पताल
गेट नं. 4, सूरजमल विहार, दिल्ली–110092

11 बाल विकास विद्यालय
त्रिलोक पुरी
बी–ब्लॉक, त्रिलोकपुरी
चाँद सिनेमा के पास, दिल्ली

संबद्ध राज्यों से प्राप्त रिपोर्ट

बाल भवनों से वर्ष-पर्यन्त निम्नलिखित कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट

1. सादा राम बंसल मेमोरियल बाल भवन, कोटकपुरा

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	तिथि	भाग लेने वाले बच्चों की संख्या
1	ग्रीष्मकालीन सत्र	15 से 21 जून, 2017	
2	संगणक तकनीक	अगस्त, 2017	40
3	शिक्षक दिवस	5 सितम्बर, 2017	
4	हिमाचल प्रदेश का भ्रमण कार्यक्रम	अक्तूबर, 2017	
5	रचनात्क और सर्जनशीलता में निपुणता प्रशिक्षण	4 से 6 दिसम्बर, 2017	
6	बैण्ड प्रदर्शन (प्रथम स्थान प्राप्त)	26 जनवरी, 2018	

2. बाल भवन सोसायटी वडोदरा

1	बरोदा टैनिस प्रतियोगिता पुष्पक टेनिस संस्था द्वारा आयोजित	अप्रैल, 2017	7
2	ड्राविंग और पेंटिंग प्रतियोगिता	7 अप्रैल, 2017	
3	ग्रीष्मकालीन सत्र	14 से 29 अप्रैल, 2017	2523
4	ग्रीष्मकालीन कार्यशालाएं	14 अप्रैल से 31 मई, 2017	18
5	सर्टिफिकेट कथक	28 अप्रैल, 2017	73
6	स्केटिंग एवं फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता	20 मई, 2017	
7	बैंडमिंटन चैम्पियनशिप में 5 बच्चों ने स्थान पाया	3 से 7 मई, 2017	
8	तीसरा गुजरात राज्य जू. बैडमिंटन चैम्पियनशिप में 2 बच्चो ने स्थान पाया	3 से 6 जून, 2017	

9	चौथा गुजरात राज्य जू. बैडमिंटन चैम्पियनशिप में 4 बच्चों ने स्थान पाया।	7 से 10 जून, 2017	
10	गुजरात राज्य बास्केटबॉल चैम्पियनशिप (गुजरात में आयोजित)	16 से 18 जून, 2017	
11	रंधावा सपोर्टस में कु. रोमा राजभर ने स्थान प्राप्त किया।	17 जून, 2017	
12	अन्तर्राष्ट्रीय योगा दिवस	21 जून, 2017	7
13	सृजनात्मक कला कार्यशाला	8 से 16 जुलाई, 2017	49
14	इंटर स्कूल प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता	18 जुलाई, 2017	23 स्कूल से 43 टीम
15	राखी तैयार करना, लिफाफे बनाना, ग्रीटिंग कार्ड बनाना इत्यादि कार्यक्रम	29 जुलाई, 2017 से 6 अगस्त, 2017	
16	चैस प्रतियोगिता (जेसीआई बरोदा महानगर द्वारा आयोजित जिसमें दो बच्चे विजेता)	30 जुलाई, 2017	
17	पर्यावरण के अनुकूल गणेश जी का रूप देने की प्रतिमा प्रतियोगिता	19 अगस्त, 2017	80
18	जिला एथलेटिक चयन में 3 बच्चे विजयी	3 अगस्त, 2017	3
19	नृत्य प्रतियोगिता	6 अगस्त, 2017	5
20	बैडमिंटन टूर्नामेंट	11 से 13 अगस्त, 2017	152
21	खेल महाकुम्भ	3 से 4 सितम्बर, 2017	
22	दसवाँ गुजरात राज्य बैडमिंटन चैम्पियनशिप	29 सितम्बर, 2017 से 2 अक्तूबर, 2017	14
23	इनोरबिट टेबल टेनिस चैम्पियनशिप	27 सितम्बर, 2017 से 1 अक्तूबर, 2017	12
24	रंगोली कार्यशाला	7 से 10 अक्तूबर 2017	22
25	क्रिकेट अकादमी	9 से 10 अक्तूबर, 2017	14
26	सृजनात्मक कला प्रतियोगिता (कला सार्थी अहमदाबाद में आयोजित जिसमें पाँच बच्चे विजेता)	अक्तूबर, 2017	54
27	बरोदा टेनिस प्रतियोगिता	13 से 16 अक्तूबर, 2017	21

28	अफ्रीकन पेंटिंग कार्यशाला	28 अक्तूबर, 2017 से 5 नवम्बर, 2017	
29	सतर्कता जागरूकता सप्ताह	31 अक्तूबर, 2017	
30	एचडी जवेरी प्रतियोगिता		12
31	बरोदा कला प्रतियोगिता	21 जनवरी, 2018	
32	ओपन बरोदा टेबल टेनिस टूर्नामेंट	6 से 8 जुलाई, 2017	4
33	जेसीआई बरोदा महानगर द्वारा आयोजित चैस प्रतियोगिता में कु. पवानी भट्ट ने 5वाँ स्थान एवं मा. दक्ष पारेख ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।	30 जुलाई, 2017	
34	सर्ज टेनिस अकादमी (अहमदाबाद में एक बच्चे को स्थान प्राप्त)	14 से 17 जुलाई, 2017	
35	राज्य स्तरीय चैस प्रतियोगिता में मा. सिद्धांत प्रभू द्वितीय स्थान पर रहे।	1 सितम्बर, 2017	
36	ऑल इण्डिया रैकिंग चैम्पियनशिप सीरीज टैनिस टूर्नामेंट-2017, मुम्बई में आयोजित में एक बच्चा विजयी हुआ।	11 से 13 नवम्बर, 2017	
37	टेनिस प्रतियोगिता में एक बच्चा विजयी	25 नवम्बर, 2017 से 1 दिसम्बर, 2017	
38	द इंटर स्कूल डबेट प्रतियोगिता	4 दिसम्बर, 2017	17 स्कूल
39	समाश बैडमिंटन टूर्नामेंट-2017	9 से 10 दिसम्बर, 2017	24
40	टी-20 मैच	21 दिसम्बर, 2017	15
41	ट्रॉफी वितरण	23 से 25 दिसम्बर, 2017	11
42	क्रिकेट मैच	27 दिसम्बर, 2017	15
43	नपाई का सही अर्थ कार्यशाला	दिसम्बर, 2017	30
44	राज्य स्तरीय खेल (मंजलपुर खेल कॉम्पलैक्स में आयोजित)		3
45	राज्य स्तरीय खेल महाकुम्भ प्रतियोगिताराज्य		7
46	स्तरीय खेल महाकुम्भ (अहमदाबाद में आयोजित एक बच्चे ने सिल्वर मेडल जीता)		
47	टेनिस प्रतियोगिता	6 से 12 जनवरी, 2018	140

48	पतंग बनाने की कार्यशाला	7 जनवरी, 2018	
49	एक्साइटिंग इलैक्ट्रॉनिक्स कार्यशाला	जनवरी, 2018	49
50	इंटर स्कूल हैरिटेज प्रश्नोत्तरी	30 जनवरी, 2018	76
51	टॉय हैकिंग कार्यशाला	फरवरी, 2018	46
52	ओपन बरोदा सक्रेबल प्रतियोगिता	3 फरवरी, 2018	50
53	मॉडल बनाने की कार्यशाला	11 फरवरी, 2018	
54	ओपन बरोदा बैडमिंटन टूर्नामेंट	12 से 18 फरवरी, 2018	512 स्कूल
55	ओपन बरोदा लोक नृत्य	12 फरवरी, 2018	135
56	आर्टेगो ओपन बरोदा टेनिस प्रतियोगिता	17 से 20 फरवरी, 2018	
57	ओपन बरोदा बास्केटबॉल प्रतियोगिता (4 बच्चे विजयी)	8 से 11 फरवरी, 2018	

3. अमित बाल भवन

1	सतर्कता जगरूकता सप्ताह	31 अक्तूबर से 4 नवम्बर, 2017	

4. किलकारी बाल भवन, बिहार

1	क्रिएटिविटी पर आधारित कार्यशाला	7 अप्रैल, 2017	20
2	ग्रीष्मकालीन शिविर	21 मई से 10 जून 2017	2500
3	सम्मान कार्यक्रम	16 मई 2017	300
4	प्रारंभिका स्कूल, बोरिंग रोड, पटना द्वारा भ्रमण	17-18 मई 2017	100
5	दिल्ली पब्लिक स्कूल, पटना के बच्चे एवं प्रशिक्षकों द्वारा भ्रमण	22 जून, 2017	7
6	गाँधी जी की पोस्टर प्रदर्शनी	28 से 30 जून, 2017	200
7	बूचा फिल्म स्क्रीनिंग	22 जुलाई, 2017	100
8	राज्य स्तरीय बालश्री सम्मान कार्यक्रम	29 एवं 30 जुलाई, 2017	280
9	सावन उत्सव	5 अगस्त, 2017	350
10	रक्षाबंधन	7 अगस्त, 2017	80
11	गुल्लक वार्षिकोत्स	12 अगस्त, 2017	50
12	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2017	500

13	श्रीब्रजलाल प्रसद उच्च माध्यमिक विद्यालय नदौल, पटना के बच्चे एवं प्रशिक्षकों द्वारा भ्रमण	29 अगस्त, 2017	50
14	बच्चों में मल्टीटीचिंग की क्षमता विकसित करना कार्यशाला	29 से 31 अगस्त, 2017	30
15	शिक्षा दिवस	5 सितम्बर, 2017	100
16	गोल्डेन एलिफैन्ट बाल फिल्म फेस्टिवल हैदराबाद का भ्रमण	8 से 14 नवम्बर, 2017	7
17	सोनपुर मेला, सरण का भ्रमण	30 नवम्बर, 2017	8
18	गाँधी जयंती	2 अक्तूबर, 2017	110
19	पुस्तक मेला, पटना का भ्रमण	10 दिसम्बर, 2017	15
20	क्रिस्मस	25 दिसम्बर, 2017	770
21	पूरे माह में जिन का जन्म दिन होता उसे प्रत्येक माह की 30 तारीख को मनाने का प्रावधान		200

5. डिस्ट्रीक बाल भवन, चित्तूर, आन्ध्र प्रदेश

1	बालश्री प्रतियोगिता	6 अप्रैल, 2017	85
2	ग्रीष्मकालीन सत्र	22 अप्रैल से 5 जून, 2017	362
3	अगास्या विज्ञान फाउण्डेशन ट्रेनिंग कार्यक्रम		
4	ड्राविंग प्रतियोगिता	25 मई, 2017	100
5	ग्रीष्मकालीन समापन समारोह	5 जून, 2017	287
6	बालश्री विजेता कार्यक्रम	29 से 30 जुलाई, 2017	9
7	स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2017	55
8	जीवन बीमा निगम, ड्राविंग प्रतियोगिता	4 सितम्बर, 2017	50
9	स्वच्छ भारत ड्राविंग प्रतियोगिता क्षेत्रिय स्तर (हैदराबाद)	6 से 7 सितम्बर, 2017	15
10	बाल दिवस	नवम्बर, 2017	4

6. ताराबाई संगरपवार बाल भवन, नागपुर

1	ग्रीष्मकालीन सत्र	1 मई, 2017 से 16 मई, 2017	20
2	पर्यावरण दिवस	5 जून, 2017	3

3	योगा दिवस	21 जून, 2017	40
4		अगस्त, 2017	
5		अक्तूबर, 2017	
6		नवम्बर, 2017	

7. अभिनव बाल भवन, भोपाल

1	पर्यावरण दिवस	5 जून, 2017	
2	अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून, 2017	
3	बालश्री पुरस्कार चयन-2016	24 जुलाई, 2017	25
4	राखी व मेहन्दी प्रतियोगिता	5 व 6 अगस्त, 2017	40
5	राष्ट्रीय स्वतंत्रता दिवस	15 अगस्त, 2017	
6	पेंटिंग प्रतियोगिता	14 अगस्त, 2017	
7	राष्ट्रपति का जन्म दिवस	अक्तूबर, 2017	
8	सप्ताहिक शिविर	8 से 14 नवम्बर, 2017	300
9	राष्ट्रीय बाल सभा	14 नवम्बर, 2017	
10	वरिष्ठ नागरिक दिवस	2 दिसम्बर, 2017	
11	विश्व विकलांगता दिवस	3 दिसम्बर, 2017	

भारत में संबद्ध बाल भवनों एवं बाल भवन केन्द्रों की सूची

पूर्वी क्षेत्र

पश्चिम बंगाल

1. जवाहर शिशु भवन
   94/1, चौरंगी रोड़, कोलकाता-700020 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 2223-1551/6878/6667, ई-मेल : ncm.va.academy@gmail.com

2. जवाहर शिशु भवन
   पोस्ट ऑफिस बालिटीकुरी, जिला हावड़ा-711113 (पश्चिम बंगाल)
   फोन नं. 033-26532317, ई-मेल : prabal.jsb@gmail.com

ओडिशा

3. राज्य जवाहर बाल भवन
   सरकारी स्टेट, पोखारीपुट मेन रोड़, एरोड्रोम एरिया, भुवनेश्वर-751020 (ओडिशा)
   फोन नं. 0674-3269166, मो. नं. 09237197667 ई-मेल : madhushreya73@rediffmail.com

4. जिला जवाहर बाल भवन (ज्योतिर्मयी महिला समिति)
   आर-8, ग्वाल सिंह, पोस्ट ऑफिस ठाकुरपटना, केंद्रपाड़ा-754250 (ओडिशा)
   ई-मेल : jyotiramayee2000@yahoo.co.in

5. जिंदल बाल भवन
   जेएसपीएल टाउनशिप, पो.ओ. जिंदल स्कूल कैम्पस, जिंदल नगर, अंगुल-759001, (ओडिशा)
   ई-मेल : opjs@angul.jspl.com

मणिपुर

6. मणिपुर बाल भवन
   सामाजिक अधिकारिता विभाग, निदेशालय परिसर, एम.आर. गेट, इम्फाल-795001 मणिपुर सरकार
   फोन नं. 0385-2448532, मोबाईल नं. (0)8794611546

झारखण्ड

7. झारखण्ड स्टेट बाल भवन
   सिटीजन फाउंडेशन, 7, बेतार केन्द्र, निवारन पुर, रांची-834002 (झारखण्ड)
   फोन नं. 651-2482777, 2481777, ई-मेल : mail2cf@gmail.com

8. आशा-लता बाल भवन
   सैक्टर 5-डी, बोकारो स्टील सिटी-827006, जिला बोकारो (झारखंड)
   ई-मेल : ashalatakendra@yahoo.co.in

नागालैंड

9 बाल भवन
सामाजिक अधिकारिता विभाग, नागालैंड, कोहिमा-797001
फोन नं. : 0370-2245761 ई-मेल : socialwelfarengl@gmail.com

मिज़ोरम

10. बाल भवन
    मिज़ोरम बाल भवन सोसाइटी, गृह नं0 वाई/ए-46, मिज़ोरम सरकार, सामाजिक अधिकारिता विभाग
    मिज़ोरम सरकार, आईज़ोल-796007 (मिज़ोरम)
    फोन नं.: 0389-2390866, ई-मेल : avzawni@gmail.com

बिहार

11. बिहार बाल भवन ''किलकारी''
    राष्ट्र भाषा परिषद कैम्पस, सैदपुर, राजेन्द्र नगर, पटना-800004 (बिहार)
    फोन नं.: 0612-2661295, ई-मेल : kilkari2008@yahoo.co.in

12. मदर टेरेसा बाल भवन
    मदर टेरेसा विद्यापीठ, क्लब रोड रामना, मुज़फ्फरपुर, बिहार-842002
    फोन नं.: 07549886640, 9973658416, ई-मेल : motherteresabalbhavan@gmail.com

13. यूनिक बाल भवन
    रन बाय यूनिक क्रिएटिव एजुकेशनल सोसाइटी, स्टेशन रोड़, सिंघीयाघाट
    जिला समस्तीपुर-848236 (बिहार) फोन नं. : 06275-244442, ई-मेल : ucesociety80@gmail.com

पश्चिमी क्षेत्र

संघ शासित प्रदेश

14. बाल भवन बोर्ड
    सरकिट हाऊस के सामने, दादर एवं नगर हवेली संघ क्षेत्र, सिलवासा-396230
    फोन नं. : 0260-2642287, ई-मेल : sonimonika72@gmail.com

15. बाल भवन बोर्ड
    फुटबाल पार्क, मोती दमन-396220 संघ शासित प्रदेश दमन और दीव
    फोन नं.: 0260-2230941, ई-मेल : balbhavandaman@gmail.com

16. बाल भवन बोर्ड
समीप जिला पुस्तकालय, लूहारवाडा, दीव -362520 (दमन और दीव)
फोन नं.: 02875-254516, ई-मेल : balbhavandiu@gmail.com

महाराष्ट्र

17. महाराष्ट्र राज्य जवाहर बाल भवन
नेताजी सुभाष मार्ग, चरनी रोड़ (पश्चिम), मुम्बई-400004 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 022-23614189, ई-मेल : jawaharbalbhavan.mumbai@gmail.com

18. सांई बाल भवन
श्री माता निर्मला देवी नृत्या झंकार, प्लॉट नं0 68, सैक्टर-ए, 4 नं0 पुलिस चौकी के पास
सिडको, औरंगाबाद-430001 (महाराष्ट्र) ई-मेल : meera.pauskar@gmail.com

19. जय हिंद बाल भवन
जय हिंद कॉलोनी, दिओपुर, धुले-424002 (महाराष्ट्र) ई-मेल : jaihindbalbhawan@gmail.com

20. गरवारे बाल भवन
एन-7, बी-1, सिडको, औरंगाबाद-431003 (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0240-2484794, 2472234 ई-मेल : gcccidco@gmail.com

21. ताराबाई संगरपवार बाल भवन
221/बी, बजाज नगर, नागपुर-440010 (महाराष्ट्र)
बाल मंदिर संस्था बाल भवन
बजाज नगर, नागपुर (महाराष्ट्र)
फोन नं.: 0712-2243127 ई-मेल : bmsanstha@gmail.com

गुजरात

22. बाल भवन
चिल्ड्रन ड्रीम लैंडस, नेहरू उद्यान रेस कोर्स, राजकोट-360001 (गुजरात)
फोन नं.: 0281-2440930, ई-मेल : balbhavanrajkot@gmail.com

23. बाल भवन सोसाइटी
सायाजी बाग के पीछ, करेलिबौग, वड़ोदरा-390018 (गुजरात)
फोन नं.: 0265-2792718-2795937, ई-मेल : balbhavanbrd@gmail.com

24. कुसम बहन अदानी बाल भवन
अक्षयगढ़-362229, केशोड, जिला जूनागढ, (गुजरात)
ई-मेल : balbhavan@gurukulmail.com

25. रूपायतन बाल भवन
गिरी टेलेटी, भवनाथ, जूनागढ़- 362004 (गुजरात)
फोन नं.: 0285-2627573, ई-मेल : rupayatanbalbhavan@gmail.com

26. बाल भवन
श्री वी.एन. सोलंकी (मोगर)
सैक्टर-28, बी/एच दत्त मंदिर, गाँधीनगर-382028 (गुजरात)
फोन नं.: 079-23210477, ई-मेल : balbhavangn18@gmail.com

27. लालचंद भाई वोरा बाल भवन
द्वारा बाल केलावनी मंदिर, बागासरा, जिला अमरेली (गुजरात)
फोन नं.: 0796-222479, ई-मेल : vvmst@rediffmail.com

28. श्री महात्मा गाँधी बाल भवन
श्री स्वामीनारायण गुरूकुल कैम्पस, छाया मेन रोड़, पो.ओ.-छाया, जिला पोरबंदर-360575 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2243790, फैक्स नं. 0286-2240791, ई-मेल : swamijipbr@gmail.com

29. श्री एन. के. सोलंकी (मोगर) बाल भवन
समीप ओवरब्रिज, आश्रम रोड, जिला नादियाड-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0268-2568851

30. बाल भवन, अमरेली
श्री गिरधरभाई बाल संग्रहालय कैम्पस, पुस्तकालय चौक, अमरेली-365601 (गुजरात)
ई-मेल : nileshkumarpathak@yahoo.com

31. सरदार पटेल बाल भवन
सामने मिल रोड आरटीओ, नादियाड, जिला खेडा-387001 (गुजरात)
फोन नं.: 0286-2566196

32. पार्थ एक्टविटीज बाल भवन
अनेरी महिला विकास मंडल, प्लाट नं. 2225/बी, 'पूजा पार्क', सामने अंखर वाड़ी मंदिर
वाघावाडी रोड़, भावनगर-364002 (गुजरात)
फोन नं.: 078-2470523, ई-मेल : privij64mehta@gmail.com

33. शिशु विहार बाल भवन
शिशु विहार सर्कल, नियर क्रिसेंट, कृष्णा नगर, भावनगर-364001 (गुजरात)
फोन नं: 0278-2512850, ई-मेल : mail@shishuvihar.org

34. श्री स्वामीनारायण बाल भवन
धर्मपुर, मालानपाडा, तलुक धर्मपुर, जिला-वलसाड-396050 (गुजरात)
फोन नं.: 02633-240107, 9913458525, ई-मेल : gandhinagargurukul@gmail.com

गोवा

35. बाल भवन बोर्ड
परेड ग्राउंड के सामने, केंपेल, पणजी-403001, (गोवा)
फोन नं. 0832-2226823 फैक्स : 0832-2223001
ई-मेल : panajibalbhavan@gmail.com

राजस्थान

36. बाल भवन जयपुर
508, अंजनी मार्ग, हनुमान नगर, एक्सटेंशन, सिरसी रोड, जयपुर-302021 (राजस्थान)
फोन नं. 0141-2359917, ई-मेल : balbhavanjaipur@gmail.com

37. वीना मेमोरियल बाल भवन
वीना मेमोरियल एसएसईईडब्ल्यूए सोसायटी, वीना मार्ग, गुलाब बाग, करौली-322241 (राजस्थान)
ई-मेल : pvms525@gmail.com

उत्तरी क्षेत्र

संघशासित

38. बाल भवन चंडीगढ़
द्वारा इंडियन कांउसिल फॉर चाइल्ड वेलफेयर, यू.टी. ब्रांच, सैक्टर 23-बी, हरियाणा सरकार
चंडीगढ़-160023 (हरियाणा) मो. 09780300625 कार्या0: 01722337093

हरियाणा

39. बाल भवन हिसार
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, हिसार (हरियाणा)
फोन नं. : 01662-237027 मोबाईल : 09896890315
ई-मेल : dccw.hisar@gmail.com

40. बाल भवन
द्वारा बाल कल्याण जिला परिषद, सैक्टर 13, अर्बन स्टेट, कुरूक्षेत्र (हरियाणा)
फोन नं. : 01744-222340, 220271, ई-मेल : dccwkurukshetra@gmail.com

41. बाल भवन रोहतक
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला ब्रांच, रोहतक-124001 (हरियाणा)
फोन नं. : 01262-253819, ई-मेल : dcworohtak@gmail.com

42. सलवान बाल भवन
सलवान पब्लिक स्कूल, सैक्टर-15 (भाग-II), गुड़गांव-122001 (हरियाणा)
फोन नं. 0124-4886050-90, ई-मेल : balbhavan@salwangurgaon.com

43. पठानिया बाल भवन
पठानिया पब्लिक स्कूल, 8 केएम स्टोन, गोहाना रोड, रोहतक, हरियाणा
मो. 09254377414, 09254350347, ई-मेल : ppsrohtak@gmail.com

44. बाल भवन, फरीदाबाद
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद, जिला शाखा, एन.आई.टी. बस स्टैंड के पास
फरीदाबाद-121001 (हरियाणा), फोन नं. : 1290-2418215

45. बाल भवन, सिरसा
द्वारा हरियाणा राज्य बाल कल्याण परिषद बरनाला रोड, सिरसा–125055 (हरियाणा)
ई–मेल : dccwsirsa1976@gmail.com

पंजाब

46. बाल भवन, पंजाब
सदाराम बंसल मैमोरियल सीनियर सैकेंडरी स्कूल, बसंल एवन्यू, जैतू रोड़, कोटकपूरा–151204 (पंजाब)
फोन नं. : 01635–221186, ई–मेल : srbm_kkp@rediffmail.com

जम्मू व कश्मीर

47. जम्मू बाल भवन
87–पंजीतिरथी, जम्मू–180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. : 09419196696, 9419195900, ई–मेल : razdansushil@yahoo.co.in

48. शांति निकेतन बाल भवन
गार्डन एवेन्यू, लेन नं 1, गेस्ट हाऊस रोड़, डाकघर विनायक बाजार, जम्मू तवी–180001(जम्मू व कश्मीर)
फोन नं. 09419196696, 0191–2553726 ई–मेल : listenrenu@yahoo.com

49. कश्मीर बाल भवन
(गुलबान–ए–कश्मीर), अन्तर्गत मजलीसन–निसा जम्मू व कश्मीर सौपोर, मौलाना यासीन कॉम्पलैक्स सामने सरकारी आईटीआई, सौपोर कश्मीर–193201, फोन नं. 09419039827, 01954–223507
ई–मेल : meerasmahalmuseum@gmail.com

उत्तराखण्ड

50. आर्च बाल भवन
एमडीडीए डुप्लेक्स विला 3, सहस्त्रधारा रोड, देहरादून, उत्तराखंड 248001
फोन नं. 9412054216 ई–मेल : arch.birdcount@gmail.com

51. बाल भवन गोपेश्वर
द्वारा जन शिक्षा समिति, गोपेश्वर, चमोली–246401(उत्तराखंड)
फोन नं. : 01372–252381, 253300, 09412109401, 09758825001
ई–मेल : vinodrawatnd@gmail.com

हिमाचल प्रदेश

52. आधारशिला बाल भवन
आधारशिला पब्लिक स्कूल, उप्पर पन्नर रोड, भावर्ना, पालमपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश)
पिन–176102 फोन : 09218606017, निवास : 09218606017, 09218506018,
ई–मेल : kherrk@hotmail.com

53. आवर ओन बाल भवन
शाहपुर, जिला कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) पिन-176206
फोन नं. 01892-238112, 239002, ई-मेल : awasthi35@yahoo.com

दक्षिणी क्षेत्र-1

आंध्र प्रदेश

54. जिला बाल भवन गड़वाल
जोगुलाम्बा गड़वाल तेलंगाना, जिला - महबूब नगर, आंध्र प्रदेश-509125 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09441255177

55. जिला बाल भवन
द्वारा बापुर कलैक्टोरेट बिल्डिंग, ग्रामसपेट, कलैक्टोरेट ऑफिस कम्पाउण्ड, जिला चित्तूर, आंधप्रदेश-517002
फोन नं. : 09440315924, 9440290051, ई-मेल : distbalabhavan@gmail.com

56. जिला बाल भवन
द्वारा जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम, हनमकोंडा, जिला वारंगल-506001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 09912500516, ई-मेल : jhansi.bbwgl@gmail.com

57. जिला बाल भवन
तिलक रोड, फायर स्टेशन के सामने, निज़ामाबाद-503001 (तेलंगाना)
फोन नं. : 08462-225503, 09440037622, ई-मेल : saiprabhu11@gmail.com

58. बाल भवन
द्वारा आंध्र एकेडमी ऑफ आर्टस, मुतयालमपाडु, एसबीआई के समीप, विजयवाड़ा,
कृष्णा जिला-500011(आंध्र प्रदेश) फोन नं. : 09989361436, कार्यालय-9989911160

59. चाचा बाल भवन
एसबीआई के समीप, मेन रोड, राजम, जिला श्रीकाकुलम - 532127 (आंध्र प्रदेष्ठा)
फोन नं. : 09348363738, 09440585616, ई-मेल : drsunkariramesh@gmail.com

60. जिला बाल भवन
क्वार्टर नं. ए/285, हिल कालोनी, नालगौंडा जिला, नागार्जुन सागर, आंध्र प्रदेश, पिन-508202
फोन नं. : 08680-276622, 9440440939

61. वीसीएसपी बाल भवन
विशाखा चाइल्ड स्पोनसरशिप प्रोग्राम, रु-53-17-50/7, टीएफ-402, आटोमेटिव मेडिलापालेम,
विशाखापटनम-530013, (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. : 0891-2792171, 9246640024, 9866300171
ई-मेल : vcspbalbhavan@yahoo.in, tvtgandhi99@gmail.com

62. बाल भवन
द्वारा स्पेस केन्द्रीय स्कूल, स्पेस विभाग आईएसआरओ, डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस, श्रीहरिकोटा-524124
(आंध्र प्रदेश), फोन नं 08623-225123/225001, ई-मेल : sradha@shar.gov.in

63. नेल्लोर बाल भवन-बाल भवन एवं राज्य बाल भवन
120, द्वारका टावरस, टेकेमिट्टा, नेल्लोर-524003 (आंध्र प्रदेश)
फोन नं. 0861-2325659, 9848627158, ई-मेल : subhadra.govindaraju@gmail.com

64. जिला बाल भवन
107, आर एण्ड बी बिल्डिंग, सरोजिनी देवी रोड, समीप रंजना पार्क, तिरूपति, जिला चित्तूर-517501 (आंध्र प्रदेश) फोन नं.: 917723445, 08897393736, ई-मेल : dbbtpt@gmail.com

65. जवाहर बाल भवन
तेलंगाना सरकार, शिक्षा विभाग, पब्लिक गार्डन्स, हैदराबाद-500004
ई-मेल : director_jbbts@yahoo.com

कर्नाटक

66. बाल भवन सोसाइटी
कुब्बन पार्क, डिपार्टमेंट ऑफ वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट, कर्नाटका सरकार, बैंगलूरू-560001 (कर्नाटक) फोन नं.: 080-22864189, मो. 9341052284
ई-मेल : secybalbhavan.bng@gmail.com

67. अनुभूति बाल भवन
192, ब्लाक 4, 12-ए मेन रोड, कोरमंगला लेआउट, बेंगलौर-560034 (कर्नाटक)
फोन नं: 080-2558123837, 9448042138, ई-मेल : manjularaman@gmail.com

68. नतानम बाल नाट्य केन्द्र
प्रथम क्रास, चेनल एरिया, राजेन्द्र नगर, शिमोगा-577201 (कर्नाटक)
फोन नं. 08182-223402 फैक्स नं 08182-277251, ई-मेल : manjuk821@gmail.com

69. माउंटेन व्यू बाल भवन
माउंटेन व्यू स्कूल कैम्पस, विद्या नगर, चिकमंगलूर-577101 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08262-223140/222228, मो. 9611967170, ई-मेल : mvi_school@yahoo.co.in

70. बाल भवन
न. 67/2 वृद्धाहाली रोड, सागर-577401 (कर्नाटक)
फोन नं.: 08183-236228, 08095469347, ई-मेल : rpssagara@gmail.com

71. विद्या बाल भवन
सामने रेलवे स्टेशन बनवारा, आरसिकेरे-तालुक, हसन जिला-573103 (कर्नाटक)
फोन नं.: 01874-235018, 7026418709
ई-मेल : kgnataraj1970@gmail.com, srigowori1981@gmail.com

72. जिला जवाहर बाल भवन
बन्नीमनताप, मैसूर-570015 (कर्नाटक)
फोन नं.: 09060300196, 9448914794, 0821-2495486, ई-मेल : rpssagar@gmail.com

दक्षिणी क्षेत्र - II

केरल

73. जवाहर बाल भवन, त्रिचूर-680020 (केरल)
फोन : 0487-2370560, 2332909, 9847225223, ई-मेल : balbhavanthrissur@gmail.com

74. जवाहर बाल भवन
शास्त्री जंक्शन, कोल्लम-691001 (केरल)
फोन नं.: 0474-2744365/2763899, ई-मेल : balbhavanklm@gmail.com

75. जवाहर बाल भवन
बाल भवन रोड, पैलेस वार्ड, अल्पुजहा-6880011 (केरल) फोन नं.: 0477-2260622/2264254

76. केरल राज्य जवाहर बाल भवन
कनककुन्नु, विकास भवन पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695033 (केरल) फोन नं.: 0471-2316477
ई-मेल : jawaharbalbhavantvm@gmail.com, jawaharbalbhavan@gmail.com

77. रंग प्रभात बाल भवन
अलुम्तरा, वेंन्जारामुडु पोस्ट ऑफिस, तिरुवनंतपुरम-695607 (केरल)
फोन नं. 0472-2872344,/9447554190, ई-मेल : rangaprabhath@yahoo.com

78. सुहरूथ बाल भवन
सुरूथ नाटक कालारी, विथुरा-695551(केरल)
फोन नं.: 04722-858688, ई-मेल : vithurasuhruthbalbhavan@gmail.com

79. श्री सत्य सांई बाल भवन
श्री सत्य सांई ओरफांगे ट्रस्ट, 9/1108 अजित बिल्डिंग संस्था मंगलम, तिरूवनंतपुरम-695010 (केरल)
फोन नं. : 0471-2721422, 2115161, ई-मेल : saigramam@gmail.com
sainikethan@hotmail.com

तमिलनाडु

जवाहर बाल भवन
सरकारी सगील कालेज कैंपस, ग्रीनवेज रोड, चेन्नई-600004 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 044-28192152 मो. 9444461186

80. जवाहर बाल भवन
सिंधरम पिल्लै प्राइमरी स्कूल, विल्लीवक, पैरियार नगर, चेन्नई-600008 (तमिलनाडु)

81. जवाहर बाल भवन
व्यासर पाडी, चेन्नई-6001018 (तमिलनाडु)

82. जवाहर बाल भवन
नं. 73-ए, मीतू स्ट्रीट, कांचीपुरम - 631502, जिला-तमिलनाडु
फोन नं. : 044-23624238 मो. 944133105, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

83. जवाहर बाल भवन
तिरूमति लक्ष्मीलोकनाथन, आरकोट, जिला वेलोर (तमिलनाडु)

84. जवाहर बाल भवन
तिरूवनमलय, तमिलनाडु

85. जवाहर बाल भवन
सरकारी संगीत स्कूल कैम्पस, ष्टारदा कॉलेज रोड, फेयरलैंड पोस्ट-सेलम-636016 (तमिलनाडु)
फोन नं. : 0427-2443594, 2330021

86. जवाहर बाल भवन
राथिनासभापति पर्यावरणीय कैंपस, 117-ए, डॉ. सान सलैई, एल.आई.सी. के पीछे,
नामक्कल-637001 (तमिलनाडु)

87. जवाहर बाल भवन
सम्पत नगर, ईरोड, (तमिलनाडु)

88. जवाहर बाल भवन
उथगामंडलम, (तमिलनाडु)

89. जवाहर बाल भवन पुड्डूकोट्टई
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सेन्टर, 22/13 स्मद स्कूल स्ट्रीट, काज़ा नगर, त्रिचुरापल्ली-620020 (तमिलनाडु)
फोन नं.: 0431-2423122 मो. 09443153122, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

90. जिला जवाहर बाल भवन
करूर-639001 (तमिलनाडु)

91. जवाहर बाल भवन
तंजावुर, रजियोनल असिस्टेंट कल्चर, क्षेत्रीय आर्ट सकंल्चर सैंटर नं. 5, मणी महलाई स्ट्रीट, मुथमैल नगर,
मैडिकल कॉलेज रोड, तंजावुर-613009 (तमिलनाडु) फोन नं.: 04362-30121

92. जवाहर बाल भवन
राज्य सरकारी संगीत स्कूल कैंपस, कार्पोरेशन प्ले ग्राउंड, विल्लूपुरम्-605602 (तमिलनाडु)

93. जवाहर बाल भवन
जिला सरकारी संगीत विद्यालय कैम्पस-2, पुडुयीरू, कडलूर-607001 (तमिलनाडु)

94. बाल भवन
आर्ट एवं कल्चर सैंटर 16/157, अलागार कोविल सलाई, मदुरै-625009(तमिलनाडु)
फोन नं.: 0452-22661795 मो. 09842761765 ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

95. जवाहर बाल भवन
नं. 84, सत्यमूर्ति स्ट्रीट, शिवगंगा-630561

96. जवाहर बाल भवन
अली नगराम, थेनी(तमिलनाडु) फोन नं.: 0452-22661795 मो. 09842761765
ई-मेल : artandculture@tngovt.in

97. जवाहर बाल भवन
क्षेत्रीय आर्ट एवं कल्चर सैंटर, तमिलनाडु, देव कल्चर सैंटर बिल्डिंग, 820/8, ट्रैक्टर स्ट्रीट, एन.जी.ओ.ए. कॉलोनी, तिरूनलवेल्ली-627011(तमिलनाडु)
फोन नं.: 04651-281622, ई-मेल : artandculture@tn.gov.in

98. जवाहर बाल भवन
थिरूचन्दूर सलाई, तूतीकोरिन-628008(तमिलनाडु)

99. जवाहर बाल भवन
नागरकोईल, जिला कन्याकुमारी (तमिलनाडु)

संघशासित क्षेत्र

100. जवाहर बाल भवन
नं. 1, मरियामलाई, अदिगल सलाई, पुराने बस स्टैंड के पास, पुडूचेरी-605001
फोन नं. 0413-2225751, 2207206, 2207201, ई-मेल : jbbpondy@gmail.com

मध्य क्षेत्र

उत्तर प्रदेश

101. बाल भवन
16/99-ए, फूल बाग, कानपुर-208009 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0512.2313129, ई-मेल : balbhawan3129@gmail.com

102. जवाहर बाल भवन
जवाहर लाल नेहरू मेमोरियल फंड, आनंद भवन, इलाहाबाद-211002 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0532-2467078, मो. 09335411450, ई-मेल : jlnmfald@dataone.in

103. बाल भवन
एनएच-2, क्वाटर नं. डी-215, एनटीपीसी कॉलोनी, रिहंद नगर, जिला-सोनभद्र-231223 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05446248280, ई-मेल : hkjain@ntpc.co.in

104. बाल भवन
ऊर्जा विहार, एन.टी.पी.सी. फिरोज गाँधी, थर्मल पावर प्रोजेक्ट, डाकघर, ऊँचाहार, जिला रायबरेली-229406 (उत्तर प्रदेश) फोन नं.: 05311-232430 मो. 09871094763
ई-मेल : balbhawanunchahar@gmail.com

105. पंडित कन्हैया लाल पुंज बाल भवन
सीतामणि, संत रविदास नगर, जिला, भदौही-221309 (उत्तर प्रदेश)
दूरभाष: 9838335726, 05414-236762, ई-मेल : balbhavansitamarhi@rediffmail.com

106. अमित बाल भवन
गांधी पार्क, 439, इन्द्रा कॉलोनी, स्ट्रीस नं. 4, रायपुर रोड़, फिरोज़ाबाद-283203 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : dr.amit0190@gmail.com

107. बाल भवन
एनटीपीसी पोस्ट ऑफिस, टाउनशिप, सै.-33, विद्युत नगर, जिला-गौतमबुद्ध नगर-201008 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 0120-2805846 मो. 9871864951/9650994626
ई-मेल : balbhavandadri@gmail.com

108. बाल भवन
नवादा ग्रामोद्योग विकास समिति, मोहल्ला बागला, अमरोहा, जे.पी. नगर-244221 (उत्तर प्रदेश)
फोन नं.: 05922-259665, 094110071882

109. बाल भवन
यूनिटी चिल्ड्रन एकेडमी सिरसी, मो. सराय सदाक, डालन सिरसी, मुरादाबाद-248001 (उत्तर प्रदेश)
मो. 09411431912, ई-मेल : kingshabih@gmail.com

110. शिव शारीरिक शिक्षा एजुकेशन पर्यावरण सोसाइटी (स्पीडस)
460, समीप गायत्री मंदिर, आंतिया तलाब, झांसी-284001 (उत्तर प्रदेश)
ई-मेल : speedjhansi@gmail.com

मध्य प्रदेश

111. संभागीय बाल भवन
(महिला एवं बाल विकास विभाग), स्टेडियम मध्य प्रदेश सरकार
129, मयूर नगर, ग्वालियर-474011 (मध्य प्रदेश) ई-मेल : vijaybalvikas@gmail.com

112. इंदौर बाल भवन
29/3, ओल्ड पलासिया, महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्य प्रदेष्ठा सरकार,
इंदौर-452001(मध्य प्रदेश) फोन नं.: 0731-2576332 मो. 09826816863
ई-मेल : balbhavanind@gmail.com

113. संभागीय बाल भवन
केशरवानी कॉलेज, लोहियापुल, गराह फाटक, जबलपुर (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 9479756905

114. बाल भवन सागर
मध्य प्रदेश सरकार, एचआईजी-1, पदमाकर नगर राजाकेदी, मकरोनिया, सागर-470003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 07582-230221, मो. 09425096898, ई-मेल : कपअइंसइींअंदेंहंत/हउंपसण्बवउ

115. जवाहर बाल भवन
1250-।। स्टॉप, तुलसी नगर, भोपाल-462003 (मध्य प्रदेश)
फोन नं.: 0755-2558059, ई-मेल : balbhavan3@gmail.com

116. अभिनव बाल भवन
केयर ऑफ कैरियर वेलफेयर सोसायटी, 239, पुतलीघर कॉलोनी, शाहजहांनाबाद,
भोपाल-462001 (मध्य प्रदेश) मो. 9753589295, ई-मेल : abhinavbb.123@gmail.com

117. बाल भवन उज्जैन

वुमन एण्ड चाइल्ड डवलपमेंट सेक्शन मध्य प्रदेश सरकार, विक्रम कीर्ति मंदिर के समीप, काठी रोड, उज्जैन-456010 (मध्य प्रदेश) मो. 98930-08817

118. बाल भवन

पीली कोठी, रीवा-486001 (मध्य प्रदेश) फोन नं.: 07662-254379

छत्तीसगढ़

119. जिंदल बाल भवन

जिंदल स्टील एवं पावर लिमिटेड, पोस्ट बाक्स नं. 16, खर्सिया रोड़ रायगढ़-496001 (छत्तीसगढ़) फोन नं.: 07762-227001, मो. 9303451988, ई-मेल : shishir.sinha@jspl.com

31.03.2018 को राष्ट्रीय बाल भवन कार्मिकों की सूची

ग्रुप क

1. श्रीमती मीनाक्षी जौली, निदेशक, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, मा.स.वि.म. (रा.बा.भ. में निदेशक के रूप में अतिरिक्त प्रभार)
2. श्रीमती इंद्राणी चौधुरी, उप निदेशक (कार्यक्रम समन्वयक एवं अनुसंधान)
3. श्री मुकेश गुप्ता, उप निदेशक (प्रशासन)
4. श्रीमती आशा भट्टाचार्जी, सहायक निदेशक (विज्ञान)

ग्रुप ख

5. डॉ. रश्मि शर्मा, क्यूरेटर (संग्रहालय)
6. श्री राजेन्द्र कुमार वधवा, प्रभारी अधिकारी (फोटोग्राफी)
7. श्री सुरेन्द्र कुमार शर्मा, प्रभारी अधिकारी (बा.भ.के.)
8. श्री जगदीप सिंह बेदी, प्रभारी अधिकारी (प्रदर्शन कला)

ग्रुप ग

9. श्री दिनेश कुमार, अनुभाग अधिकारी
10. श्री ए. ए. मल्लिक, सुरक्षा अधिकारी व केयरटेकर
11. श्रीमती गुरदीप कौर, कार्यालय सहायक
12. श्री राजू टंडन, कार्यालय सहायक
13. श्री जगदीश कुमार कोली, प्रबंधक (प्रकाशन)
14. श्रीमती परमिंदर बासु चौधुरी, कार्यक्रम संयोजक
15. श्री अश्विनी कुमार भट्ट, संयोजक (आविष्कारक क्लब)
16. श्री ऋषभ अरोड़ा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (कम्प्यूटर)
17. श्री आशीष भट्टाचार्जी, वरिष्ठ प्रशिक्षक (छायांकन)
18. श्री जय भगवान राणा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा)

19. श्री मनोज कुमार मिश्रा, वरिष्ठ प्रशिक्षक (रेडियो एवं इलैक्ट्रॉनिक)
20. श्री चन्द्रमणि, कलाकार (प्रदर्शन कला)
21. श्रीमती नेहा वत्स, कलाकार (प्रदर्शन कला)
22. श्री मेहताब हुसैन, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प)
23. श्री जय प्रकाश तँवर, कनिष्ठ प्रशिक्षक (काष्ठ शिल्प) (31-07-2017 को सेवानिवृत्त)
24. श्री नागेन्दर सिंह बिष्ट, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मिट्टी)
25. श्री देवेन्द्र कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जिल्दसाज़ी)
26. श्री काशी नाथ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (मॉडलिंग)
27. श्री राजीव कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (बुनाई)
28. श्री अमित सिंह, कनिष्ठ प्रशिक्षक (डार्क रूम)
29. मो. अनिरूल इस्लाम, कनिष्ठ प्रशिक्षक (चित्रकला)
30. श्रीमती उषा किरण बरूआ, कनिष्ठ प्रशिक्षक (शारीरिक शिक्षा) (30-09-2017 को सेवानिवृत्त)
31. श्री नीरज कुमार, कनिष्ठ प्रशिक्षक (जूडो)
32. श्री मोहन कुमार, कनिष्ठ कलाकार (जूडो)
33. श्री वासुदेव, कनिष्ठ कलाकार
34. श्रीमती स्मृति अरोड़ा, कनिष्ठ कलाकार (संग्रहालय)
35. श्री सतीश पारचा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.-उच्च ग्रेड)
36. श्रीमती चन्द्रकांता शर्मा, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
37. श्री संजय कुमार जैन, पर्यवेक्षक (बा.भ.के.)
38. श्री चमन लाल, उ.श्रे.लिपिक
39. श्री विनोद सिंह बिष्ट, उ.श्रे.लिपिक
40. श्रीमती सीमा चौहान माथुर, उ.श्रे.लिपिक
41. श्री जगदम्बा प्रसाद, उ.श्रे.लिपिक
42. श्रीमती माया रानी, उ.श्रे.लिपिक
43. श्री चिरंजी लाल, उ.श्रे.लिपिक
44. श्री गोपाल राम आर्या, नि.श्रे.लिपिक
45. श्रीमती विनोद सांगवान, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
46. श्रीमती अनीता राय, कनिष्ठ आशुलिपिक (हिन्दी)
47. श्री मदन लाल मेहता, इलैक्ट्रीशियन
48. श्री अरविंद कुमार चौहान, स्टेज टेक्नीशियन व इलैक्ट्रीशियन

49. श्री मनोज कुमार वर्मा, कनिष्ठ इलैक्ट्रीशियन

50. श्री सुनील कुमार, चालक

51. श्री बृज कुमार, चालक

52. श्री हर्ष मणि सेमवाल, चालक (30-09-2017 को सेवानिवृत्त)

53. श्री प्रदीप भट्ट, चालक

54. श्री आर. के. रामास्वामी, तकनीकी सहायक

55. श्री अश्विनी कुमार, तकनीकी सहायक

56. श्रीमती रजनी देवी, वार्डन, हॉस्टल

57. सुश्री नीता, वरिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक

58. श्रीमती प्रतिज्ञा, कनिष्ठ पुस्तकालयाध्यक्ष व प्रशिक्षक

59. सुश्री निधि सरियाल, कनिष्ठ खोजबीन सहायक (संग्रहालय)

60. श्री राम सिंह साही, रसोईया

61. श्री स्वरूप राम, बस कंडक्टर व क्लीनर

रख-रखाव विभाग (ग्रुप डी)

62. श्री गेंदा राम, माली

63. श्री रमेश कुमार, माली

64. श्री सुरेन्द्र सिंह, माली

65. श्री रति राम, माली (31-07-2017 को सेवानिवृत्त)

66. श्री साहब सिंह मीना, माली

67. श्री जय राम, माली

68. श्री रमेश प्रसाद यादव, चपरासी

69. श्री प्रेम सिंह साही, चपरासी

70. श्रीमती गीता साही, चपरासी

71. श्री जगदीश चन्द्र, चपरासी

72, श्री सुधीर कुमार, चपरासी (06.06.2017 तक) (07.06.2017 को निम्नश्रेणी लिपिक पद पर पदोन्नत

73. श्री मुन्ना लाल, मददगार

74. श्री जसवंत सिंह सैनी, मैदान रक्षक

75. श्री महेश कुमार, मैदान रक्षक

76. श्री कैलाश चन्द, अनुभाग परिचारक

77. श्री गोविंद सिंह बिष्ट, अनुभाग परिचारक

78. श्री नेत्र सिंह बिष्ट, अनुभाग परिचारक

79. श्री राम दीन, अनुभाग परिचारक

80. श्री राम विनोद सिंह, अनुभाग परिचारक

81. श्री तारकेश्वर गोंद, अनुभाग परिचारक

82. श्री मोहन सिंह सैनी, बेलदार

83. श्री लायक सिंह, बेलदार

84. श्री राम दुलारे, बेलदार

85. श्री महादेव, बेलदार

86. श्री कँवर भान, चौकीदार

87. श्री मोहन लाल, चौकीदार

88. श्री डूँगर सिंह, चौकीदार

89. श्री अशोक कुमार तोमर, चौकीदार

90. श्री धनपाल सिंह, चौकीदार

91. श्री जय चंद, चौकीदार

92. श्री हरेन्दर सिंह, चौकीदार

93. श्री दुर्गा प्रसाद, चौकीदार

94. श्री महिन्द्र सिंह, चौकीदार

95. श्री उमेश कुमार, चौकीदार

96. श्री किशन लाल, सफाई कर्मचारी

97. श्री बिल्लू, सफाई कर्मचारी

98. श्री बिशन स्वरूप, सफाई कर्मचारी

99. श्रीमती किरन देवी, सफाई कर्मचारी (31-08-2017 को दिवंगत)

100. श्री दास, सफाई कर्मचारी

101. श्री होरी लाल, सफाई कर्मचारी

102. श्री नितिन, सफाई कर्मचारी

103. श्रीमती अनुराधा, सफाई कर्मचारी

104. श्री बाबू लाल मीना, सफाई कर्मचारी

भाग ख

वार्षिक लेखा

2017-18

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

SINGH CHHABRA & CO.
CHARTERED ACCOUNTANTS

लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट

सेवा में,
प्रबंधक मंडल
राष्ट्रीय बाल भवन

हमने 31 मार्च 2018 तक के लिए **राष्ट्रीय बाल भवन (NBB),** कोटला रोड़, नई दिल्ली–110002 के संलग्न तुलनपत्र तथा इसी तिथि को समाप्त होने वाले वित्त वर्ष के लिए तैयार एवं इसके साथ संलग्न आय एवं व्यय खाते की भी लेखा परीक्षा की है। ये वित्तीय विवरण राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधक मंडल का उत्तरायित्व है। हमारा उत्तरदायित्व इन वित्तीय विवरणों के संदर्भ में अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर विचार व्यक्त करना है।

हमने भारत में सामान्य रूप से स्वीकश्त लेखा परीक्षा मानकों के अनुसार अपनी लेखा परीक्षा का आयोजन किया है। इन मानकों की अपेक्षा है कि हम लेखा परीक्षा की आयोजना और निष्पादन इस बात का पर्याप्त आश्वासन प्राप्त करने के लिए करें कि इन वित्तीय विवरणों में किसी भी प्रकार की वास्तविक प्रकशति की मिथ्या सूचना शामिल नहीं है। लेखा परीक्षा में वर्णित वित्तीय विवरणों में दी गई राशियों तथा निष्कर्षों की उपयुक्तता की जांच के लिए नमूना आधार पर परीक्षण शामिल है।

अपनी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते हैं कि :

i) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों को जब अन्य नोट्स के साथ पढ़ा गया तो इन्हें अनुरक्षित लेखा बहियों के अनुरूप पाया गया।

ii) हमारे विचार में तथा हमें प्राप्त सूचनाओं तथा स्पष्टीकरणों के अनुसार, उपरोक्त लेखों तथा वित्तीय विवरणों से अधिनियम में अनिवार्य सब सूचनायें प्राप्त होती हैं तथा इनमें भारत में सामान्यतः स्वीकश्त लेखाकरण सिद्धांतों का अनुपालन किया गया है।

(क) तुलनपत्र के विषय में, **31 मार्च 2018** को राष्ट्रीय बाल भवन की वित्तीय स्थिति।

(ख) इसी तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाते तथा घाटे की स्थिति।

कृते सिंह छाबड़ा एण्ड कम्पनी के लिए
चार्टर्ड अकाउंटेंट

हरीश कुमार छाबड़ा
(पार्टनर)
एम नं0 500104
स्थान : दिल्ली
तिथि : 07.06.2018

31 मार्च 2018 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

निधि के स्रोत	अनुसूची	2017-18	2016-17
समग्र/पूंजी निधि	1	(5908,47,857)	(5268,91,377)
निर्धारित/निश्चित की गई/इंडोमेंट निधि	2	2,50,835	2,50,835
ऋण देयता		–	–
वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध	3	7463,83,445	6817,21,118
कुल		**1557,86,423**	**1550,80,576**
पूंजी अनुप्रयोग			
अचल परिसंपत्तियां	4	540,69,331	553,62,610
मूर्त परिसंपत्तियां		540,33,820	552,36,284
अमूर्त परिसंपत्तियां		35,511	1,26,326
पूंजीगत चल रहे कार्य			
निश्चित/इंडोमेंट निधि से निवेश	5	–	–
दीर्घ अवधि			
लघु अवधि			
अन्य निवेश	6	–	–
वर्तमान परिसंपत्तियां	7	248,84,906	183,81,529
ऋण/अग्रिम एवं जमा	8	768,32,186	813,36,437
कुल		**1557,86,423**	**1550,80,576**
मुख्य लेखाकरण नीतियां	23		
लेखा नोट्स	24		

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय तथा व्यय खाता

राशि रुपयों में

विवरण	अनुसूची	2017-18	2016-17
आय			
शैक्षिक प्राप्तियां	9	-	-
अनुदान/सब्सिडी	10	1511,55,873	1431,25,686
निवेश से आय	11	-	-
अर्जित ब्याज	12	1,63,876	10,24,847
अन्य आय	13	11,92,796	4,48,176
गत अवधि की आय	14	-	2,05,006
कुल (क)		**1525,12,545**	**1448,03,715**
व्यय			
कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)	15	809,61,600	864,42,574
सेवानिवृत्ति लाभ	15क	878,02,623	837,10,873
अनुदान एवं उपदान आदि पर व्यय	10	-	-
शैक्षिक व्यय	16	94,91,975	97,79,687
प्रशासनिक एवं सामान्य व्यय	17	408,86,115	225,08,941
परिवहन व्यय	18	1,59,855	2,56,303
मरम्मत एवं अनुरक्षण	19	18,30,228	17,97,865
वित्त लागत	20	11,480	-
मूल्य ह्रास	4	31,71,105	49,80,089
अन्य व्यय	21	-	57,104
गत अवधि के व्यय	22	11,54,044	39,53,875
कुल (ख)		**2254,69,025**	**2134,87,311**
व्यय पर आय की अधिकता के कारण शेष		(729,56,480)	(686,83,596)
मुख्य लेखाकरण नीतियां	23		
लेखा नोट्स	24		

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

वार्षिक लेखा 2017-18

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2017-18	2016-17
I. आरंभिक शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	947
ख. बचत खाता (एच.क्यू.)	180,03,444	137,25,718
II. प्राप्त अनुदान		
भारत सरकार से		
क) मानव संसाधन विकास मंत्रालय से		
- पूंजीगत व्यय के लिए	90,00,000	50,00,000
- राजस्व व्यय के लिए	1581,28,000	1525,54,000
III. शैक्षिक प्राप्तियां	-	-
IV. विविध देनदार	-	-
V. स्थाई परिसंपत्तियों की बिक्री	**1,25,000**	-
VI. अन्य निधियों में निवेश से आय	-	
VII. निम्न लिखित पर प्राप्त ब्याज		
क. बैंक जमा पर	-	-
ख. ऋण तथा अग्रिम पर	-	-
ग. बचत बैंक खाते पर	7,99,637	10,24,847
VIII. अन्य आय	3,51,611	3,21,918
IX. अन्य प्राप्तियां - देय	1,15,565	-
X. जमा एवं अग्रिम		
प्रतिभूति जमा	2,00,500	83,526
अग्रिम की वसूली	34,81,768	45,53,698
कार्य निष्पादन गारण्टी	1,00,000	-
कुल	**1903,05,525**	**1772,64,654**

अदायगियां	2017-18	2016-17
I. व्यय		
क. स्थापना व्यय	219,31,871	201,30,183
ख. वेतन एवं भत्ते	533,36,038	571,89,976
ग. अन्य व्यय	318,06,855	336,74,021
घ. शैक्षिक व्यय	94,92,849	97,62,231
ड. प्रशासनिक व्यय	252,20,999	224,11,246
च. परिवहन व्यय	1,45,522	2,56,303
छ. मरम्मत एवं रखरखाव	18,29,814	17,97,865
ज. पूर्व अवधि के व्यय	8,52,878	1,19,088
झ. अन्य व्यय	11,480	46,746
II. प्रायोजित परियोजनाओं/योजनाओं के प्रति भुगतान - राज्यों को सहायता	-	**12,11,641**
III. स्थायी परिसंपत्तियों एवं प्रगतिरत पूंजीगत कार्यों पर व्यय		
क. स्थाई परिसंपत्तियाँ (अनुसूची 4)	18,77,826	28,57,406
IV. संविधिक भुगतान सहित अन्य भुगतान		
सप्लायर/ लेनदारों को भुगतान	-	18,34,465
शुल्क एवं कर	1,10,750	1,00,850
देय सामान्य व्यय	11,26,056	22,30,281
देय वेतन व्यय	33,66,442	33,57,338
V. जमा एवं अग्रिम	146,11,276	22,75,281
कार्य निष्पादन गारण्टी	-	6,289
प्रतिभूति जमा	90,100	-
VI. पूंजीगत व्यय हेतु अग्रिम	-	-
VII. अंतिम शेष		
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	-	-
ख. बचत खाते में (एच.क्यू.)	244,94,769	180,03,444
कुल	**1903,05,525**	**1772,64,654**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

अनुसूची-1 – समग्र/पूंजीगत निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
वर्ष के आरंभ में शेष	5268,91,377	(4619,45,178)
जोड़ें : समग्र पूंजीगत निधि में अंशदान	-	-
जोड़ें : पूंजी व्यय हेतु प्रयुक्त सीमा तक भारत सरकार की ओर से अनुदान	90,00,000	37,37,397
जोड़ें : निश्चित निधियों से क्रय की गई परिसंपत्तियां	-	-
जोड़ें : प्रायोजित परियोजनाओं से क्रय की गई परिसंपत्तियां जिस पर संस्था का स्वामित्व है	-	-
जोड़ें : दान स्वरूप प्राप्त परिसंपत्तियां/उपहार	-	-
घटायें : लेखा परीक्षा आपत्ति के अनुसार समायोजन	-	-
जोड़ें : आय तथा व्यय खाते से अंतरित व्यय पर आय की अधिकता	-	-
(घटायें) आय तथा व्यय खाते से अंतरित घाटा	(729,56,480)	(686,83,596)
वर्ष के अंत में शेष	**(5908,47,857)**	**(5268,91,377)**

अनुसूची-2 – निर्धारित/निश्चित/एंडोमेंट निधि

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क		
क. आरंभिक खाता शेष	2,50,835	2,50,835
ख. वर्ष के दौरान परिवर्धन	–	–
ग. निधि से किये गये निवेश से आय	–	–
घ. निवेश/अग्रिम पर प्रोदभूत ब्याज	–	–
ड़. बैक बचत खाते पर ब्याज	–	–
च. अन्य परिवर्धन (श्रेणी निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल (क)	**2,50,835**	**2,50,835**
ख.		
निधियों का निर्धारित उद्देश्य हेतु प्रयोग/व्यय		
i. पूंजीगत व्यय	–	–
ii. राजस्व व्यय	–	–
कुल (ख)	–	–
वर्ष के अंत में अंतिम शेष (क - ख)	2,50,835	2,50,835
प्रस्तुत की गई		
नकद तथा बैंक शेष निवेश	–	–
कुल	**2,50,835**	**2,50,835**

अनुसूची-3 – वर्तमान देयताएं एवं उपबन्ध

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. वर्तमान देयताएं		
1. कर्मचारियों से जमा	-	-
2. विद्यार्थियों से जमा	-	-
3. विविध लेनदार	14,00,733	21,95,225
क. आर.ओ. से	-	-
ख. अन्य	2,63,419	13,30,311
4. जमा-अन्य (ई.एम.डी., प्रतिभूति जमा सहित)	11,37,314	8,64,914
5. सांविधिक देयताएं (जी.पी.एफ., टी.डी.एस., डब्लयू.सी. टैक्स, सी.पी.एफ, जी.आई.एस., एन.पी.एस.)	11,80,679	9,97,750
क. अतिदेय	-	-
ख. अन्य	11,80,679	9,97,750
6. अन्य वर्तमान देयताएं	220,78,817	141,24,116
क. वेतन	34,65,082	33,66,442
ख. प्रायोजित परियोजनाओं के प्रति प्राप्तियां	-	-
ग. प्रायोजित फेलोशिप और छात्रवृत्तियों के प्रति प्राप्तियां	-	-
घ. अप्रयुक्त अनुदान	176,63,044	106,90,917
ड. अग्रिम अनुदान	-	-
च. अन्य निधियां	-	-
छ. अन्य देयताएं	9,50,691	66,757
कुल (क)	**246,60,229**	**173,17,091**
ख. उपबन्ध		
1. कराधान के लिए	-	-
2. उपदान	521,24,445	415,91,642
3. अधिवर्षिता पेंशन	6401,99,741	5927,52,347
4. संचयित छुट्टी नकदीकरण	293,99,030	300,60,038
5. ट्रेड वारंटियां/दावे	-	-
6. व्यय हेतु प्रावधान	-	-
कुल (ख)	**7217,23,216**	**6644,04,027**
कुल (क + ख)	**7463,83,445**	**6817,21,118**

अनुसूची-4 – वर्ष 2017-18 के लिए अचल परिसंपत्तियों की मूल्यह्रास सूची (मूर्त परिसंपत्तियां)

	निवल मूल्य				मूल्यह्रास				शुद्ध ब्लॉक	
राष्ट्रीय बाल भवन+ उपहार मदें	01.04.17 की स्थिति	परिवर्धन	लोप	31.03.18 की स्थिति	31.03.17 तक संचित ह्रास	चालू वर्ष के लिए ह्रास	लोप	31.03.18 को संचित ह्रास	31.03.18 की स्थिति	31.03.17 की स्थिति
भूमि एवं भवन	888,09,236.11	–	–	888,09,236.11	448,47,825.10	17,76,185.00	–	466,24,010.00	421,85,226.01	439,61,411.01
ट्यूबवैल	7,30,212.00	86,709.00	–	8,16,921.00	4,64,244.70	16,338.00	–	4,80,582.70	3,36,338.30	2,65,967.30
विद्युतीय संस्थापन	142,34,744.13	5,74,459.00	–	148,09,203.13	87,61,040.12	6,25,655.90	–	93,86,696.02	54,22,507.11	54,73,704.01
संयंत्र एवं मशीनरी	3,98,226.50	–	–	3,98,226.50	3,70,270.74	14,403.00	–	3,84,673.74	13,552.76	27,955.46
वैज्ञानिक उपकरण	11,81,571.52	4,600.00	–	11,86,171.52	10,66,541.52	10,915.00	–	10,77,456.52	1,08,715.00	1,15,030.00
कार्यालय उपकरण	24,69,217.05	3,35,096.00	–	28,04,313.05	22,91,257.13	53,258.00	–	23,44,515.13	4,59,797.92	1,77,959.55
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	49,19,657.03	2,95,911.00	–	52,15,568.03	38,59,624.84	1,72,986.35	–	40,32,611.19	11,82,956.84	10,60,031.87
वाहन	35,81,222.99	–	33,07,078.99	2,74,143.00	35,81,216.99	2.00	33,07,077.99	2,74,141.00	2.00	5.00
पुस्तकें	9,96,639.00	2,020.00	9,417.00	9,89,242.00	9,84,976.00	11,865.00	9,417.00	9,87,424.00	1,818.00	11,663.00
फर्नीचर और फिक्सचर	149,08,019.81	3,18,612.00	–	152,26,631.81	144,95,906.58	1,54,937.15	–	146,50,843.73	5,75,788.08	4,12,113.23
कम्प्यूटर	86,73,332.00	70,619.00	–	87,43,951.00	86,43,795.00	23,520.00	–	86,67,315.00	76,636.00	29,537.00
विविध	82,57,936.97	–	–	82,57,936.97	75,36,662.61	98,603.00	–	76,35,265.61	6,22,671.36	7,21,274.36
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	54,321.00	51,337.00	–	1,05,658.00	54,321.00	51,337.00	–	1,05,658.00	–	–
कुल	**1492,14,335.11**	**17,39,363.00**	**33,16,495.99**	**1476,37,202.12**	**969,57,682.33**	**30,10,005.40**	**33,16,494.99**	**966,51,192.74**	**509,86,009.38**	522,56,651.79
जवाहर बाल भवन										
भवन, जवाहर बाल भवन	36,25,178.22	–	–	36,25,178.22	10,26,218.64	72,504.00	–	10,98,722.64	25,26,455.58	25,98,959.58
विद्युतीय उपकरण	3,78,899.57	33,040.00	–	4,11,939.57	2,04,244.05	20,598.00	–	2,24,842.05	1,87,097.52	1,74,655.52
ट्यूबबेल	1,89,235.00	–	–	1,89,235.00	84,384.08	3,785.00	–	88,169.08	1,01,065.92	1,04,850.92
संयंत्र एवं मशीनरी	76,339.00	–	–	76,339.00	57,890.02	3,817.00	–	61,707.02	14,631.98	18,448.98
कार्यालयी उपकरण	49,114.00	82,075.00	–	1,31,189.00	31,014.06	9,840.00	–	40,854.06	90,334.94	18,099.94
दृश्य एवं श्रृव्य उपकरण	1,64,846.00	–	–	1,64,846.00	1,38,224.26	11,723.00	–	1,49,947.26	14,898.74	26,621.74
फर्नीचर एवं फिक्सचर	1,87,604.74	96,930.00	–	2,84,534.74	1,55,796.20	20,707.00	–	1,76,503.20	1,08,031.54	31,808.54
वाहन – जवाहर बाल भवन	2,309.00	–	–	2,309.00	2,306.00	2.00	–	2,308.00	1.00	3.53
पुस्तकें – जवाहर बाल भवन	1,128.18	–	–	1,128.18	847.47	113.00	–	960.47	167.71	280.71
विविध	15,552.15	–	–	15,552.15	9,648.67	778.00	–	10,426.67	5,125.48	5,903.48
लघु मूल्य की परिसंपत्तियाँ	1,950.00	450.00	–	2,400.00	1,950.00	450.00	–	2,400.00	–	–
कुल (जवाहर बाल भवन)	**46,92,155.86**	**2,12,495.00**	–	**49,04,650.86**	**17,12,523.45**	**1,44,317.00**	–	**18,56,840.45**	**30,47,810.41**	**29,79,632.94**
कुल जोड़	**1539,06,490.97**	**19,51,858.00**	**33,16,495.99**	**1525,41,852.98**	**986,70,205.78**	**31,54,322.40**	**33,16,494.99**	**985,08,033.19**	**540,33,819.79**	**552,36,284.73**

अनुसूची-4 (क) – अचल परिसंपत्तियां (अमूर्त परिसंपत्तियां)

अमूर्त परिसंपत्तियाँ	01.04.2017 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान खरीद	वर्ष के दौरान बिक्री	31.03.2018 को निवल ब्लॉक	31.03.2017 तक ह्रास	वर्ष 2017-18 के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	कुल ह्रास 31.03.2018 तक	31.03.2018 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2017 को शुद्ध ब्लॉक
एण्टी वायरस और साफ्टवेयर	2,59,644.00	25,718.00	99,750.00	1,85,612.00	1,33,318.00	56,683.00	39,900.00	1,50,101.00	35,511.00	1,26,326.00
कुल 4 क	2,59,644.00	25,718.00	99,750.00	1,85,612.00	1,33,318.00	56,683.00	39,900.00	1,50,101.00	35,511.00	1,26,326.00
कुल जोड़ 4 + 4 क	**1541,66,134.97**	**19,77,576.00**	**34,16,245.99**	**1527,27,464.98**	**988,03,523.78**	**32,11,005.40**	**33,56,394.99**	**986,58,134.19**	**540,69,330.79**	**553,62,610.73**

अनुसूची-5 – निश्चित/एंडोमेंट निधियों से निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. बैंकों में सावधि जमा	–	–
7. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-6 – अन्य निवेश

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. केन्द्रीय सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
2. राज्य सरकार प्रतिभूतियों में	–	–
3. अन्य अनुमोदित प्रतिभूतियां	–	–
4. शेयर	–	–
5. डिबेंचर और बंधपत्र	–	–
6. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
(i) एफ.डी.आर. सामान्य	–	–
(ii) एफ.डी.आर. प्रतिभूति जमा	–	–
कुल	–	–

अनुसूची-7 – वर्तमान परिसंपत्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. स्टॉक	–	–
क. स्टोर्स तथा स्पेयर सामान	–	–
ख. खुले उपकरण	–	–
ग. प्रकाशन	–	–
घ. प्रयोगशाला के रसायन, उपभोज्य पदार्थ तथा शीशे का सामान	–	–
ड़. भवन निर्माण सामग्री	–	–
च. विद्युत संबंधी सामान	–	–
छ. लेखन सामग्री	–	–
ज. जलापूर्ति सामग्री	–	–
2. विविध देनदार	**3,78,085**	**3,78,085**
क. छः माह से अधिक अवधि के बकाया ऋण	3,78,085	3,78,085
ख. अन्य	–	–
3. टी.डी.एस.		
टी.डी.एस. 17-18	12,052	–
3. नकद तथा बैंक शेष	–	–
क. नकद शेष (एच.क्यू.)	–	–
ख. नकद शेष (आर.ओ.)	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में	**244,94,769**	**180,03,444**
बचत खातों में	**244,94,769**	**180,03,444**
सावधि जमा खातों में	–	–
बचत खातों में	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (गैर योजना)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रक्रमण शुल्क पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक प्रतिभूति जमा एच.क्यू. पर	–	–
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया सीमैट एच.क्यू. पर	–	–
आई.सी.आई.सी.आई. बैंक एन.वी.ई.क्यू.एफ. लेखा पर	–	–
क. अनुसूचित बैंकों में (योजनागत)		
बचत खातों पर एच.क्यू. के साथ	–	–
बचत खातों पर आर.ओ. के साथ	–	–
कुल	**248,84,906**	**183,81,529**

अनुसूची-8 – ऋण, अग्रिम एवं जमा

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. कर्मचारियों को अग्रिम : (बिना ब्याज सहित)	**26,800**	**1,005**
क. विविध अग्रिम	–	–
ख. त्यौहार	–	1,005
ग. चिकित्सा अग्रिम	–	–
घ. अग्रदाय अग्रिम	–	–
ड. अन्य (कम्प्यूटर)	–	–
च. एल.टी.सी. अग्रिम	26,800	–
2. कर्मचारियों को दीर्घ अवधि अग्रिम (ब्याज सहित)	**36,389**	**92,427**
क. वाहन ऋण	36,389	74,389
ख. आवास ऋण	–	–
ग. अन्य (कम्प्यूटर)	–	18,038
3. अग्रिम तथा नकद अथवा अन्य प्रकार से वसूली योग्य अन्य राशियां	**767,42,197**	**812,16,205**
क. पूंजी खाते पर		
i सी.पी.डब्लयू डी. को अग्रिम	454,94,996	383,60,215
ख. आपूर्तिकर्ताओं को		
i डी.टी.सी. को अग्रिम	1,59,875	1,59,875
ii राज्यों को सहायता	194,69,271	341,57,858
iii खातों के मुख्य नियंत्रक को अग्रिम (आपूर्ति अनुभाग)	–	–
iv केंद्रीय भंडार को अग्रिम	–	74,525
ग. अन्य पक्ष	–	–
घ. ओ. बी. ए. अग्रिम	102,69,840	73,24,725
ड. सीजीएचएस को अग्रिम	9,76,057	11,37,232
ड. अन्य	3,72,158	1,775
4. पूर्वदत्त व्यय	–	–
क. बीमा	–	–
ख. अन्य व्यय	–	–
5. जमा	**26,800**	**26,800**
क. टेलीफोन	–	–
ख. लीज़/किराया	–	–
ग. बिजली	1,800	1,800
घ. अन्य (जमा)	25,000	25,000
कुल	**768,32,186**	**813,36,437**

अनुसूची-9 – शैक्षिक प्राप्तियां

राशि रुपयों में

विवरण	योजनागत	योजनेत्तर	2017-18	2016-17
विद्यार्थियों से शुल्क				
शैक्षिक				
1. शिक्षा शुल्क			–	–
2. प्रवेश शुल्क			–	–
3. नामांकन शुल्क			–	–
4. पुस्तकालय प्रवेश शुल्क			–	–
5. प्रयोगशाला शुल्क			–	–
6. कला एवं शिल्प शुल्क			–	–
7. पंजीकरण शुल्क			–	–
8. पाठ्यक्रम शुल्क			–	–
कुल (क)			**–**	**–**
परीक्षाएं				
1. दाखिला परीक्षा शुल्क			–	–
2. वार्षिक परीक्षा शुल्क			–	–
3. अंक पत्र, प्रमाण-पत्र शुल्क			–	–
4. प्रवेश परीक्षा शुल्क			–	–
कुल (ख)			**–**	**–**
अन्य शुल्क				
1. पहचान पत्र शुल्क			–	–
2. जुर्माना/विविध शुल्क/दंड शुल्क			–	–
3. चिकित्सा शुल्क			–	–
4. परिवहन शुल्क			–	–
5. छात्रावास शुल्क			–	–
6. संस्थानों से प्रसंस्करण का शुल्क			–	–
7. विविध			–	–
कुल (ग)			**–**	**–**
प्रकाशनों की बिक्री				
1. पाठ्यक्रम एवं प्रश्नपत्रों आदि की बिक्री			–	–
2. प्रवेश प्रपत्रों सहित विवरणिका (प्रोस्पैक्टस) की बिक्री			–	–
3. अन्य			–	–
कुल (घ)			**–**	**–**
अन्य शैक्षिक प्राप्तियां				
1. कार्यशालाओं, कार्यक्रमों के लिए पंजीकरण शुल्क			–	–
2. सदस्यता शुल्क			–	–
कुल (ङ)			**–**	**–**
कुल जोड़ (क+ख+ग+घ+ङ)			**–**	**–**

अनुसूची-10 – अनुदान एवं सब्सिडी (प्राप्त अप्रतिसंहरणीय अनुदान)

राशि रुपयों में

विवरण	मानव संसाधन विकास मंत्रालय				2017-18	2016-17
	पूंजी	एस.सी./एस.टी. के लिये विशेष योजना	वेतन	सामान्य		
पिछले वर्ष का शेष	–	–	106,59,774	31,143	106,90,917	–
वर्ष के दौरान प्राप्तियाँ	90,00,000		756,28,000	825,00,000	1671,28,000	1575,54,000
घटायें : पूंजीगत व्यय के लिए इस्तेमाल (क)	90,00,000	–	–	–	90,00,000	37,37,397
जोड़ें : अप्रयुक्त अनुदान की वापसी	–	–	–	–	–	–
शेष	–	–	**862,87,774**	**825,31,143**	**1688,18,917**	**1538,16,603**
घटायें : प्रयुक्त राजस्व व्यय के लिए इस्तेमाल (ख)			175,24,488	1,38,556	176,63,044	106,90,917
शेष आय एवं व्यय खाते (ग) में ले जाया गया	–	–	**687,63,286**	**823,92,587**	**1511,55,873**	**1431,25,686**

अनुसूची-11 – निवेश से आय

राशि रुपयों में

विवरण	निश्चित/एंडोमेंट		अन्य निवेश	
	2017-18	2016-17	2017-18	2016-17
1. ब्याज				
क. सरकारी प्रतिभूतियों पर	–	–	–	–
ख. अन्य डिबेंचर/बंध पत्र	–	–	–	–
2. सावधि जमा पर ब्याज				
क. पटियाला स्टेट बैंक में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ख. आई.सी.आई.सी.आई. – सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ग. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रतिभूति जमा में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
घ. आई.सी.आई.सी.आई. – प्रसंस्करण शुल्क में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
ड. भारतीय स्टेट बैंक सीमैट में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
च. आई.सी.आई.सी.आई. – एन.वी.ई.क्यू.एफ.में सावधि जमा पर ब्याज	–	–	–	–
(उपरोक्त राशि प्रोदभूत ब्याज सहित दर्शाई गई हैं)				
3. यू.जी.सी. अनुदानों पर ब्याज	–	–	–	–
4. बैंक बचत खातों पर ब्याज	–	–	–	–
5. अन्य (सी.पी.एफ.)	–	–	–	–
कुल	–	–	–	–
निश्चित/एंडोमेंट निधि में अंतरित राशि	–	–	–	–
शेष	**0**	**0**	**0**	**0**

अनुसूची-12 – अर्जित ब्याज

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. अनुसूचित बैंकों के साथ बचत खातों पर		
i. योजनागत		
क. केनरा बैंक	–	5,82,915
ख. एम.एस.जे.ई.	1,63,876	1,66,767
ii. योजनेत्तर		
क. केनरा बैंक योजनेत्तर	–	2,75,165
2. ऋणों पर		
क. कर्मचारी/ स्टाफ	–	–
ख. अन्य	–	–
3. देनदारों तथा अन्य प्राप्ति योग्य मदों पर		
कुल	**1,63,876**	**10,24,847**

अनुसूची-13 – अन्य आय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. भूमि एवं भवन से आय		
1. छात्रावास कक्षों का किराया	3,27,600	–
2. लाईसेंस शुल्क	58,730	–
3. ऑडिटोरियम/खेल के मैदान/सुविधा केन्द्र का बुकिंग शुल्क	–	–
4. वसूले गये बिजली बिल	16,478	–
5. वसूला गया जल शुल्क	–	–
कुल	**4,02,808**	**–**
ख. संस्था के प्रकाशनों की बिक्री	**–**	**1,415**
ग. कार्यक्रम के आयोजनों से आय		
1. वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों से सकल प्राप्ति	–	–
घटायें : वार्षिक कार्यक्रम/खेल आयोजनों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
2. उत्सव/मेला आयोजन से सकल प्राप्तियां	–	–
घटायें : उत्सव/मेला आयोजन पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
3. शैक्षिक भ्रमणों से सकल प्राप्तियां	–	–
घटाएं - शैक्षिक भ्रमणों पर किया गया प्रत्यक्ष खर्च	–	–
4. अन्य (निर्दिष्ट करें तथा अलग से विवरण दें)	–	–
कुल	**–**	**–**
घ. अन्य		
1. परामर्शी सेवाओं से आय	–	–
2. जनसूचना अधिकार शुल्क	–	–
3. रॉयल्टी से आय	–	–
4. आवेदन प्रपत्रों (भर्ती) की बिक्री	–	2,500
5. विविध प्राप्तियां (निविदा प्रपत्र, रद्दी कागज़ आदि की बिक्री)	–	–
6. परिसंपत्तियों की बिक्री/निपटान पर लाभ	1,24,998	–
क. स्वामित्व वाली परिसंपत्तियां	–	–
ख. नि:शुल्क प्राप्त परिसंपत्तियां	–	–
7. संस्थाओं, अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं तथा कल्याणकारी संस्थाओं से प्राप्त दान/अनुदान	–	–
8. अन्य	2,25,693	32,359
9. गत अवधि की आय	–	–
10. ट्राई (TRAI) से वसूली	–	–
11. कर्मचारियों के वेतन से वसूली	4,37,358	4,11,902
12. सामान्य वसूली	1,939	–
कुल	**7,89,988**	**4,46,761**
सर्वयोग (क+ख+ग+घ)	**11,92,796**	**4,48,176**

अनुसूची-14 – गत अवधि की आय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. शैक्षिक प्राप्तियां	–	2,05,000
2. निवेश से आय	–	–
3. अर्जित ब्याज	–	–
4. अन्य आय	–	6
कुल	–	2,05,006

अनुसूची-15 – कर्मचारी वेतन एवं हितलाभ (स्थापना व्यय)

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. वेतन एवं मजदूरी	421,87,048	434,39,534
ख. भत्ते एवं बोनस	351,14,121	390,44,776
ग. एल.टी.सी. सुविधा	4,07,216	1,50,670
उप-जोड़	**777,08,385**	**826,34,980**
घ. भविष्य निधि में योगदान	2,89,088	28,233
ड़. एनपीएस में योगदान	11,45,270	8,91,916
च. स्टाफ कल्याण पर व्यय	–	1,57,210
छ. सेवानिवृत्ति लाभ	878,02,623	836,14,600
ज. चिकित्सा सुविधा	14,57,700	21,53,887
झ. संतान शिक्षा भत्ता	5,98,397	5,71,348
ञ. जीवन निर्वाह भत्ता	–	–
ट. मानदेय	–	5,000
ठ. छुटी वेतन, पेंशन एवं ग्रेच्युटी अंशदान	22,760	96,273
उप-जोड़	**910,55,838**	**875,18,467**
जोड़	**1687,64,223**	**1701,53,447**

अनुसूची-15 क – कर्मचारियों को सेवानिवृत्ति एवं सेवावसान लाभ

राशि रुपयों में

विवरण	पेंशन	ग्रेच्यूटी	छुट्टी नकदीकरण	जोड़
क. 01.04.2017 को प्रारम्भिक शेष	5927,52,347	415,91,642	300,60,038	6644,04,027
ख. घटायें : वर्ष के दौरान वास्तविक भुगतान				
(i) वर्ष के दौरान अदा किये गए सेवानिवृत्ति लाभ मासिक पेंशन सहित	219,78,546	51,79,199	33,25,689	304,83,434
(ii) वर्ष के दौरान छुट्टी नकदीकरण			–	–
ग. शेष उपलब्ध	**5707,73,801**	**364,12,443**	**267,34,349**	**6339,20,593**
घ. वास्तविक मूल्यांकन के अनुसार 31.03.2018 को अपेक्षित प्रावधान	6401,99,741	521,24,445	293,99,030	7217,23,216
ड़. चालू वर्ष में किए जाने वाले प्रावधान (घ-ग)	**694,25,940**	**157,12,002**	**26,64,681**	**878,02,623**

अनुसूची-16 – शैक्षिक व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. प्रयोगशाला व्यय	–	–
ख. क्षेत्रकार्य/सम्मेलनों में भाग लेना	–	–
ग. सेमिनार/कार्यशाला व्यय	43,28,773	65,35,905
घ. अतिथि अध्यापकों को भुगतान	3,10,000	64,000
ड़. सीमैट एवं जी.पी.ए.टी. परीक्षा	–	–
च. विद्यार्थी कल्याण व्यय	19,80,000	29,97,832
छ. दाखिला व्यय	–	–
ज. दीक्षांत व्यय	–	–
झ. प्रकाशन	87,537	–
ञ. वृत्तिका सह मैरिट वजीफा	–	–
ट. अभिदान व्यय	–	–
ठ. अन्य (निर्दिष्ट करें)	8,10,444	1,81,950
ड. पुरस्कार वितरण व्यय	19,75,221	–
कुल	**94,91,975**	**97,79,687**

अनुसूची-17 – प्रशासनिक तथा सामान्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. आधारभूत संरचना		
क. बिजली	46,31,674	50,04,189
ख. जल शुल्क	7,13,420	6,60,524
ग. बीमा	–	–
घ. किराया, दर तथा टैक्स (प्रोपर्टी टैक्स सहित)	16,06,003	28,08,990
ख. संचार		
ड. पोस्टेज तथा लेखन सामग्री	31,440	96,152
च. टेलीफोन, फैक्स तथा इंटरनेट प्रभार	3,42,053	3,15,084
ग. अन्य		
छ. मुद्रण तथा लेखन सामग्री (उपभोज्य)	4,17,750	6,53,944
ज. यात्रा तथा परिवहन व्यय	17,821	89,690
झ. सत्कार	29,609	3,49,020
ञ. लेखा परीक्षकों का पारिश्रमिक	1,72,125	65,580
ट. व्यवसायिक प्रभार	3,09,654	3,72,077
ठ. विज्ञापन एवं प्रचार	5,25,393	3,70,595
ड़. पत्रिकाएं एवं जरनल	17,444	5,325
ढ. वार्षिक अनुरक्षण प्रभार	–	2,163
ण. गैर-अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	2,66,646	–
त. अधिकारिक टी.ए/डी.ए. व्यय	–	33,791
थ. स्थानांतरण टी.ए/डी.ए. व्यय	–	8,820
द. कार्यशाला अभिलेखागार और उपकरणों पर व्यय	–	–
ध. विविध कार्यालयी व्यय	2,98,603	3,58,861
न. बागवानी व्यय	–	21,900
प. कार्यक्रम संबंधी कार्यकलाप	1,18,572	6,31,286
फ. गृह प्रबंध एवं सुरक्षा	158,64,484	101,32,872
ब. कार्यालयी व्यय	15,674	4,25,221
भ. अतिथि गृह/आवास व्यय	–	–
म. आंतरिक प्राप्तियां व्यय	–	1,00,882
य. विद्यार्थी कल्याण व्यय	–	1,975
र. बा.भ.के. व्यय	18,00,000	–
ल. बा.भ.के. परियोजना व्यय	137,07,750	–
कुल	408,86,115	225,08,941

अनुसूची-18 – परिवहन व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. वाहन (संस्था के स्वामित्व वाले वाहन)		
क. वाहन चलाने संबंधी व्यय	1,28,232	95,202
ख. मरम्मत एवं अनुरक्षण	9,655	29,898
ग. बीमा व्यय	2,988	3,035
घ. कार पार्किंग व्यय	–	–
2. किराये/लीज़ पर लिये गये वाहन	–	–
क. किराया/लीज़ संबंधी व्यय	–	–
3. वाहन (टैक्सी) किराये पर लेने का व्यय	18,980	1,28,168
कुल	**1,59,855**	**2,56,303**

अनुसूची-19 – मरम्मत एवं अनुरक्षण

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. भवन	4,95,960	1,65,046
ख. फर्नीचर एवं साज-सज्जा	66,474	55,613
ग. पौधे एवं मशीनरी	–	5,23,241
घ. कार्यालय उपकरण	2,81,264	2,97,796
ड. संगीत/वाद्य यंत्र	35,400	–
च. दृश्य श्रव्य उपकरण	43,211	96,082
छ. साफ-सफाई संबंधी सामग्री एवं सेवाएं	9,281	21,515
ज. उपकरण	78,660	–
झ. बागवानी	18,263	29,212
ञ. बिजली का सामान	3,55,797	5,28,618
ट. अन्य (मरम्मत)	4,45,918	80,742
कुल	**18,30,228**	**17,97,865**

अनुसूची-20 – वित्त लागत

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. बैंक शुल्क	11,480.00	–
ख. अन्य (निर्दिष्ट करें)	–	–
कुल	11,480.00	–

अनुसूची-21 – अन्य व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
क. अशोध्य/संदिग्ध ऋण/अग्रिमों हेतु की गई व्यवस्था	–	–
ख. काट दिये गये अप्राप्य शेष	–	–
ग. अन्य संस्थाओं/संगठनों को दी गई सब्सिडी/अनुदान	–	–
घ. अन्य (बैंक प्रभार)	–	57,104
ड़. स्थायी परिसंपत्तियों से हानि	–	–
कुल	–	**57,104**

अनुसूची-22 – गत अवधि के व्यय

राशि रुपयों में

विवरण	2017-18	2016-17
1. स्थापना व्यय	–	–
2. शैक्षिक व्यय	–	–
3. प्रशासनिक व्यय	10,79,519	38,92,465
4. परिवहन व्यय	–	–
5. मरम्मत एवं अनुरक्षण	–	–
6. अन्य व्यय	74,525	61,410
कुल	11,54,044	**39,53,875**

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता – 31 मार्च 2018 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2017-18	2016-17	परिसम्पत्तियाँ	2017-18	2016-17
पूंजीगत खाता			**स्थायी परिसम्पत्तियाँ**		
प्रारक्षित एवं सरप्लस			श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	1,26,705	2,20,453
आरम्भिक शेष	162,72,618	93,32,517	विद्युत अवस्थापन उपकरण	1,40,627	1,24,063
जोड़ : व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	68,13,148	69,40,101	फर्नीचर व फिक्चर	1,86,086	2,05,251
31.03.2017 को शेष	230,85,766	162,72,618	कार्यालय उपकरण	9,81,594	5,84,421
ऋण देयतायें			कम्प्यूटर व सहायक मदें	4,725	9,450
गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	–	–	ट्यूबवैल व पानी आपूर्ति	17,541	17,914
			पौधे एवं मशीनरी	2,28,380	–
			कम लागत की परिसम्पत्तियाँ	–	–
			विविध परिसम्पत्तियाँ	1,04,508	1,10,314
				17,90,166	**12,71,866**
वर्तमान देयताएं			**वर्तमान परिसम्पत्तियाँ**		
शुल्क एवं कर	–	–	ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)	5,75,856	7,01,921
फुटकर देनदार	–	–	बैंक खाते	211,45,436	143,53,141
ईएमडी/प्रतिभूति जमा	7,469	7,469			
रा.बा.भ. मुख्य को देय राशि (देयताएं)	3,70,383	–		**217,21,292**	**150,55,062**
देनदान (प्रतिभूति जमा) की अवरूद्ध राशि	17,016	17,016			
वापसी योग्य प्रतिभूति जमा	30,825	29,825			
	425,693	**54,310**			
जोड़	**235,11,459**	**163,26,928**	**जोड़**	**235,11,459**	**163,26,928**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2017-18	2016-17	आय	2017-18	2016-17
प्रशासनिक व्यय	4,51,609.00	–	मान्यता प्रदत्त शुल्क	1,53,000.00	82,213.00
मरम्मत और रख-रखाव	7,17,618.00	1,28,024.00	बाल भवन केन्द्र-प्राप्तियाँ	83,550.00	15,942.00
बैंक प्रभार	1,241.00	3,458.00	किराया प्राप्त	13,600.00	–
वाहन व्यय	–	–	छात्रावास प्रभार – प्राप्तियाँ	28,37,240.00	25,73,520.00
ह्रास	3,46,772.00	1,10,575.00	सदस्यता शुल्क	13,19,200.00	11,83,982.00
मनोरंजन व्यय	–	19,135.00	सदस्यता शुल्क – जेबीबी मांडी	7,250.00	2,816.00
उपहार वितरण व्यय	–	10,929.00	विविध प्राप्तियाँ	19,90,206.00	15,66,524.00
हाउस कीपिंग प्रभार (आउटसोर्स)	2,63,684.00	–	टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	32,000.00	–
छात्रावास मैस प्रभार	2,28,504.00	2,88,141.00	प्रवेश पत्र फार्म की बिक्री	1,08,806.00	31,148.00
छात्रावास व्यय – अन्य	3,290.00	–	प्रवेश टिकट बिक्री	7,24,460.00	7,50,575.00
मुद्रण व लेखन सामग्री	9,124.00	6,788.00	सूचना फोल्डर की बिक्री	30.00	9,470.00
छोटी रेलगाड़ी चलाने पर व्यय	33,191.00	–	ट्रेन टिकट की बिक्री	13,11,470.00	10,03,495.00
टैंट प्रभार	2,77,333.00	–			
विविध व्यय	11,020.00	–	प्राप्त बैंक ब्याज	5,75,722.00	2,95,595.00
बैठक व सभागार व्यय	–	7,129.00	प्रभारित विद्युत व्यय	–	–
विगत अवधि व्यय	–	2,000.00	जल उपयोग प्रभार	–	–
			स्कूल सदस्यता शुल्क	–	1,000.00
व्यय से ऊपर अतिरिक्त आय	68,13,148.00	69,40,101.00			
जोड़	**91,56,534.00**	**75,16,280.00**	**जोड़**	**91,56,534.00**	**75,16,280.00**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

आन्तरिक प्राप्तियाँ खाता
31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	अदायगियां	2017-18	2016-17
प्रारम्भिक शेष			**वर्तमान देयतायें**		
बैंक	143,53,141	71,35,937	ईएमडी/ प्रतिभूति जमा	–	–
			प्लान शीर्ष राशि	–	–
ऋण (देयता)			देनदारों की अवरूद्ध राशि	–	–
गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	–	–	शुल्क एवं कर	18,832	115
			फुटकर लेनदार	–	–
ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्ति)			**ऋण (देयता)**		
प्लान शीर्ष व्यय (अग्रिम)	3,70,548	4,92,679	गैर-प्लान राशि अन्तरण (एनबीबी)	–	947
ओबीए चालू खाता	1,65,760	–			
			स्थायी परिसम्पत्तियाँ		
प्रत्यक्ष आय			कार्यालय उपकरण	4,07,400	–
मान्यता शुल्क	1,53,000	82,213	पौधे एवं मशीनरी	2,40,400	–
बीबीके - प्राप्तियाँ	83,550	15,942	लघु कीमत की परिसम्पत्तियाँ	1,92,377	–
छात्रवास प्रभार प्राप्तियाँ	28,37,240	25,73,520	फर्नीचर और फिक्चर	–	28,000
सदस्यता शुल्क	13,19,200	11,83,982	डेजर्ट कूलर	–	–
सदस्यता शुल्क - जेबीबी मांडी	7,250	2,816	विद्युत अवस्थापन व उपकरण	24,896	–
विविध प्राप्तियाँ	19,90,206	15,66,524	साईन बोर्ड	–	–
टूर्नामैंट के लिए भागीदारी	32,000	–	ट्यबबैल व जल आपूर्ति	–	–
प्राप्त किराया	13,600	–	श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	–	1,80,969
प्रवेश फार्म की बिक्री	1,08,806	31,148	विविध परिसम्पत्तियाँ	–	1,16,120
प्रवेश टिकट की बिक्री	7,24,460	7,50,575	**ऋण एवं अग्रिम (परिसम्पत्तियाँ)**		
जानकारी फोल्डर की बिक्री	30	9,470	ओबीए चालू खाता	–	–
ट्रेन टिकट की बिक्री	13,11,470	10,03,495	मा.स.वि.मंत्रालय	21,028	–

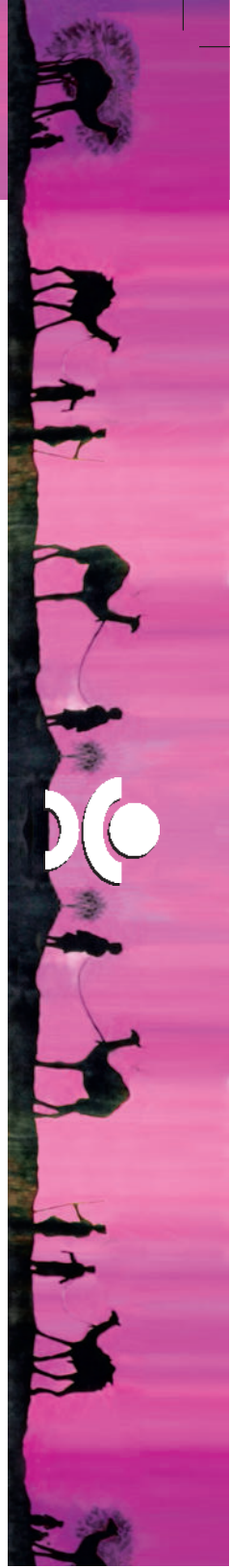

अप्रत्यक्ष आय			**अप्रत्यक्ष व्यय**		
अन्य आय	–	1,000	बैंक प्रभार	1,241	3,458
बैंक ब्याज प्राप्ति	5,75,722	2,95,595	छात्रावास मैस प्रभार	2,28,504	2,88,141
			विविध व्यय	11,020	–
वर्तमान देयताएं			मरम्मत और रख-रखाव	6,43,989	77,795
ई.एम.डी./प्रतिभूति जमा	1,000	–	विगत अवधि व्यय	–	2,000
वयस्क शिक्षा निदेशालय	36,000	–	शैक्षिक व्यय	4,87,609	–
			छात्रावास व्यय - अन्य	3,290	–
			साफ-सफाई पर व्यय	2,63,684	–
			छोटी रेलगाड़ी को चलाने पर व्यय	33,191	–
			मुद्रण एवं लेखन सामग्री	9,124	6,788
			क्लिनिंग सामग्री सेवायें	73,629	50,229
			मनोरंजन पर व्यय	–	19,135
			उपहार वितरण व्यय	–	10,929
			बैठक एवं सभागार व्यय	–	7,129
			टैंट प्रभार	2,77,333	–
			अन्तिम शेष		
			बैंक	67,92,295	143,53,141
जोड़	**240,82,983**	**151,44,896**	**जोड़**	**240,82,983**	**151,44,896**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

आन्तरिक प्राप्ति खाता

अनुसूची-4 : स्थायी परिसंपत्ति – 31 मार्च 2018 को परिसंपत्तियों के मूल्यह्रास की सूची

परिसंपत्तियों का नाम	01.04.2017 को निवल ब्लॉक	वर्ष के दौरान खरीद	वर्ष के दौरान बिक्री	31.03.2018 को निवल ब्लॉक	31.03.2017 तक ह्रास	वर्ष 2017-18 के लिए ह्रास	कटौतियाँ/ समायोजन	कुल ह्रास 31.03.2018 तक	31.03.2018 को शुद्ध ब्लॉक	31.03.2017 को शुद्ध ब्लॉक
ट्यूबवैल व जल आपूर्ति	18,660			18,660	746	373	–	1,119	17,541	17,914
विद्युत अवस्थापन व उपकरण	1,41,741	24,896		1,66,637	17,678	8,332	–	26,010	1,40,627	1,24,063
कार्यालयी उपकरण	7,29,496	4,07,400		11,36,896	1,45,075	85,267	–	2,30,342	9,06,554	5,84,421
श्रृव्य एवं दृश्य उपकरण	2,49,429	–		2,49,429	28,977	18,707	–	47,684	2,01,745	2,20,452
कम्प्यूटर एवं सहायक उपकरण	23,625	–		23,625	14,175	4,725	–	18,900	4,725	9,450
फर्नीचर एवं साज-सज्जा	2,55,538	–		2,55,538	50,287	19,165	–	69,452	1,86,086	2,05,251
पौधे एवं मशीनरी	–	2,40,400		2,40,400	–	12,020	–	12,020	2,28,380	–
विविध परिसम्पत्तियाँ (सी.एन.जी. कनेक्शन)	1,16,120	–		1,16,120	5,806	5,806		11,612	1,04,508	1,10,314
कम मूल्य की परिसम्पत्तियाँ	1,79,372	1,92,377	–	3,71,749	1,79,372	1,92,377	–	3,71,749	–	–
कुल एन.बी.बी. (क)	17,13,981	8,65,073	–	25,79,054	4,42,115	3,46,772	–	7,88,888	17,90,166	12,71,865

जी.पी.एफ खाता – 31 मार्च 2018 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2017-18	2016-17	परिसंपत्तियां	2017-18	2016-17
पूंजी खाता			**निवेश**		
रिजर्व एवं अधिशेष			केनरा बैंक में सावधि जमा	–	609,19,994
प्रारंभिक शेष	14,31,584	16,00,866			
व्यय पर आय की अधिकता	7,92,167	1,69,282			
अंतिम शेष	**6,39,417**	**14,31,584**			
ऋण (देयताएं)			सरकारी प्रतिभूति	2,13,030	2,13,030
सामान्य भविष्य निधि			जी.पी.ओ. नई दिल्ली	16,759	16,759
01.04.2017 को आरंभिक शेष	624,71,748	565,80,548	प्रोदभूत ब्याज परंतु देय नहीं	–	7,93,416
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	86,60,800	92,23,000			
जोड़ें : ब्याज	45,33,874	46,65,641	**वर्तमान परिसंपत्तियां**		
घटाएं : आहरण/अंतिम भुगतान	114,14,823	79,97,441	हाथ रोकड़	–	–
अंत शेष	**642,51,599**	**624,71,748**	बैंक खाते	658,40,479	31,18,859
			टी.डी.एस.	16,29,775	11,45,428
अंशदायी भविष्य निधि					
01.04.2017 को आरंभिक शेष	23,04,154	18,39,149			
जोड़ें : अभिदान (सब्सक्रिप्शन)	3,13,016	3,04,664			
जोड़ें : ब्याज	1,91,857	1,60,341			
घटाएं : आहरण	–				
अंत शेष	**28,09,027**	**23,04,154**			
कुल	**677,00,043**	**662,07,486**	**कुल**	**677,00,043**	**662,07,486**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

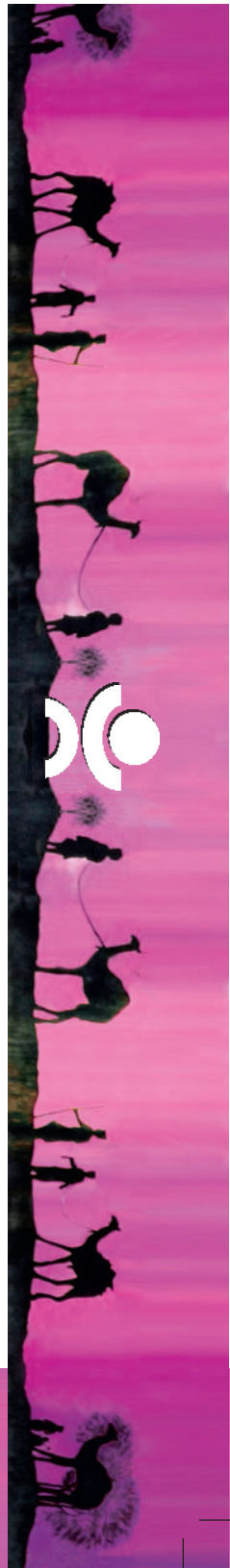

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2017-18	2016-17	आय	2017-18	2016-17
प्रत्यक्ष व्यय			**अप्रत्यक्ष आय**		
जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	47,45,375	46,65,641	सावधि जमा पर ब्याज (सकल)	40,27,876	44,70,435
सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	1,91,857	1,60,341	बचत खातों पर प्राप्त ब्याज	1,17,326	1,86,265
बैंक प्रभार	137	–			
व्यय पर आय की अधिकता	–	–	आय पर व्यय की अधिकता	7,92,167	1,69,282
कुल	**49,37,369**	**48,25,982**	**कुल**	**49,37,369**	**48,25,982**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

जी.पी.एफ. खाता
31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	अदायगियां	2017-18	2016-17
आरंभिक शेष			**ऋण (देयताएं)**		
बैंक	31,18,859	64,75,364	जी.पी.एफ. से आहरण	114,14,823	77,85,977
			सी.पी.एफ से आहरण	-	-
प्राप्त अंशदान			**प्रत्यक्ष व्यय**		
जी.पी.एफ. अभिदान (कर्मचारियों का)	86,60,800	92,23,000	जी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	2,11,501	2,11,464
			सी.पी.एफ. पर दिया गया ब्याज	-	-
सी.पी.एफ. अंशदान					
कर्मचारियों का अभिदान	2,84,000	2,76,500	बैंक प्रभार	137	-
मंडल का अंशदान	29,016	28,164			
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	1,17,326	1,86,265	**निवेश**		
मियादी जमा पर ब्याज (निवल)	36,25,089	40,71,973	विजया बैंक में एफ.डी.आर.	-	-
परिपक्व एफ.डी.आर.	-	-	केनरा बैंक में एफ.डी.आर.	450,00,000	659,19,994
केनरा बैंक	1059,19,994	480,51,722			
विजया बैंक	-	87,23,306			
आई.डी.बी.आई. बैंक	-	-			
अन्य प्राप्तियां			**अंत शेष**		
वर्ष में प्राप्त	7,11,856	-	बैंक	658,40,479	31,18,859
कुल	**1224,66,940**	**770,36,294**	**कुल**	**1224,66,940**	**770,36,294**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2018 को तुलनपत्र

राशि रुपयों में

देयताएं	2017-18	2016-17	परिसंपत्तियां	2017-18	2016-17
वर्तमान देयताएं					
आरंभिक शेष	1,42,180.00	1,35,430.00	बैंक में शेष	1,47,617.00	1,42,180.00
		-			
व्यय पर आय की अधिकता	5,437.00	6,750.00			
अंत: शेष	1,47,617.00	1,42,180.00			
कुल	**1,47,617.00**	**1,42,180.00**		**1,47,617.00**	**1,42,180.00**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता
31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए आय एवं व्यय खाता

राशि रुपयों में

व्यय	2017-18	2016-17	आय	2017-18	2016-17
			प्राप्त ब्याज		
बैंक प्रभार	39.00	6.00	केनरा बैंक से	5,476.00	7,812.00
एन.एस.डी.एल.	–	19,088.00			
			प्राप्त अंशदान		
			कर्मचारियों से	–	9,016.00
			नियोक्ता से	–	9,016.00
व्यय पर आय की अधिकता	5,437.00	6,750.00			
कुल	**5,476.00**	**25,844.00**	**कुल**	**5,476.00**	**25,844.00**

स.ले.अधिकारी	परामर्शदाता (वित्त)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

एन.पी.एस. खाता

31 मार्च 2018 को समाप्त हुए वर्ष के लिए प्राप्ति तथा अदायगी खाता

राशि रुपयों में

प्राप्तियां	2017-18	2016-17	अदायगियां	2017-18	2016-17
आरंभिक शेष			एन.एस.डी.एल. में अंतरण		
बैंक	1,42,180.00	1,35,430.00	पुराना शेष अंतरण	–	1,056.00
प्राप्त अंशदान			**अंशदान का भुगतान**		
कर्मचारियों का अंशदान	10,56,189.00	9,016.00	कर्मचारियों का अंशदान	10,56,189.00	9,016.00
नियोक्ता का अंशदान	10,56,189.00	9,016.00	नियोक्ता का अंशदान	10,56,189.00	9,016.00
			बैंक प्रभार	39.00	6.00
प्राप्त ब्याज					
बचत खाते पर ब्याज	5,476.00	7,812.00			
			अंतिम शेष		
			बैंक	1,47,617.00	1,42,180.00
कुल	**22,60,034.00**	**1,61,274.00**	**कुल**	**22,60,034.00**	**1,61,274.00**

स.ले.अधिकारी | परामर्शदाता (वित्त) | उप-निदेशक(प्रशा.) | निदेशक

महत्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखे

क. वित्तीय विवरण परम्परागत रूप से लागत के आधार पर तैयार किये जाते हैं। यदि और कोई विशेष निर्देश न दिया गया हो तो सामान्यत: इन्हें प्रोद्भवन पद्धति के आधार पर तैयार किया जाता है।

ख. राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा जी.पी.एफ. एन.पी.एस. तथा मुख्य खाता आदि के लिए अलग-अलग लेखे तथा उत्पन्न निधि तैयार किये जाते हैं।

ग. शुल्क/अभिदान के रूप में प्राप्त सभी राशियों तथा अप्रयुक्त अनुदान की वापसी का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है।

2. सहायता एवं अनुदान

अनुदान का लेखा प्राप्तियों के आधार पर किया जाता है तथा पूंजीगत प्रकार के व्ययों को छोड़कर इन्हें आय तथा व्यय खाते में क्रेडिट पक्ष में लिखा जाता है। (इस राशि को सीधे पूंजीगत निधि में क्रेडिट किया जाता है।)

3. अचल परिसंपत्तियां तथा मूल्यह्रास

क. अचल परिसंपत्तियों का विवरण अधिग्रहण की कीमत में से मूल्यह्रास को घटाकर दिया जाता है। राष्ट्रीय बाल भवन को उपहार के तौर पर प्राप्त अचल परिसंपत्तियों को संस्थान की परिसंपत्तियों के साथ ही मिला कर लिखा गया है। उपहार के रूप में प्राप्त पुस्तकों का लेखा उनकी विक्रय कीमत के आधार पर किया जाता है।

ख. अप्रचलित/सेवा के अयोग्य परिसंपत्तियों, यदि कोई हो, तो उनकी बिक्री से प्राप्त आय को 'विविध प्राप्तियां' शीर्ष के अंर्तगत दिखाया जाता है।

4. मूल्यह्रास

4.1 इस वर्ष के दौरान मूल्यह्रास मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से जारी लेखों के मानकीकरण हेतु निश्चित किये गये नये फार्मेट में दी गई निर्धारित दरों पर सीधी रेखा पद्धति के आधार पर प्रभारित किया गया है। इससे पहले अचल परिसंपत्तियों पर कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता था।

4.2 वर्ष के दौरान अचल परिसंपत्तियों में परिवर्धन की स्थिति में मूल्यह्रास पूरे वर्ष के लिए लगाया जाता है तथा अचल परिसंपत्तियों से राशि घटाने के मामले में कोई मूल्यह्रास नहीं लगाया जाता।

5. विशिष्ट व्यय/अदायगी

क. मुद्रण एवं लेखन सामग्री

मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर खर्च की गई राशि को प्रोदभूत होने पर व्यय के रूप में लिखा जाता है। अंतिम स्टॉक के लेखों में इसके लिए कोई समायोजन नहीं किया जाता क्योंकि इसकी लागत निश्चित नहीं है।

ख. टेलीफोन जमा राशि

टेलीफोन तथा अनुषंगी सुविधाओं के लिए जमा को स्थापना/इनके लगने के वर्ष के दौरान बट्टे खाते डाल दिया गया है और निवल मूल्य के लिए प्रभारों/व्यय की गणना की गई है।

6. सभी जमा/निवेश पर ब्याज का लेखा भी प्रोदभवन आधार पर किया जाता है।

7. कर्मचारियों का वेतन/हितलाभ

क. राष्ट्रीय बाल भवन के सभी कर्मचारियों पर कुल मिलाकर केन्द्रीय सरकारी कर्मचारी सेवा नियम लागू होते हैं।

ख. सेवानिवृत्ति हित लाभों का लेखाकरण मानक संख्या 15 के अनुसार अनुमोदित मूल्यांकक द्वारा बीमांकक मूल्यांकन के आधार पर किया जाता है।

ग. राष्ट्रीय बाल भवन अपने कर्मचारियों के लिए अलग से भविष्यनिधि खाता अनुरक्षित रखता है।

तैयार किया गया	जांच किया गया	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

लेखा नोट्स

1. संसद द्वारा अनुमोदित बजट के आधार पर सरकार की ओर से प्राप्त अनुदान राष्ट्रीय बाल भवन की प्राप्तियों का प्रमुख स्रोत है। प्राप्त अनुदान (पूंजीगत प्रकृति के व्ययों के समायोजन के पश्चात) का लेखा आय तथा व्यय खाते में किया जाता है, यद्यपि राष्ट्रीय बाल भवन की वास्तविक आय इन प्रतिबंधों के चलते शून्य है कि सरकार के आदेश के बिना अनुदानों का अप्रयुक्त शेष एक वित्त वर्ष से अगले वित्त वर्ष में अंतरित नहीं किया जा सकता है। इस प्रकार राष्ट्रीय बाल भवन की कोई टैक्स देयता नहीं बनती।

2. स्थापना पर व्यय, मुद्रण तथा लेखन सामग्री पर व्यय आदि का लेखा लेखाकरण नीति के अनुसार किया गया है।

3. अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम एवं जमा) में 341.58 लाख रूपये की राशि को राज्यों की सहायता राशि के रूप में दिखाया गया है जोकि 31 मार्च 2017 तक बकाया थी क्योंकि राज्य बाल भवनों से उपयोग प्रमाण-पत्र प्राप्त नहीं हुए थे।

4. डीटीसी से पुन: प्राप्त करने योग्य के रूप में 1.60 लाख रु की राशि को अग्रिम राशि के रूप में दिखाया गया है (जो कि पिछले वर्ष का 1.60 लाख है)। कुल अग्रिमों से 40.80 लाख रु डीडीसी को दिये गये थे। उनके संबंध में पिछले वर्ष 39.20 लाख रु की राशि को पहले से ही निपटाया जा चुका है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है शेष 1.60 लाख रु की राशि की वसूली अभी तक नहीं की गई है, इसलिये यह सलाह दी जाती है कि उक्त राशि को बट्टे खाते में डाला जाये और उक्त बही-खाता को बंद कर दिया जाये।

5. 31.03.2018 तक के संबंध में अनुसूची 8 (ऋण, अग्रिम और जमा) के अनुसार 454.95 लाख रु की अग्रिम राशि सीपीडब्लूडी को चुकायी गई है। (जो कि पिछले वर्ष 383.60 लाख रु थी)।

6. चालू वर्ष में शून्य रु की पूर्व अवधि आय और 11,54,044/- रु की पूर्व अवधि व्यय को निर्धारित किया गया है।

7. पिछले वर्षों में विशेष परियोजना हेतु एम.एस.जे.ई. के लिए 44,26,363/- रुपये की राशि (गत वर्ष 4262523/-) ब्याज सहित प्राप्त हुई थी जो 31 मार्च 2018 तक रा.बा.ब. के पास अप्रयुक्त बकाया थी।

8. 8,759 रु की राशि को शेष राशि के रूप में दिखाई गई है जो कि काफी समय से जम्मू और कश्मीर बैंक में है। जैसा कि हमें सूचित किया गया है बैंक शाखा कश्मीर में थी एवं अभी इसका पता नहीं लग पा रहा है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि इसे बट्टे-खाते में डाला जाये।

9. 3,78,085/- रु के विविध देनदारों (अनुसची-7) का अभी तक पता नहीं चल पाया है और जैसा कि 4 वर्षों से भी अधिक समय से राशि बकाया है, अत: इस संबंध में यह सलाह दी जाती है कि यदि उक्त की वसूली नहीं हो सकती है तब शेष राशि को बट्टे खाते में डाला जाये।

10. प्रशासनिक व्यय (अनुसूची-17) के तहत बीबीके व्यय के रूप में 18,00,000/- की राशि के साथ 1,37,07,750/- रु की राशि को बीबीके परियोजना व्यय के रूप में दिखाया गया है जो कि उन अग्रिमों से संबंधित है जिसे बहुत पहले राज्य बाल भवनों को दिये गये थे।

11. प्रदत्त और वसूली योग्य दर्शाए गए अग्रिमों को संबंधित पक्ष/ विभाग से अन्तिम बिल की प्राप्ति/ रसीद मिलने पर अन्तिम शीर्ष में समायोजित कर दिया गया है।

12. राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन के विचार में, वर्तमान परिसंपत्तियों पर ऋण तथा अग्रिमों का मूल्य सामान्यत: वसूली पर होगा, यह कम से कम तुलन-पत्र में दर्शायी गयी राशि के बराबर होगा। सभी देयताओं (जिनकी जानकारी है) के लिए उपबंध कर दिया गया है।

13. इस संस्थान की आय आयकर अधिनियम की धारा 10 (23 सी) के अंतर्गत आयकर से छूट प्राप्त है। इसलिए इन लेखों में कर के लिए कोई उपबंध नहीं किया गया है।

14. प्रारंभिक शेषों का सत्यापन प्रबंधक द्वारा किया गया है और हम इस पर निर्भर हैं।

15. जहां कहीं आवश्यकता अनुभव हुई, पिछले वर्ष के आंकड़ों का पुन: समूहन किया गया है।

16. अंतिम लेखों में आंकड़ों को नजदीकी रुपये तक परिवर्तित कर दिया गया है।

स.ले.अधिकारी	प्रारामर्शदाता (वित)	उप-निदेशक(प्रशा.)	निदेशक

भाग ग

लेखा रिपोर्ट

2017-18

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN

कार्यालय महानिदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय व्यय)
Office of the Director General of Audit, (Central Expenditure)
इन्द्रप्रस्थ एस्टेट, नई दिल्ली–110 002
Indraprastha Estate, New Delhi-110002

सत्यमेव जयते

ए.एम.जी–IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-7/2018-19/ दिनाँक : 23.08.18

सेवा में,

सचिव, भारत सरकार,
मानव संसाधन विकास मंत्रालय,
विद्यालयी शिक्षा एवं साक्षरता विभाग
शास्त्री भवन, नई दिल्ली–110001

विषय : वर्ष 2017-18 के लिए राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के लेखाओं पर पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन

महोदया/महोदय

मैं, राष्ट्रीय बाल भवन, नई दिल्ली के वर्ष 2017-18 के प्रमाणित वार्षिक लेखे की प्रति उसके प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित संसद के पटल पर रखने के लिए संलग्न करता हूँ।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब वे संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

कृपया यह सुनिश्चित किया जाये कि पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन को संसद के दोनों सदनों के समक्ष प्रस्तुत करने से पहले वार्षिक लेखाओं को शासी निकाय (Governing Body) द्वारा अनुमोदित अवश्य करा लिया जाये तथा यह भी सुनिश्चित करें कि 2017-18 के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र को संसद के पटल पर रखने से पहले सभी पूर्व वर्षों के लेखापरीक्षा प्रतिवेदन एवं लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र संसद के पटल पर प्रस्तुत किये जा चुके हों।

लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद एवं इसे जारी करने से सम्बन्धित सभी कार्यों को आपके निकाय द्वारा किया जाना ही अपेक्षित है। पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद जारी करते समय निम्नलिखित अस्वीकरण (disclaimer) अंकित करें।

"प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।"

भवदीय,

संलग्नक : यथोपरी

— हस्ता —
निदेशक (ए.एम.जी–IV)

Ph. : +91-11-23454100
Fax : +91-11-23702271
DGACR Building, I.P. Estate, New Delhi - 110002
E-mail : dgace@cag.gov.in

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-7/2018-19/720 दिनाँक: 23.08.18

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित निदेशक, राष्ट्रीय बाल भवन, कोटला रोड, नई दिल्ली 110002 को आवश्यक कार्यवाही हेतु अग्रेषित की जाती है। वार्षिक लेखाओं की हिंदी प्रति की 1 प्रति आवश्यक कार्यवाही हेतु इस कार्यालय को भेजी जाए।

संसद को प्रस्तुत कर दस्तावेज की दो प्रतियाँ उस तिथि को दर्शाते हुए, जब ये संसद को प्रस्तुत किये गए थे, इस कार्यालय को तथा भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक के कार्यालय को भेजी जाए।

संलग्नक: यथोपरी

निदेशक (ए.एम.जी-IV)

ए.एम.जी-IV/एस.ए.आर./एन.बी.बी/9-7/2018-19/ दिनाँक: 23.08.18

प्रति, प्रमाणित वार्षिक लेखे कि प्रति, उसके लेखापरीक्षा प्रतिवेदन तथा लेखापरीक्षा प्रमाणपत्र की प्रति सहित प्रधान निदेशक (रिपोर्ट -ए.बी.), भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक का कार्यालय, 9, दीन दयाल उपाध्याय मार्ग, नई दिल्ली-110124 को अग्रेषित की जाती है

यह महानिदेशक लेखापरीक्षा, केंद्रीय व्यय के अनुमोदन से जारी किया जा रहा है।

संलग्नक: यथोपरी

— हस्ता —

निदेशक (ए.एम.जी-IV)

राष्ट्रीय बाल भवन के 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष के लेखों की भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की लेखा परीक्षा रिपोर्ट

हमने नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य एवं सेवा शर्त्ते) अधिनियम, 1971 की धारा 20(1) के अन्तर्गत राष्ट्रीय बाल भवन (एनबीबी) की 31 मार्च 2018 की स्थितिनुसार इसकी आय, व्यय खातों/प्राप्तियाँ एवं भुगतान की संलग्न तुलन पत्र की लेखा परीक्षा की है। लेखा परीक्षा 2017-18 तक की अवधि के लिए प्रस्तुत है। ये वित्तीय विवरणियाँ राष्ट्रीय बाल भवन के प्रबंधन की जिम्मेदारी है। हमारा दायित्व हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर इन वित्तीय विवरणियों पर राय व्यक्त करना है।

2. यह पृथक लेखा परीक्षा सर्वोत्तम लेखांकन प्रणालियों के अनुपालन, लेखांकन मानदण्डों तथा प्रकटीकरण मानदण्डों के अनुरूप वर्गीकरण के सम्बंध में लेखांकन व्यवहार्यता आदि पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की टिप्पणियाँ अन्तर्विष्ट है। विधि, नियम एवं विनियम (प्रापराईटी एवं नियमितता) के अनुपालन एवं दक्षता-सह-कार्यनिष्पाय के सम्बंध में वित्तीय लेन-देनों पर लेखा परीक्षा टिप्पणियों, यदि कोई हों, को निरीक्षण रिपोर्ट/सीएजी की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से पृथक से संसूचित किया गया है।

3. हमने अपनी लेखा परीक्षा को भारत में सामान्यत: स्वीकार्य लेखांकन मानदण्डों के अनुरूप संचालित किया है। इन मानकों में यह अपेक्षित है कि हम इस अतिज्ञान का वित्तीय विवरणियाँ सारवान दुष्कथन से मुक्त है, इस आशय का उचित आश्वासन हासिल करने के लिए हम अंकेक्षक की आयोजना और इस निष्पादन करते है। किसी भी लेखा परीक्षा में राशियों का अनुसमर्थन करने वाले साक्ष्यों एवं वित्तीय विवरणियों के तथ्यों का परिक्षण आधार पर पड़ताल करना शामिल है। लेखा परीक्षा में लेखांकन के सिद्धान्तों के साथ-साथ प्रबन्धन द्वारा किया गया पर्याप्त मूल्यांकन और वित्तीय विवरणियों की सम्यक प्रस्तुति का मूल्यांकन भी शामिल रहता है। हमारा विश्वास है कि हमारी लेखा परीक्षा में हमारी राय के लिए पर्याप्त आधार विद्यमान रहता है।

4. हमारी लेखा परीक्षा के आधार पर, हम यह रिपोर्ट देते है कि :-

(i) हमने सभी जानकारी और स्पष्टीकरण हासिल कर लिए, किंतु रिपोर्ट में उल्लिखित बातों को छोड़कर जो कि हमारी लेखा परीक्षा के प्रयोगनार्थ आवश्यक थे और हमारी सर्वोत्तम जानकारी और विश्वास के अनुसार है।

(ii) इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते/प्राप्तियाँ और भुगतान खाता भारत सरकार, मानव संसाधन विकास विभाग मंत्रालय द्वारा निर्धारित फार्मेट में तैयार किए गए है।

(iii) हमारी राय में, रिपोर्ट में यथाउल्लिखित संदर्भो को छोड़कर, राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा समुचित लेखा बहियां व अन्य संगत रिकार्डों का रख-रखाव किया गया है, जहाँ तक ऐसी बहियों के हमारे परीक्षण से ज्ञात हुआ है।

(iv) हम यह भी रिपोर्ट करते है कि :-

क. तुलन पत्र

क.1 देयतायें

क.1.1 वर्तमान देयतायें एवं प्रावधान (अनुसूची 3) - रू 74.64 करोड

(i) वर्ष 2011-12 के दौरान एनबीबी ने मादक पदार्थ (ड्रग) दुरूपयोग एवं अवैध तस्करी के संबंध में राष्ट्रव्यापी अभियान के लिए सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय से 53 लाख रुपये की सहायता अनुदान राशि की प्राप्ति की थी तथा 19.25 लाख रुपये का उपयोग किया है। तथा, 44.26 लाख (10.57 लाख रुपये के ब्याज आय को सम्मिलित करते हुए) की अप्रयुक्त सहायता अनुदान की राशि को 31.03.2018 को चालू देयता में नहीं दर्शाया गया है। इसका अर्थ 44.26 लाख रुपये के संबंध में चालू देयता में कमी हुई है और पूंजीगत निधि के संबंध में बढ़ोत्तरी हुई है।

क.2 परिसम्पत्तियाँ

क.2.1 स्थायी परिसम्पत्तियाँ (अनुसूची 4) - 5.41 करोड रुपये

(i) भूमि और भवन को तुलन पत्र/अनुसूची में दो पृथक खाता शीर्षो के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। यह विसंगति 2012-13 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है। इसके फलस्वरूप 2014-15 से भूमि पर गलत ह्रास प्रभावित किया जा रहा है और इसके चलते स्थायी परिसम्पत्ति व पूंजीगत निधि खाते की संगणना नहीं की जा सकी है।

परिसम्पत्ति रजिस्टर में प्रत्येक भूमि के क्षेत्रफल के साथ-साथ फ्री होल्ड/लीज के रूप में इसे विनिर्दिष्ट किया जाना चाहिए।

(ii) उपरोक्त अनुसूची में 2013-14 में 12.07 लाख रुपये राशि की खरीदी गई स्थायी परिसम्पत्तियों को शामिल नहीं किया गया, जिसके चलते स्थायी परिसम्पत्तियों और पूंजीगत निधि में इस राशि की परिसम्पत्ति कम दर्शायी गई है। यह विसंगति 2013-14 से इंगित की जाती रही है, किंतु इसमें कोई सुधार नहीं किया गया है।

ख. आन्तरिक रसीद खाता

(i) केनरा बैंक के बचत खाता सं. 0158101118475 में पूंजीगत निधि (225.10 लाख रुपये), चालू देयता (4.26 लाख रुपये, स्थायी परिसम्पत्तियां रुपये 17.9 लाख तथा चालू परिसम्पत्तियां रुपये 217.21 लाख सहित बैंक राशि 211.45 लाख रुपये को राष्ट्रीय बाल भवन के मुख्य खाते से बाहर रखे गये हैं)। इसे आन्तरिक सृजित निधियों के खाते के रूप में पृथक से दर्शाया जाना चाहिए था।

आन्तरिक सृजित निधियों के खाते राष्ट्रीय बाल भवन के खातों का ही अभिन्न अंग है और एनबीबी की वित्तीय स्थिति की सम्पूर्ण, सत्य और सुस्पष्ट तस्वीर पेश करने के दृष्टिगत पूर्ण संगठन का एक समेकित खाता तैयार किया जाना चाहिए। इस संबंध में 2016-17 में भी प्रश्न उठाया गया पर कोई उपचारात्मक कार्रवाई नहीं की गई है।

(ii) होस्टल/ सभागार की बुकिंग के लिए 2.50 लाख रुपये (होस्टल : 1.30 लाख रुपये, सभागार 1.00 लाख रुपये तथा हाल : 0.20 लाख रुपये) की राशि के संबंध में प्राप्त अग्रिम राशि के लिए उपर्युक्त में देयताओं को शामिल नहीं किये गए है। इस कारण 2.50 लाख रुपये से चालू देयताओं में कमी हुई है, और पूंजीगत निधि में बढ़ोत्तरी हुई है।

ग. सामान्य

(i) एनबीबी ने मरम्मत/ सुधाार/ निर्माण/ स्थापना/ प्रतिस्थापन उद्देश्यों के लिए सीपीडब्लूडी को मार्च 2008 से मार्च 2018 तक की अवधि में 454.95 लाख रुपये की अग्रिम राशि का भुगतान किया था, जो कि 31.03.2018 के अनुसार बकाया है। इसके अलावा यह भी देखा गया था कि मार्च 2008 से मार्च 2009 तक की अवधि में सौपें गये कार्य और एक कार्य मार्च 2016 में सौंपा गया था जिसके लिए कि अग्रिम राशि का भी भुगतान किया गया था को पूरा किया गया है, पर अभी भी संपूर्ण प्रमाण-पत्र/ लेखा-विवरण के लिए इन्हें समायोजित नहीं किया गया है, जिसके कारण वर्तमान परिसंपत्तियों, ऋणों तथा अग्रिमों में बढ़ोत्तरी हुई और व्यय में कमी आई है।

(ii) 2010-11 से 2016-17 की अवधी के लिए राज्य बाल भवन/ बाल केन्द्रों को 31.03.2018 की स्थितिनुसार अग्रिम स्वरूप 194.69 लाख रुपये की राशि बकाया थी जो राज्य बाल भवनों/ बाल केन्द्रों से राशि इस्तेमाल किए जाने के प्रमाण-पत्र प्राप्त न होने के कारण है। लेखों को अन्तिम रूप देने से पहले यह प्रमाण पत्र तत्काल हासिल किया जाना चाहिए ताकि वर्ष के लिए इस खर्चे को वर्ष के व्यय शीर्ष में लिया जा सके और खातों में इस अग्रिम के रूप में न दर्शाया जा सके। यह अनियमितता 2013-14 से इंगित की जा रही है यू.सी. के कारण अभी भी भारी राशि लम्बित है।

(iii) वर्ष 1980-83 की अवधि से सम्बंधित जीपीएफ में से 2.13 लाख रुपये का निवेश सरकारी प्रतिभूतियों में दर्शाया गया है। इससे संबंधित रिकार्ड लेखा परीक्षा को उपलब्ध नहीं कराये गए है। इसी भांति 16,759/- रुपये की राशि जीपीओ नई दिल्ली में पड़ी है, इसे भी लेखा परीक्षा को प्रस्तुत नहीं किया गया है। एनबीबी ने बताया है कि निवेश को बैंक की सुरक्षित अभिरक्षा में रखा गया है। इस मामले को बैंक के साथ उठाया गया और बैंक ने सूचित किया है कि इस निवेश के रिकार्ड नहीं मिल रहे हैं और भा.रि.बैं के निर्देशों के अनुसार बैंक अपनी शाखा में रिकार्ड को 10 वर्ष

से ज्यादा नहीं रख सके। इस मामले में निर्णय लिए जाने की आवश्यकता है। 2011-12 तक के लिए इंगित किया जा रहा है।

(iv) वर्ष 2016-17 के लिए लेखे में एनबीबी ने 28.57 लाख रुपये की परिसंपत्तियों को दिखाया है जिसका निर्माण वर्ष के दौरान किया गया था, पर देयता के संबंध में 37.87 लाख की पूंजी बन गई है। इस कारण 8.80 लाख रुपये का अंतर पाया गया है जिसका सामंजस्य किया जाना है, जो कि अभी तक नहीं किया गया है।

घ. सहायता अनुदान

वर्ष 2017-18 के दौरान मानव संसाधन विकास मंत्रालय से राष्ट्रीय बाल भवन ने 1671.28 लाख रुपये (90.00 लाख रूपये : पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण और 1581.28 लाख रुपये : आवर्ती अनुदान के निर्माण के लिए अनुदान) की सहायता अनुदान की प्राप्ति की है। इसने पिछले वर्ष की 137.41 लाख रुपये की राशि (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 12.63 लाख रुपये तथा आवर्ती अनुदान : 124.78 लाख रुपये) एवं 18.06 लाख रुपये की पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए अनुदान : 1.00 लाख रूपये तथा आवर्ती अनुदान : 17.06 लाख रुपये की अन्य प्राप्तियों की शेष राशि को खर्च नहीं किया है। (पूंजीगत परिसंपत्तियों के निर्माण के लिए : पूंजी के तहत 83.85 लाख रुपये (ट्रांसफार्मर की मरम्मत और उसे बदलने के लिए सीपीडब्ल्यूडी को दिये गये 71.35 लाख रुपये को अग्रिम राशि को शामिल करते हुए) तथा आवर्ती अनुदान : 188.18 लाख रुपये)

वर्ष 2016-17 के लिए एनबीबी ने 137.41 लाख रुपये (योजना : 30.81 लाख रुपये तथा गैर योजना : 106.6 लाख रुपये) को खर्च नहीं किया है, जबकि वर्ष 2017-18 के लिए अनुदान एवं सब्सिडी की अनुसूची 10 में वेतन (गैर-योजना) के तहत 106.60 लाख रुपये एवं सामान्य शीर्ष के तहत 31.143 रुपये प्रारंभिक शेष के रूप में है।

अनुसूची 10 में एनबीबी ने वर्ष 2017-18 के लिए 18.06 लाख रुपये की अन्य प्राप्तियों को शामिल नहीं किया है। 1511.56 लाख रुपये के रूप में कुल व्यय को दर्शाया गया है। राजस्व (वेतन एवं सामान्य) के तहत तथा पूंजीगत शीर्ष के तहत 90.00 लाख रुपये हैं। इसमें सुधार किया जाना जरूरी है।

ड. प्रबन्धन पत्र

लेखा परीक्षा में शामिल की गई कमियों की जानकारी उपचारात्मक/ सुधारात्मक कार्यवाही के लिए पृथक से जारी प्रबन्धन पत्र के माध्यम से प्रबंध-तंत्र के संज्ञान में लाई गई है।

(v) विगत पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अध्याधीन हम यह रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में उल्लिखित तुलन पत्र, आय और व्यय खाता तथा प्राप्तियां व भुगतान लेखा बहियों के अनुसार है।

(vi) हमारी राय तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी और हमें दिए गए स्पष्टीकरणों के अनुसार लेखा नीतियों तथा लेखा सम्बंधी नोट और टिप्पणी सं. ख(i) व अन्य उल्लेखनीय मामलों, व इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुबंध में उल्लिखित अन्य मामलों के अध्याधीन उपरोक्त वित्तीय विवरणियां सत्य एवं स्पष्ट तस्वीर प्रस्तुत करती हैं और भारत में सामान्यतः स्वीकार्य लेखा नीतियों के अनुरूप हैं।

क. जहाँ तक 31 मार्च 2018 की स्थितिनुसार राष्ट्रीय बाल भवन की स्थिति पर तुलन पत्र का सम्बंध है; और

ख. जहाँ तक उक्त तिथि को समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में कमी का सम्बंध है।

कृते और भारत के नियंत्रक एवं महालेखाकार की ओर से

स्थान : नई दिल्ली
दिनाँक : 24.08.2018

महानिदेशक लेखा परीक्षा
केन्द्रीय व्यय

लेखा परीक्षा रिपोर्ट का अनुलग्नक I

1. आन्तरिक लेखा परीक्षा

- राष्ट्रीय बाल भवन में अपना कोई आन्तरिक लेखा परीक्षा अनुभाग/विभाग नही है। इनका कोई लेखा परीक्षा मैनुयल भी नही है।

2. आन्तरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता

राष्ट्रीय बाल भवन का आन्तरिक नियंत्रण निम्नलिखित कारणवश अपर्याप्त है :-

- राज्य बाल भवनों/बाल केन्द्रों को राष्ट्रीय बाल भवन द्वारा दिए गए अग्रिमों के उपयोग किए जाने का प्रमाण पत्र न किया जाना।
- 2007-08 से केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग को दिए गए अग्रिमों का समायोजन न करना।

3. स्थायी परिसम्पत्तियों के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- वर्ष 2017-18 के लिए स्थायी परिसम्पत्तियों जैसे फर्नीचर और फिक्चर, वाहन, संयंत्र और मशीनरी, कम्प्यूटर और उपस्करों का भौतिक सत्यापन प्रगति अधीन है।

4. माल सूची के भौतिक सत्यापन की प्रणाली

- स्टेशनरी और अन्य उपभोज्य मदों जैसी वस्तुओं का भौतिक सत्यापन मार्च 2018 तक किया गया है।
- वर्ष 2017-18 के लिए पुस्तकों और प्रकाशन का भौतिक सत्यापन प्रगति अधीन है।

5. देयताओं के भुगतान में नियमितता

- लेखों के अनुसार, 31.03.2018 की स्थितिनुसार सांविधिक देयताओं के सम्बंध में कोई भी भुगतान छः माह से ऊपर लम्बित नही था।

Disclaimer

''प्रस्तुत प्रतिवेदन मूल रूप से अंग्रेजी में लिखित पृथक लेखापरीक्षा प्रतिवेदन का हिंदी अनुवाद है। यदि इसमें कोई विसंगति परिलक्षित होती है तो अंग्रेजी में लिखित प्रतिवेदन मान्य होगा।''

राष्ट्रीय बाल भवन
NATIONAL BAL BHAVAN